हिन्दी दैनिक

पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, बुधवार | 02 अप्रैल 2025 | वर्ष : 03 अंक : 89 | पृष्ठ - 12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

स्टालिन ने प्रधानमंत्री मोदी से वक्फ संशोधन विधेयक वापस लेने का आग्रह किया

एजेंसी

तमिलनाडु: तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को वापस लेने की मांग की। उन्होंने दावा किया कि इस विधेयक से मुसलमानों के हितों को नुकसान पहुंचेगा ।स्टालिन ने कहा कि संविधान प्रत्येक नागरिक को अपने-अपने धर्म के पालन करने का अधिकार देता है और इसे (अधिकार को) बनाए रखना तथा उसकी रक्षा करना निर्वाचित सरकारों का कर्तव्य है ।उन्होंने कहा कि वक्फ अधिनियम, 1995 में प्रस्तावित संशोधनों में अल्पसंख्यकों को दी गई संवैधानिक सुरक्षा को ध्यान में नहीं रखा गया है और इससे ह्वमुस्लिम समुदाय के हितों को गंभीर नुकसान पहुंचेगा ।मुख्यमंत्री पहले ही वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध कर चुके हैं। उन्होंने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री से व्यक्तिगत हस्तक्षेप की मांग की और रेखांकित किया कि कुछ दिन पहले तमिलनाडु विधानसभा ने एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र से विधेयक वापस लेने का आग्रह किया था।

वक्फ बिल किसी की संपत्ति छीनने का कानून नहीं,

लोकसभा में बोले रिजिजू, जहां नमाज पढ़ी जाती है, वहां कोई दखल नहीं

किरेन रिजिजू ने कहा कि संप्रग सरकार ने वक्फ कानून में बदलावों के जरिये इसे अन्य कानूनों से ऊपर कर दिया था, इसलिए नये संशोधनों की आवश्यकता पड़ी। विपक्ष के शोरगुल के बीच रीजीजू ने साफ तौर पर कहा कि सरकार किसी भी धार्मिक संस्था में हस्तक्षेप नहीं करने जा रही।

एजेंसी

नई दिल्ली: केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में वक्फ विधेयक को चर्चा और पारित कराने के लिए रखते हुए कहा कि सरकार, संसद की संयुक्त समिति को वक्फ विधेयक पर हितधारकों, विशेषज्ञों से कई ज्ञापन और सुझाव मिले। उन्होंने कहा कि इस संसद भवन पर भी वक्फ का दावा किया जा रहा था, संप्रग सरकार ने तो काफी संपत्ति गैर-अधिसूचित करके दिल्ली वक्फ बोर्ड को दे दी। रीजीजू ने लोकसभा में विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि आपने उन मुद्दों पर लोगों को गुमराह करने की कोशिश की जो वक्फ विधेयक का हिस्सा नहीं हैं।

धार्मिक संस्था में हस्तक्षेप नहीं

किरेन रिजिजू ने कहा कि संप्रग सरकार ने वक्फ कानून में बदलावों के जरिये इसे अन्य कानूनों से ऊपर कर दिया था, इसलिए नये संशोधनों की आवश्यकता पड़ी। विपक्ष के शोरगुल के बीच रीजीजू ने साफ तौर पर कहा कि सरकार किसी भी धार्मिक संस्था में हस्तक्षेप नहीं करने जा रही। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जहां नमाज पढ़ी जाती है, वहां कोई दखल नहीं। अपने संबोधन की शुरूआत में कहा कि किसी की बात कोई बुरा-गुमा ना समझेगा। जमीन का दर्द कभी आसमान नहीं समझेगा। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद ही नहीं, बल्कि पूरा यकीन है कि जो लोग इस बिल का विरोध कर रहे हैं, उनके दिल में भी बदलाव आएगा। सभी लोग सकारात्मक सोच के साथ इस बिल का समर्थन करेंगे।

संसद भवन पर भी हो गया था दावा

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दिल्ली में 1970 से चल रहा एक मामला सीजीओ कॉम्प्लेक्स और संसद भवन सहित कई संपत्तियों से जुड़ा हुआ था। दिल्ली वक्फ बोर्ड ने इन पर वक्फ संपत्ति होने का दावा किया था। मामला अदालत में था, लेकिन उस समय यूपीए सरकार ने 123 संपत्तियों को डीनोटिफाई करके वक्फ बोर्ड को सौंप दिया था। अगर हमने आज यह संशोधन नहीं किया होता, तो हम जिस संसद भवन में बैठे हैं, उस पर भी वक्फ संपत्ति होने का दावा किया जा सकता था। अगर पीएम मोदी सरकार सत्ता में नहीं आती, तो कई संपत्तियां डीनोटिफाई हो जातीं।

उन्होंने कहा कि 2013 में, 2014 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले, कुछ ऐसे कदम उठाए गए जो आपके मन में सवाल खड़े करेंगे। 2013 में, सिखों, हिंदुओं, पारसियों और अन्य लोगों को वक्फ बनाने की अनुमति देने के लिए अधिनियम में बदलाव किया गया। सभी जानते हैं कि वक्फ मुसलमानों के लिए अल्लाह के नाम पर वक्फ बनाने के लिए है। यह बदलाव 2013 में कांग्रेस ने किया था। कांग्रेस ने बोर्ड को खास बनाया, शिया बोर्ड में सिर्फ. शिया। एक धारा जोड़ी गई कि वक्फ का प्रभाव हर दूसरे कानून पर हावी होगा। यह धारा कैसे स्वीकार्य हो सकती है? उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड की भूमिका मुतवल्लियों और वक्फ मामलों को संभालने वालों द्वारा वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन की निगरानी करना है। यह पूरी तरह से शासन और पर्यवेक्षण के लिए एक प्रावधान है। वक्फ बोर्ड किसी भी तरह से वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन नहीं करता है ।किरेन रिजिजू ने कहा कि संप्रग सरकार ने वक्फ कानून में बदलावों के जरिये इसे अन्य कानूनों से ऊपर कर दिया था, इसलिए नये संशोधनों की आवश्यकता पड़ी। विपक्ष के शोरगुल के बीच रीजीजू ने साफ तौर पर कहा कि सरकार किसी भी धार्मिक संस्था में हस्तक्षेप नहीं करने जा रही।

वक्फ संशोधन" पर महमूद मदनी का बड़ा बयान, बताया क्या होगा अगला कदम

एजेंसी

नई दिल्ली: जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने बुधवार को संसद में वक्फ संशोधन विधेयक पेश किए जाने की निंदा करते हुए एक संदेश जारी किया। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित विधेयक असंवैधानिक है और मौलिक अधिकारों का घोर उल्लंघन है। वक्फ विधेयक पेश किए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए मदनी ने कहा कि यह विधेयक अलोकतांत्रिक है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार लोकतांत्रिक सिद्धांतों और उचित प्रक्रिया की अवहेलना करते हुए केवल अपने संख्यात्मक बहुमत के आधार पर इसे पारित करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि यह दृष्टिकोण बहुसंख्यकवादी मानसिकता को दशार्ता है जो अल्पसंख्यकों के अधिकारों को कमजोर करता है और न्याय और समानता के मूलभूत मूल्यों को खतरे में डालता है ।इस विधेयक को बलपूर्वक और मनमाने तरीके से पेश किया गया है, जिसका स्पष्ट उद्देश्य अल्पसंख्यकों के अधिकारों को कम करना है। इसका ढांचा और इसके पीछे की मंशा मुस्लिम समुदाय के प्रति गहरे पूर्वाग्रही रवैये को उजागर करती है। मदनी ने कहा कि हालांकि हमने मौजूदा कानून में रचनात्मक सुधारों की लगातार वकालत की है, लेकिन प्रस्तावित संशोधन वास्तविक चिंताओं को संबोधित करने के बजाय मौजूदा चुनौतियों को और बढ़ाएंगे और आगे और जटिलताएं पैदा करेंगे। मदनी ने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय के प्रतिनिधि के रूप में वह इस विधेयक को पूरी तरह से खारिज करते हैं और यह किसी भी रूप में अस्वीकार्य है। इस अन्याय के खिलाफ हमारा संघर्ष सभी कानूनी और शांतिपूर्ण तरीकों से जारी रहेगा और हम अपने अधिकारों पर इस तरह के हमले के

उनको राजनीति करनी ही नहीं चाहिए जो इसे ह्वपार्ट टाइम समझते हैं : योगी पर अखिलेश का तंज

एजेंसी

दिल्ली: समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तंज करते हुए कहा कि उनको राजनीति करनी ही नहीं चाहिए जो इसे पार्ट टाइम समझते हैं ।सपा प्रमुख ने योगी आदित्यनाथ के एक बयान पर तंज किया, जो उन्होंने ह्वपीटीआई-भाषाह्ल के साथ एक विशेष साक्षात्कार के दौरान व्यक्त किया। यादव ने कहा, ह्लदरअसल उनको राजनीति करनी ही नहीं चाहिए जो इसे पार्ट टाइम (अंश कालिक) समझते हैं, क्योंकि सच्ची राजनीति सेवा का क्षेत्र होती है जिसके लिए दिन के 24 घंटे और पूरा जीवन भी कम होता है ।साक्षात्कार में एक सवाल के जवाब में योगी ने कहा ह्ल राजनीति मेरे लिए ह्वफुल टाइम जॉबह्ल नहीं है। फिलहाल, हम यहां काम कर रहे हैं। मगर असल में मैं एक योगी हूं। जब तक हम यहां हैं, हम काम कर रहे हैं। इसकी भी एक समय सीमा होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी प्राथमिक भूमिका उत्तर प्रदेश के लोगों की सेवा करना है, जो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उन्हें सौंपा है।

वक्फ पर नीतीश की गुगली, जेडीयू ने किया ऐसा काम, सदन में पलट गया पूरा खेल

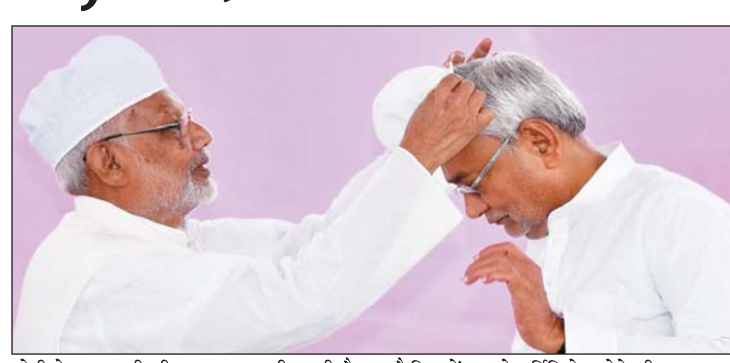

एजेंसी

पटना: वक्फ संशोधन बिल को लेकर लोकसभा में जबरदस्त चर्चा चल रही है। एनडीए के तमाम सहयोगी दलों के सांसद बहस में अपनी बात मजबूती से रख रहे हैं। वहीं कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी पार्टियों की बोलती बंद हो गई है। जेडीयू सांसद ललन सिंह ने लोकसभा में जोरदार भाषण दिया है। पहले वक्फ बिल को लेकर तमाम तरह की अटकलें लगाई जा रही थी। अफवाह फैलाया जा रहा था कि जेडीयू का पक्ष बदल सकता है। लेकिन तमाम बातों से इतर ललन सिंह ने खुलकर अपनी बातें रखी हैं और बताया है कि किस तरह से ये बिल मुस्लिम विरोधी नहीं है। उन्होंने पीएम मोदी के काम की भी जबरदस्त तारीफ की है। कांग्रेस पार्टी पर भी निशाना साधते हुए उन्होंने कहा है कि हमें आपसे सर्टिफिकेट लेने की जरूरत नहीं है। ललन सिंह ने पहले ही कहा था कि हम अपना स्टैंड लोकसभा के अंदर बताएंगे। इसे ही पॉलिटिकल गूगली कहते हैं। नीतीश की पार्टी ने ऐसी गूगली मारी की कई धुरंधर चारों खाने चित हो गए। तमाम बुद्धिजीवी पत्रकार से लेकर एक्टिवस्ट कम विश्लेषक ये दावा कर रहे थे कि नीतीश कुमार पलटी खा जाएंगे। वक्फ के बदलाव के खिलाफ बयान देंगे। वॉकआउट कर जाएंगे। कई सारी बातें कही गई। लेकिन ललन सिंह ने जिस तरीके से कांग्रेस पार्टी और तमाम विपक्ष के ऊपर हमला किया है कि उनकी बोलती बंद हो गई। लेकिन सबसे गौर करने वाली बात ये है कि इतना बड़ा मुद्दा संसद में उठ रहा है तो राहुल गांधी सदन से नदारद दिखे।

'खाता न बही जो वक्फ कहे वही सही', लोकसभा में बोले अनुराग ठाकुर, देश का दूसरा विभाजन नहीं होने देंगे

एजेंसी

नई दिल्ली: लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक पर बोलते हुए भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने विपक्षी दलों पर इस विधेयक का विरोध करने के लिए निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विभाजन धार्मिक आधार पर हुआ था, इसलिए हम देश का दूसरा विभाजन नहीं होने दे सकते। ठाकुर ने कहा कि भारत ने 1947 में विभाजन देखा है। वह विभाजन एक परिवार और एक पार्टी की वजह से हुआ था। आज हम भूमि जिहाद के नाम पर दूसरा विभाजन नहीं होने देंगे। हम ऐसा नहीं होने देंगे। भारत को वक्फ बोर्ड के डर से मुक्ति चाहिए ।वक्फ भ्रष्टाचार का अड्डा अनुराग ठाकुर ने कहा कि नया कानून कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति के ताबूत में आखिरी कील साबित होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस वक्फ विधेयक का विरोध कर रही है क्योंकि उन्होंने वक्फ की जमीन का बड़ा हिस्सा हड़प लिया है और उन्हें डर है कि उनका पदार्फाश हो जाएगा। उन्होंने कहा कि वक्फ भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया था। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वक्फ संशोधन बिल अन्याय की जड़ पर प्रहार है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस जाति, धर्म, क्षेत्र के नाम पर बांटती है। भाजपा सांसद ने कहा कि ये बिल नहीं बल्कि उम्मीद (एकीकृत वक्फ प्रबंधन सशक्तिकरण, दक्षता और विकास) है।

'लालू जी की इच्छा कांग्रेस ने तो पूरी नहीं की, मोदीजी ने कर दी', अमित शाह ने लोकसभा में ऐसा क्यों कहा

एजेंसी

नई दिल्ली: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वक्फ विधेयक के संबंध में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद की इच्छा पूरी कर रहे हैं और उन्होंने विपक्ष पर ऐसा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 पर बहस में भाग लेते हुए अमित शाह ने कहा कि यदि 2013 में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए-2 सरकार के दौरान वक्फ (संशोधन) अधिनियम पारित नहीं किया गया होता तो नए कानून की आवश्यकता नहीं पड़ती ।शाह ने कहा कि जब 2013 में वक्फ में संशोधन पेश किए गए थे, तब लालू प्रसाद ने कहा था कि वे एक सख्त कानून चाहते हैं और चोरी करने वालों को जेल भेजना चाहते हैं। उन्होंने संसद में लालू यादव के भाषण का भी हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा था, "हम सरकार द्वारा पेश किए गए संशोधन विधेयक का स्वागत करते हैं। मैं (भाजपा नेता) शाहनवाज हुसैन और अन्य लोगों द्वारा दिए गए बयानों का समर्थन करता हूं। अधिकांश जमीन हड़पी गई है, चाहे वह सरकारी हो या अन्य। वक्फ बोर्ड के लोगों ने सभी कीमती जमीनें बेच दी हैं। पटना में डाक बंगला की संपत्ति पर अपार्टमेंट बनाए गए हैं।

वक्फ बिल में कुछ भी गलत नहीं, JDU का खुलकर किया समर्थन,

ललन सिंह बोले- नीतीश नहीं करते वोटबैंक की राजनीति

एजेंसी

पटना: बुधवार को लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक पर चर्चा और पारित होने के लिए जोरदार हंगामा हो रहा है। सरकार विधेयक को पारित कराने के लिए दृढ़ संकल्प है और विपक्ष एकजुट होकर प्रस्तावित कानून को असंवैधानिक बताकर उसकी निंदा कर रहा है। विधेयक गुरुवार को राज्यसभा में पेश किए जाने की संभावना है, जिसमें प्रस्तावित कानून पर बहस के लिए दोनों सदनों को आठ-आठ घंटे आवंटित किए गए हैं। भाजपा के बाद एनडीए के चार सबसे बड़े घटक दल तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी), जनता दल (यूनाइटेड), शिवसेना और लोजपा (रामविलास) ने अपने सांसदों को व्हिप जारी कर सरकार के रुख का समर्थन करने को कहा है। नीतीश कुमार की पार्टी जदयू ने साफ तौर पर संसद में वक्फ (संशोधन) विधेयक का समर्थन किया है। केंद्रीय मंत्री और जेडीयू सांसद राजीव रंजन (ललन) सिंह ने कहा कि विपक्ष धर्मनिरपेक्षता के नाम पर लोगों को बांट रहा है। उन्होंने कहा कि विधेयक का विरोध करने का कोई कारण नहीं है। नीतीश कुमार वोटबैंक की राजनीति नहीं करते।

ललन सिंह का तर्क

ललन सिंह ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा हो रही है। चर्चा की शुरूआत से ही यह माहौल बनाने की कोशिश की गई है कि बिल मुस्लिम विरोधी है। लेकिन बिल मुस्लिम विरोधी बिल्कुल नहीं है। वक्फ एक तरह का ट्रस्ट है जो मुसलमानों के हित में काम करने के लिए बनाया गया है। यह कोई धार्मिक संगठन नहीं है।

'सारी जमीनें हड़प ली, सख्त कानून बने...'

वक्फ बिल पर चर्चा के बीच वायरल हुआ लालू यादव का पुराना वीडियो

एजेंसी

पटना: लोकसभा में केंद्र के वक्फ संशोधन विधेयक पर विपक्षी दलों के बढ़ते विरोध के बीच राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है जिससे राजनीतिक हलचल मच गई है। 7 मई, 2010 की इस क्लिप में यादव वक्फ से जुड़े भूमि अतिक्रमणों पर चिंता जताते हुए और सख्त कानून बनाने की मांग करते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में लालू लोकसभा में बोलते हुए दिख रहे हैं, "देखिए, बहुत सख्त कानून होना चाहिए। सारी जमीनें हड़पी गई हैं- चाहे सरकारी हो या निजी, या फिर उन लोगों की जमीनें जो वहां काम करते थे। सब बेच दी गई हैं। बेशकीमती जमीनें ।लालू ने आगे कहा था कि ऐसा नहीं है कि वो खेती की जमीन थी। पटना के डाकबंगले के पास जितनी भी जमीनें हैं, उन सभी को अपार्टमेंट में बदल दिया गया है। सबने लूट मचाई है। अब से... अच्छा, आज ही ये लेकर आ जाइए, हम आपका संशोधन पास कर देंगे। लेकिन आगे जो भी प्रक्रिया बनेगी, वो सख्ती से होनी चाहिए। यह वीडियो बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया पर साझा किया है, जिसमें कई लोगों का ध्यान इस ओर आकर्षित किया गया है कि यह वक्फ विधेयक पर राजद की वर्तमान स्थिति के विपरीत है ।राजद नेता तेजस्वी यादव ने वक्फ संशोधन विधेयक, 2024 का कड़ा विरोध किया है। मंगलवार को एएनआई से बात करते हुए उन्होंने कहा, "यह एक असंवैधानिक विधेयक है। हम संविधान में विश्वास रखने वाले लोग हैं। भाजपा के लोग 'नागपुर का कानून' थोपना चाहते हैं; यह हमें बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। हम 'गंगा-जमुनी तहजीब' में विश्वास करते हैं, हमारे देश की विविधता ही इसकी खूबसूरती है।" तेजस्वी ने यह भी कहा कि राजद ने संसद के दोनों सदनों के साथ-साथ बिहार विधानसभा और विधान परिषद में भी विधेयक का विरोध किया है। उन्होंने कहा, "हम आने वाले समय में भी इसका विरोध करेंगे। ऐसा विधेयक हमें कभी स्वीकार्य नहीं होगा। अपनी खराब सेहत के बावजूद लालू जी विरोध में शामिल हुए ।लालू ने आगे कहा था कि ऐसा नहीं है कि वो खेती की जमीन थी। पटना के डाकबंगले के पास जितनी भी जमीनें हैं, उन सभी को अपार्टमेंट में बदल दिया गया है। सबने लूट मचाई है। अब से... अच्छा, आज ही ये लेकर आ जाइए, हम आपका संशोधन पास कर देंगे।

मुसलमानों को अपने वर्तमान आचरण पर आत्मनिरीक्षण करना चाहिए और सुधार के नाम पर धोखे को खारिज करना चाहिए: रेयाज आलम

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

2 अप्रैल 2025 पटनावक़्फ और उसकी कुप्रबंधन का मुद्दा मुस्लिम समुदाय के लिए लंबे समय से चिंता का विषय रहा है। दुर्भाग्यवश, वास्तविक सुधारों के बजाय, वक़्फ संशोधन विधेयक के नाम पर एक नया छल किया जा रहा है। जिन्होंने दशकों तक वक़्फ संपत्तियों को लूटा, वही अब अपनी चालाकी से जनता को गुमराह कर रहे हैं, जबकि सरकार-समर्थक कुछ मुस्लिम नेता समझौते और जीत का झूठा सपना बेच रहे हैं। समुदाय को अपने वर्तमान आचरण पर आत्मनिरीक्षण (introspection) करना होगा, अन्यथा बहुत देर हो जाएगी।

वक़्फ: अपनों के हाथों लूटा गया

वर्षों से, वे वक़्फ संपत्तियाँ जो मुस्लिम समाज की भलाई के लिए दी गई थीं, उन्हीं लोगों द्वारा लूटी जा रही हैं जिन्हें इनका संरक्षक बनाया गया था। गरीबों की शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक उन्नति के बजाय, इन संपत्तियों को भ्रष्ट वक़्फ प्रशासकों, अधिकारियों और उनके राजनीतिक आकाओं ने अपनी निजी जागीर बना लिया।

कड़वी सच्चाई:

मस्जिद की जमीनों का दुरुपयोग झ या तो हड़पी जा रही हैं या रिश्वत के जरिए 99 साल की लीज पर दी जा रही हैं।

वक़्फ के फंड्स का गलत इस्तेमाल झ गरीबों के बजाय कुछ चुनिंदा लोगों की जेबें भरी जा रही हैं।

पारदर्शिता की कमी झ आम मुसलमान यह तक नहीं जानता कि वक़्फ संपत्तियों से कितनी आय हो रही है।

कोई जवाबदेही नहीं झ वक़्फ बोर्ड भ्रष्टाचार के अड्डे बन चुके हैं, जहां कोई निगरानी नहीं है।

इसके बावजूद, कोई भी प्रभावशाली मुस्लिम नेता या विद्वान इसके खिलाफ आवाज उठाने की हिम्मत नहीं कर रहा। जो खुद को वक़्फ का रक्षक कहते हैं, वही इसकी बबार्दी के असली जिम्मेदार हैं।

वक़्फ विधेयक: धोखे का एक खतरनाक खेल

सरकार जैसे-जैसे अपने प्रस्तावित वक़्फ विधेयक को आगे बढ़ा रही है, कुछ राजनीतिक दल और व्यक्ति यह झूठ फैला रहे हैं कि इस विधेयक में

मुसलमानों के पक्ष में संशोधन किए गए हैं। यह बहुत बड़ा धोखा है !

यह दावा कि खञ्ज और ळ्ञ्ढ जैसी पार्टियों ने मुसलमानों के लिए संशोधन करवाए हैं, एक सोची-समझी साज़िश है ताकि विरोध को शांत किया जा सके और बिना किसी वास्तविक प्रतिरोध के विधेयक को पारित कराया जा सके। सच्चाई यह है कि यह विधेयक विवादित वक़्फ संपत्तियों को सरकार के नियंत्रण में दे देगा, जो कई साल पहले जमीन हड़पने और कुप्रबंधन के जरिए शुरू किया गया था। आज जो लोग इस विधेयक के समर्थन में जश्न मना रहे हैं, यही वे लोग हैं जिन्होंने कभी उअअ, ठफ्छ और वअढअ जैसे कानूनों को ह्लबेहद सामान्यह्व बताया था। समुदाय को अब दोबारा धोखा नहीं खाना चाहिए।

नीतीश कुमार की गद्दारी और इस्लामी संस्थानों पर हमला

इस बड़े धोखे का एक और सबूत हाल ही में सामने आया है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने सांसदों को वक़्फ विधेयक के पक्ष में मतदान करने का आदेश दिया, जिससे उनकी दोहरी नीति का पदार्फाश हो गया है।

यह षड्यंत्र उनकी सरकार द्वारा इमारत-ए-शरिया बिहार पर किए गए शर्मनाक हमले के बाद उजागर हुआ है। यह एक ऐतिहासिक इस्लामी संस्था है जिसने सरकारी दबाव के आगे झुकने से इनकार कर दिया।

आंतरिक सूत्रों के अनुसार, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (अक्ल्ढछइ) के कुछ सदस्य भी इस हमले में शामिल थे। यदि बोर्ड ने इन सरकारी एजेंटों को बाहर नहीं निकाला, तो उसकी साख हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी।

क्या करना चाहिए: वक़्फ विधेयक के खिलाफ एकजुट संघर्ष

1. गद्दारों को बेनकाब करें झ उन लोगों की पहचान करें और उनसे किनारा करें जो समुदाय के खिलाफ साजिश रच रहे हैं।
2. पारदर्शिता की माँग करें झ वक़्फ की आय का विवरण हर मस्जिद में सार्वजनिक किया जाए और इसके फंड्स का उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के लिए किया जाए।
3. राजनीतिक रूप से जागरूक बनें झ समुदाय को ऐसे किसी भी विधेयक का डटकर विरोध करना चाहिए जो उसके धार्मिक संस्थानों को नुकसान पहुँचाए।
4. फर्जी समझौतों को नकारें झ इस झूठे प्रचार में न आएँ कि ह्लहमारे हित में बदलाव किए गए हैंह्व।

यह सिर्फ संपत्तियों की लड़ाई नहीं है, बल्कि न्याय, जवाबदेही और भारत में मुस्लिम समुदाय के भविष्य की जंग है। अब खामोशी का वक्त नहीं है। जो लोग समुदाय से गद्दारी कर रहे हैं, उन्हें बेनकाब और अस्वीकार किया जाना चाहिए। और जो लोग वक़्फ को लूट रहे हैं, उन्हें हटाया जाना चाहिए।

जय हिंद ! जय भारत !

पुलिस अधीक्षक सारण द्वारा पुलिस कार्यालय छपरा में जनसुनवाई की गई

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

आज दिनांक 02.04.2025 को पुलिस अधीक्षक सारण द्वारा पुलिस कार्यालय छपरा में जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई में आए 30 आवेदकों ने उपस्थित होकर अपनी समस्या बताई, सबके निराकरण हेतु आवश्यक नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। विदित हो कि पुलिस कार्यालय में सप्ताह में दो दिन सोमवार एवं शुक्रवार लाइव वेबिनार के माध्यम से एवं प्रत्येक कार्य दिवस पर भौतिक रूप से 11:00 .से 1:00स्त्र. तक जनसुनवाई की जाती है।

अग्नि पीड़ितों से विधायक ने भेंट कर दी, सहायता राशि

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। विगत दिनों समस्तीपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पंचायत छतौना वो मोरदीवा में आग लगने से घटित घटना के पीड़ित परिवार विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन ने भेंट किया एवं अपने निजी तौर से आवश्यक खाद्य सामग्री उपलब्ध कराया। साथ ही पीड़ित परिवार के मुखिया को सरकारी सहायता राशि का चेक प्रदान भी किया। छतौना पीड़ित परिवारों में सुंदरेश्वर राम, दशरथ राम, उमा देवी, राजेश राम, उपेंद्र गिरी वो मोरदीबा वार्ड पीड़ित परिवार से आनंद कुमार, संजीत कुमार का नाम शामिल है। उपरोक्त पीड़ित परिवार के मुखिया ने सहृदय विधायक का शुक्रिया अदा किया। इस अवसर पर प्रखंड राजद अध्यक्ष संतोष कुमार, ज़िला राजद के वरीय नेता, ज्योतिष महतो, मनोज पटेल, राकेश गिरी (पंचायत समिति सदस्य), मो अमरोज, सूरज कुमार, मो राजू, मो महफूज आलम सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

डाकघर खाता खोलने में पहली दफा बिहार में अव्वल स्थान हासिल किया समस्तीपुर प्रमंडल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। डाक प्रमंडल के डाक अधीक्षक दिनेश साह ने मीडिया कर्मियों को बताया कि डाक प्रमंडल समस्तीपुर के सभी कर्मियों के कड़ी मेहनत के परिणाम स्वरूप समस्तीपुर प्रमंडल ने वित्तीय वर्ष 2024 - 2025 में खाता खोलने में बिहार में पहली दफा अव्वल स्थान हासिल किया है एवं समस्तीपुर पूर्वी सब डिवीजन कैटेगरी में तीसरा स्थान प्राप्त किया है एवं पश्चिमी अनुमंडल समस्तीपुर बिहार सर्किल में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। इसका पूर्ण रूप से श्रेय सभी डाक कर्मियों को जाता है। समस्तीपुर मंडल ने नया कीर्तिमान स्थापित किया। डाक कर्मचारी संघ के प्रमंडल सचिव राजाराम राकेश यादव ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा है कि अप्रैल 2024 को नये डाक अधीक्षक एवं नये डाकपाल समस्तीपुर प्रधान डाकघर के कार्यभार ग्रहण के बाद प्रमंडल के सभी डाकघरों में कार्य की गुणवत्ता में अत्यधिक सुधार हुआ है। डाक अधीक्षक का भेदभाव रहित व्यवहार सभी कमीर्यों में नया ऊर्जा का संचार लाया है, जिसका परिणाम है समस्तीपुर बिहार में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस अवसर पर समस्तीपुर प्रमंडल में कार्यरत डाक निरीक्षक मृत्युंजय कुमार, विक्की कुमार, विक्रम कुमार, धनंजय कुमार, समस्तीपुर प्रधान डाकघर के डाकपाल रमाकांत राय ने प्रमंडल के सभी कमीर्यों एवं डाकघर के सभी ग्राहकों को बधाई दिया है।

मौसम रहेगा शुष्क, 40 के करीब जा सकता है पारा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के पूसा स्थित डॉ राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के ग्रामीण कृषि मौसम सेवा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जलवायू परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र द्वारा जारी 03 से 06 अप्रैल 2025 तक के मौसम पूवार्नुमान के अनुसार पूवार्नुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल आ सकते है। हालांकि इस दौरान मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है। इस अवधि में अधिकतम तापमान 36 से 39 डिग्री सेल्सियस वहीं न्यूनतम तापमान 17 से 20 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। पूवार्नुमानित अवधि में औसतन 4 से 9 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की सम्भावना है। सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 75 से 85 प्रतिशत तथा दोपहर में 30 से 40 प्रतिशत रहने की संभावना है।

मशरक में फर्जी निजी नर्सिंग होम में डिलीवरी के दौरान बिगड़ी हालत, पटना में मौत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक नगर पंचायत क्षेत्र के मशरक शीतलपुर एस एच 73 पर मुन्नी मोड़ के पास फर्जी निजी नर्सिंग होम में डिलीवरी के समय चिकित्सक के द्वारा लापरवाही बरतने के कारण मरीज की हालत काफी बिगड़ गई। जिसे पटना इलाज के लिए ले जाया गया। जहां महिला की मौत हो गई। मृतिका के परिजन शव लेकर पटना से मुन्नी मोड़ अवस्थित नर्सिंग होम पहुंचे और शव को नर्सिंग होम के अंदर रख बवाल मचाया। वहीं परिजनों के मृत महिला के शव के साथ पहुंचने पर अस्पताल में कार्यरत चिकित्सक समेत अन्य कर्मी फरार हो गए वहीं अस्पताल के बोर्ड को चादर से ढक दिया गया। परिजनों ने बताया कि महिला को एक लड़का हैं वहीं डिलेवरी के लिए उसे नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया , जहां डिलेवरी के दौरान एक स्वस्थ शिशु को जन्म दी हैं वहीं परिजनों ने बताया कि गलत तरीके से आपरेशन करने से महिला की हालत बिगड़ने लगी जिसे अस्पताल प्रबंधक ने फर्जी तरीके से बिना पुर्जा के हाजीपुर रेफर कर जहा उक्त अस्पताल में पहुंचने पर उसे भर्ती भी नहीं किया गया, थक हार कर महिला को पटना ले जाया गया जहां निजी नर्सिंग होम में मृत घोषित कर दिया गया। मृत महिला की पहचान इसुआपुर थाना क्षेत्र के लौवा सढ़वारा गांव निवासी महम्मद फिरोज मसूरी की 28 वर्षीय पत्नी फूलजहा खातून के रूप में हुई। वहीं इसकी जानकारी पुलिस को मिलते ही पुलिस घटनास्थल पहुंचकर जांच पड़ताल कर रही है। मृतक महिला को एक वर्ष का एक लड़का और डिलेवरी के दौरान नवजात शिशु हैं। वहीं आपको बता दें कि बीते दिनों पहले ही फर्जी तरीके से संचालित नर्सिंग होम पर प्रखंड प्रशासन के द्वारा छापेमारी की गयी थी पर मामला में कारवाई के बदलें उक्त मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। आपको बता दें कि मशरक के अलग-अलग इलाकों में फर्जी तरीके से नर्सिंग होम संचालित की जा रही है।

मशरक थानाध्यक्ष का बाथरूम में पैर फिसला, इलाज के लिए रेफर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक थानाध्यक्ष रणधीर कुमार का पैर बाथरूम में फिसलने की वजह से गिरने की वजह से चोटिल हो गए जिन्हें इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गया। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ अनंत नारायण कश्यप ने प्राथमिक इलाज के बाद उच्च संस्थान में रेफर कर दिया। थानाध्यक्ष रणधीर कुमार ने बताया कि बीते कुछ दिनों से अस्वस्थ थें इसी दौरान बाथरूम में गिर पड़े। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान चिकित्सक ने बेहतर इलाज के लिए रेफर किया हैं। उन्होंने कहा कि जिले को इसकी सूचना दे दी गई है। चिकित्सक ने बताया कि जांच रिपोर्ट में कुछ कमियां पाई गई है।

मशरक में पिक अप पर चोरी के बिजली तार के साथ दो गिरफ्तार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक थाना पुलिस ने लखनपुर गोलम्बर पर पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान के दौरान पिक अप पर लदा चोरी के बिजली के तार के साथ दो को गिरफ्तार किया गया। दर्ज प्राथमिकी में बताया गया कि गुप्त सूचना के आधार पर वाहन चेकिंग अभियान में पिक अप बीआर 06 जीई 0565 पर लदा चोरी का बिजली तार बरामद किया गया। साथ ही मुजफ्फरपुर जिला के कुढ़नी थाना के वसंत कढौना गांव निवासी बैधनाथ महंतों पिता स्व सखी महंतों और नगर थाना क्षेत्र के छोटी कल्याणी निवासी मनोज कुमार पिता स्व बैधनाथ प्रसाद को गिरफ्तार किया गया।

शिक्षा पदाधिकारी, ने प्रखंडाधिन कई विद्यालयो का निरीक्षण किया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

प्रखंड संवाददाता,ताजपुर / समस्तीपुर : - - 02.04.25 के पूर्वाह्न में श्री सुरभित कुमार प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, ने प्रखंडाधिन कई विद्यालयो का निरीक्षण किया। जिसमे ४२ फ्रंद्द में निरीक्षण के क्रम में ३ लैब का गहन जाँच किया एवं कंप्यूटर शिक्षक और प्रधानाध्यापक को समुचित रख रखाव पर दिशा निर्देश दिया। उमवि रजवा हिन्दी मे वर्गो का अवलोकन किया।साथ ही प्रा0वि0 रजवा वार्ड5 एवं प्रा0वि0 चकमंसूर रजवा विद्यालय का भी निरीक्षण किया।मौके पर सभी विद्यालय के प्रधानाध्यापक क्रमशः दीपक चौधरी, अबु मो0 फखरुद्दीन, मोसर्रत प्रवीण, प्रतिभा सिंह, शिक्षक अमित कुमार, राम सकल प्रसाद आदि मौजूद थे।

रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स एकेडमी की ग्यारह खिलाड़ियों सहित सिवान की तेरह खिलाड़ी बिहार हैंडबॉल टीम में चयनीत

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मैरवा ।हैंडबॉल एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा उत्तरप्रदेश के हाथरस में 1अप्रैल 2025 से 6 अप्रैल 2025 तक आयोजित राष्ट्रीय सिनियर महिला हैंडबॉल चैम्पियनशिप में भाग लेने वाली बिहार की अट्ठारह सदस्सीय टीम में रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स एकेडमी की 11 प्रशिक्षुओं सहित सिवान जिला की तेरह खिलाड़ियों का चयन किया गया है ।चयनित खिलाड़ियों में खुशबु शर्मा,चंदा कुमारी,सिन्धु कुमारी,निशा कुमारी,अंशु कुमारी,ज्योति कुमारी,वैष्णवी कुमारी,सुमन कुमारी,रुबी कुमारी,रागिनि कुमारी,अंजलि कुमारी,प्रिया कुमारी एवं नीतू कुमारी शामिल हैं ।चयनीत सभी खिलाड़ी बिहार टीम के साथ हाथरस पहुँच चूके हैं । बिहार टीम की प्रबंधक सलमा खातून को बनाया गया है ।इन चयनीत सभी खिलाड़ियों को आई एम ए सिवान के अध्यक्ष डॉ शशि भूषण सिंहा, सचिव डॉक्टर शरद चौधरी, डॉक्टर रिता सिंहा, डॉक्टर संगीता चौधरी, डॉक्टर अशोक कुमार, डॉक्टर राम इकबाल प्रसाद गुप्ता, डॉ सत्य प्रकाश, डॉ रामजी चौधरी, मुख्य संरक्षक डॉक्टर आर एन ओझा,आर एल बी एस ए फाउंडेशन के निदेशक राजीव लोचन मिश्रा ,संरक्षक वसंत कुमार पाठक सहित कई अन्य लोगों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

वक्फ संशोधन विधेयक 2024 एक सामाजिक सुधार है न कि धार्मिक विवाद

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

वर्तमान समय में वक़्फ संशोधन अधिनियम को लेकर भारतीय राजनीति और मुस्लिम समुदाय क्रिया प्रतिक्रिया के दौर से गुजर रहे हैं। एक राष्ट्र के रूप में भारत के समक्ष ये चुनौतियां है कि देश के भीतर मौजूद आर्थिक और भू-परिसंपत्तियों के मालिकाना हक, उनके खरीद फरोख्त, लीज के विधान इत्यादि से संबंधित प्रक्रियाएँ पारदर्शी हों और यदि इनमें किसी भी प्रकार का कोई वाद-विवाद हो तो संविधान सम्मत तरीके से कानून बनाकर या कानूनों में संशोधन करके उसका निपटारा किया जाय लेकिन ये मुद्दे तब जटिल हो जाते है जब इन विषयों के साथ धार्मिक आकांक्षाएँ जुड़ जाती है। गौर तलब है कि वक़्फ एक अरब्बी शब्द है जिसका अर्थ होता है खुदा के नाम पर अर्पित वस्तु / संपत्ति; चाहे वह चल हो या अचल, मूर्त या अमूर्त, खुदा को इस आधार पर दान करना ताकि अंतरण से जरूरतमंदों को लाभ हो सके। वक्फ से होने वाली आय आमतौर पर शैक्षणिक संस्थानों, कब्रिस्तानों, मस्जिदों और आश्रय गृहों को निधि देती है। भारत में वक्फ को वक्फ अधिनियम, 1995 द्वारा विनियमित किया जाता है। जल्द ही संसद में वक्फ बोर्ड के कामकाज में जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ाने के लक्ष्य के साथ वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन करने के लिये वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया जायेगा। ये संशोधन विधेयक वक्फ बोर्ड की अनियंत्रित शक्ति को कम करने के लिये वक्फ अधिनियम, 1995 के कुछ प्रावधानों को हटाने का प्रयास कर रहा है, जो वर्तमान में उन्हें आवश्यक जाँच के बिना किसी भी संपत्ति को वक्फ घोषित करने की अनुमति देता है।

दिलचस्प बात यह है कि संशोधनों का गहन विश्लेषण बताता है कि इन परिवर्तनों का उद्देश्य किसी धार्मिक समुदाय को लक्षित करना नहीं है, बल्कि वक्फ बोर्डों के भीतर जवाबदेही को सुव्यवस्थित और सुनिश्चित करना है। चूँकि धर्म अक्सर मुद्दे की योग्यता की जाँच किए बिना लोगों के बीच भावनाओं को सामने लाता है, इसलिए यह स्पष्ट करना महत्वपूर्ण है कि वक्फ संशोधन एक धार्मिक संघर्ष नहीं है, बल्कि भ्रष्टाचार से निपटने और पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से एक आवश्यक सामाजिक सुधार है। पवित्र कुरान में वक्फ की अवधारणा का इस्लामी शरिया में कोई विशेष उल्लेख नहीं है। इसके बजाय, कुरान विशेष रूप से वक्फ बोर्ड जैसी संस्थाओं का नाम लिए बिना दान और उदारता के कार्यों पर जोर देता है। कुरान की कई आयतें दान देने के महत्व पर जोर देती हैं, लेकिन संस्था के रूप में वक्फ की स्थापना का कोई संदर्भ नहीं देती हैं। उदाहरण के लिए: "जब तक आप अपनी प्रिय चीजों में से कुछ दान नहीं करते, तब तक आप कभी भी धार्मिकता प्राप्त नहीं कर सकते। और जो कुछ भी आप देते हैं, वह निश्चित रूप से अल्लाह को अच्छी तरह से पता है।" (सूरह अली 'इमरानः 92), " जो लोग अल्लाह के मार्ग में अपना धन खर्च करते हैं और अपने दान के बाद अपनी उदारता या आहत करने वाले शब्दों की याद नहीं दिलाते- उन्हें अपने रब से इसका प्रतिफल मिलेगा।" (सूरह अल-बकराः 262)। आयतों की गहरी समझ से यह स्पष्ट होता है कि एक प्रशासनिक संस्था के रूप में वक्फ सदियों में विकसित हुआ और इसे ईश्वरीय आदेश के बजाय सांस्कृतिक और सामाजिक प्रथाओं द्वारा अधिक आकार दिया गया। वक्फ संशोधन विधेयक पर पूरी तरह से धार्मिक लेंस लगाना भ्रामक और प्रतिकूल दोनों है। इसके अतिरिक्त, हनफी न्यायशास्त्र के तहत, जिसका अधिकांश भारतीय मुसलमान पालन करते हैं, मुतवल्ली (वक्फ प्रशासक) के लिए मुस्लिम होना अनिवार्य नहीं है। प्रसिद्ध इस्लामी मदरसा दारुल उलूम देवबंद ने अपने फतवा नंबर 34944 में स्पष्ट रूप से कहा है कि वक्फ मामलों में पारंगत, ईमानदार और सक्षम व्यक्ति वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन कर सकता है, ।

मारपीट की घटना में कई जख्मी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर में विभिन्न गांव में हुई भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों में आगजनी की घटना में दोनों पक्ष के लोग झुलसे, ग्रामीणों के अनुसार एक पक्ष में अपने शरीर पर पेट्रोल डालकर आग लगाकर दूसरे पक्ष को जाकर पकड़ लिया जिससे वो भी झुलस गया। ग्रामीणों के अनुसार बताया गया करूआ गांव के 75 वर्षीय भज्जू पोद्दार ने अपने शरीर पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगाई जब स्वयं झुलसने लगा तो जलते हुए अवस्था में विजय कुमार को जाकर पकड़ लिया जिससे वह भी गंभीर रूप से झुलस गया। गांव में काफी शोर शराबा हुआ, परिजनों व ग्रामीणों के सहयोग से दोनों झुलसे व्यक्ति को सामुदायिक अस्पताल कल्याणपुर में भर्ती कराई गई जहां ड्यूटी पर तैनात इस डॉक्टर रागीव अंसारी ने प्राथमिक इलाज कर बेहतर इलाज के लिए दरभंगा मेडिकल कॉलेज लहेरियासराय रेफर किया गया। घटना की जानकारी पर पहुंची चकमेहसी थाना की पुलिस मामले की छानबीन में जुटी। इधर थानाध्यक्ष संतोष कुमार यादव ने बताया कि दोनों का प्राथमिक इलाज कराकर बेहतर इलाज के लिए चिकित्सक ने दरभंगा रेफर किया है। इधर इस मामले स्थानीय पुलिस द्वारा जांच पड़ताल की जा रही है। थाना अध्यक्ष ने बताया कि आवेदन मिलने के बाद अग्रतर कार्रवाई की जाएगी। वहीं दूसरी ओर गोराई गांव में आपसी विवाद को लेकर हुई मारपीट की घटना में पांच लोग जख्मी हुए। आपसी विवाद मारपीट में गोराई गांव के 75 वर्षीय दिनेश ठाकुर, 35 वर्षीय सीमा देवी, 55 वर्षीय लक्ष्मी देवी, 29 वर्षीय हिमांशु कुमारी, 62 वर्षीय राम विनय ठाकुर आदि शामिल है। इसकी जानकारी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर हैदर ने दी है।

पलायन रोको नौकरी दो यात्रा आज किशनगंज में ।यात्रा के पूर्व शहर में निकाली गई मशाल जुलूस । एएमयू के मुद्दे पर सरकार को घेरा ।हजारों की संख्या में स्थानीय महिलाये हुए पदयात्रा में शामिल ।

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

02/04/2025, किशनगंज ।भीतिहरवा गांधी आश्रम से शुरू होकर पलायन रोको नौकरी दो पदयात्रा आज किशनगंज में पहुँची । यात्रा के पूर्व एक मशाल जुलूस निकाली गई जो किशनगंज के मारवाड़ी कॉलेज से चूड़ी पट्टी मजार चौक तक गई ।हजारों की संख्या में छात्र नौजवान और महिलाए हाथों में मशाल लेकर जुलूस में शामिल हुए । आज सुबह फिर से मारवाड़ी कॉलेज से ध्वजारोहण के बाद पदयात्रा शुरू हुई जो शहर के कांग्रेस कार्यालय , खड़गा मेला चौक , ठल्ह हाईवे गुमटी नंबर 3 तक गई और गांधी चौक पर एक नुक्कड़ सभा के बाद यात्रा पूर्णिया के लिए बढ़ गई ।
यात्रा के आगे पेंडिंग सेना भर्ती के जवान हाथों में हथकड़ी लगाकर अपनी जॉइनिंग लेटर की मांग को लेकर प्रदर्शन करते हुए चल रहे थे । यात्रा के बीच में विश्राम के समय यात्रा में शामिल पदयात्रियों ने ज़िला अतिथि गृह में एक प्रेस वार्ता को संबोधित किया ।प्रेस वार्ता में शामिल नेताओं ने रोजगार और पलायन के साथ साथ किशनगंज में अटव की स्थापना जल्द से जल्द करने की मांग रखी ।प्रेस वार्ता में शामिल ठरवक के राज्य अध्यक्ष सूरज यादव ने कहा कि इस यात्रा का ही प्रभाव है की पटना विवि छात्र संघ चुनाव में 50 वर्षों में पहली बार ठरवक ने सेंट्रल पैनल के 2 सीटों पर जीत हासिल की है । किशनगंज सदर विधायक इजहारुल हुसैन ने कहा कि वर्तमान की केंद्र और राज्य सरकार की गलत नीतियों से बिहार के छात्र और

नौजवानों को पढ़ाई और रोजगार के लिए पलायन के लिए मजबूर होना पड़ रहा है । बिहार सरकार की गलत नीतियों के कारण वर्षो से अटव की स्थापना किशनगंज में नहीं हो पायी है । यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीब दास ने कहा कि यह यात्रा कांग्रेस , ठरवकया यूथ कांग्रेस की यात्रा नहीं है बल्कि यह उन तमाम नौजवानों की यात्रा है जो बिहार में सम्मान के साथ रोजगार चाहते है । बिहार में जो जन्म लिया उससे बिहार में ही रोजगार मिले यही इस यात्रा का उद्देश्य है ।
पलायन रोको नौकरी दो पदयात्रा में शामिल कन्हैया कुमार को किशनगंज के छात्रों , नौजवानों ने मिल कर अपनी समस्याओं का ज्ञापन सौपा । शाम में गांधी चौक पर नुक्कड़ सभा को कन्हैया कुमार ने संबोधित कर जनता से इस यात्रा के उद्देश्यों के बारे में बताया और यात्रा को समर्थन देने की अपील की ।
इस पदयात्री में एडवोकेट लाल मोहम्मद , कांग्रेस जिला अध्यक्ष इमाम अली चिंटू , यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष मो आजाद साहिल , अभिराज सिंह , भूपेंद ठाकुर। , रवि झा , मिथिलेश कुमार, दीपू कुमार केशव झा , सोनू कुमार , आशीष पांडा , अनिल नेगी गुड्डू कुमार , प्रिंस कुमार , सोनू अली , अंकित त्रिपाठी , दीपक कुमार , हलचल यादव , महेंद्र सोनभद्र , ऋषि यादव , आतिश पांडे , युबराज कुमार , गौतम कुमार सहित हजारों लोग शामिल थे

रामनवमी पर्व को लेकर विधि व्यवस्था संधारण की समीक्षा की गई

मोहम्मद सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी:जिलाधिकारी रिची पांडेय एवं पुलिस अधीक्षक अमित रंजन के द्वारा आज समाहरणालय स्थित परिचर्चा सभा कक्ष में रामनवमी पर्व के मद्देनजर विधि व्यवस्था संधारण हेतु की गई तैयारियों की गहन समीक्षा की गई। इस अवसर पर अपर समाहर्ता राजस्व संदीप कुमार ,अनुमंडल पदाधिकारी सदर संजीव कुमार, नगर आयुक्त जिला जन संपर्क पदाधिकारी ,निदेशक डीआरडीए , वरीय पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय,ट्रैफिक डीएसपी,जिला स्तरीय अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे वही एसडीओ पुपरी ,बेलसंड, सभी थानों के थानाध्यक्ष, अंचल अधिकारी, बीडीओ वीसी के माध्यम से जुड़े हुए थे।
रामनवमी के अवसर पर सुरक्षा व्यवस्था एवं विधि व्यवस्था संधारण के मद्देनजर डीएम और एसपी के द्वारा कई आवश्यक निर्देश दिए गए। इस दौरान असामाजिक तत्वों से निपटने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बलों को सादे लिबास में प्रतिनियुक्त करने का निर्देश दिया गया है। निर्देश दिया गया कि असामाजिक तत्वों के साथ सख्ती से पेश आया जाए। वैसे तत्वों पर विधि

बैठक में डीएम और एसपी ने निर्देश दिया कि असामाजिक तत्वों पर सतत निगरानी रखें, लोक शांति एवं व्यवस्था के हित में दंड प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत कार्रवाई करें। सोशल मीडिया पर पैनी निगाह रखने का निर्देश दिया गया।आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।

सम्मत निरोधात्मक कार्रवाई की जाए। निर्देश दिया गया कि कलश यात्रा ,शोभा यात्रा सहित अन्य प्रकार के जुलूस को देखते हुए पूरी सावधानी और सतर्कता बरती जाए। इस दौरान सभी अधिकारी पूरी तरह अलर्ट रहेंगे। आवश्यकता अनुसार मजिस्ट्रेट /पुलिस अधिकारी सहित पर्याप्त संख्या में पुलिस फोर्स की तैनाती करने का निर्देश दिया गया ।कलश यात्रा ,शोभा यात्रा सहित अन्य जुलूस का रूट वेरिफिकेशन अनिवार्य रूप से करने का निर्देश दिया गया। निर्देश दिया गया कि बिना अनुज्ञप्ति के एक भी प्रोसेशन ,(जुलूस)नहीं निकले ।जुलूस निकालने वाले समितियों के साथ बैठक कर ले तथा जुलूस की रङ्गस्त्र से उन्हें अवगत कराएं।आयोजकों को रड ढ का शत -प्रतिशत अनुपालन करना अनिवार्य है। डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। सभी डीजे संचालकों को नोटिस भेजे। लाउडस्पीकर बजाने के लिए संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी से अनुमति लेनी आवश्यक होगी ।निर्देश दिया कि पब्लिक ऐड्रेस सिस्टम तथा प्रॉपर तरीके से क्राउड मैनेजमेंट की व्यवस्था आयोजकों के साथ समन्वय स्थापित कर सुनिश्चित किया जाए। अश्लील भड़काऊ गीतों, टिप्पणियों ,हरकतों पर विधि सम्मत कठोर कार्रवाई की जाएगी ।सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। भोजपुरी अश्लील गीत, धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले गीत या वक्तव्य को बजाने या सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्टिंग करने , आर्केस्ट्रा के आयोजन, हथियारों के प्रदर्शन पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।
बैठक में डीएम और एसपी ने निर्देश दिया कि असामाजिक तत्वों पर सतत निगरानी रखें, लोक शांति एवं व्यवस्था के हित में दंड प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत कार्रवाई करें। सोशल मीडिया पर पैनी निगाह रखने का निर्देश दिया गया ।आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्म की सतत निगरानी करने का आदेश दिया गया।

डीएम ने अंतर जातीय विवाह योजना के तहत एक एक लाख रुपए दिए

मोहम्मद सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी:जिला पदाधिकारी रिची पाण्डेय ने अपने कार्यालय कक्ष में जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग सीतामढ़ी अंतर्गत संचालित मुख्यमंत्री अंतजार्तीय विवाह योजना के तहत कुल पांच विवाहित दम्पति को प्रोत्साहन राशि दिया। -1.गीता देवी पति जय शिव भंडारी 2. जुली कुमारी पति राजू कुमार 3. खुशबू कुमारी पति आशीष कुमार 4. सुगम कुमारी पति मधुरेंद्र कुमार 5. सबीता कुमारी पति धर्मेन्द्र कुमार गौरतलब हो कि
बिहार सरकार द्वारा अंतरजातीय विवाह करने वाली महिला को आर्थिक दृष्टि से सम्बल बनाने के लिए एक लाख रुपये मात्र का अनुदान के रूप में प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दिया जाता है । स्वीकृत अनुदान राशि विवाह सम्पन्न होने के बाद तीन महीने के भीतर सम्बंधित वधू को अधिकतम परिपक्वता राशि देने वाले राष्ट्रीयकृत बैंक में सावधि जमा प्रमाण पत्र के माध्यम से भुगतान किया जाता है। । जिसकी अवरुद्धता अवधि तीन वर्ष की होती है । उक्त अवसर पर अपर समाहर्ता विभागीय जाँच कुमार धनंजय, अपर समाहर्ता आपदा बृज किशोर पांडे सहायक निदेशक प्रियंका कौशिक उपस्थित थे।

डीएम ने किसान मारुत नन्दन के खेत में काटी गेहूं

मोहम्मद सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी: बिहार राज्य फसल सहायता योजना अन्तर्गत रब्बी गेंहू फसल की कटनी प्रयोग का निरीक्षण जिला पदाधिकारी रिची पाण्डेय के द्वारा डूमरा प्रखंड के परोहा पंचायत ग्राम गोसाईपुर में किया गया। जिला पदाधिकारी रिची पाण्डेय किसानों के खेत पहुँचे। गौरतलब हो कि फसल कटाई प्रयोग उत्पादन एवं उपज दर, क्षति के दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण है। इसके अंतर्गत कटनी का प्रयोग संभाविक रैंडम पद्धति से निकालकर प्लॉट का चयन किया जाता है,जिसमें प्लॉट का कट साइज 10 मीटर लंबा एवं 5 मीटर चौड़ा यानी कुल 50 वर्ग मीटर में किया जाता है। 50 वर्ग मीटर में किए गए कटनी में कुल 25 किलो 100 ग्राम गेंहू का उपज पाया गया। जिसका प्रति हेक्टेयर 50.20 क्विंटल उत्पादन का आकलन हुआ। जिलाधिकारी ने स्थानीय किसानों से बात कर उनकी समस्यायों की जानकारी ली वही उनसे चल रही कृषि योजनाओं एवम कार्यक्रमो का फीड बैक भी लिया। उन्होंने कहा कि किसान हमारे अन्नदाता है। किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य मिले एवं उनकी आय में वृद्धि हो,इसको लेकर पूरी गंभीरता से कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर जिला जन संपर्क पदाधिकारी कमल सिंह, लखी राम मुर्मु जिला सांख्यिकी पदाधिकारी, सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी रणधीर कुमार, बीडीओ एवं सीओ डुमरा,अमोद कुमार अवर सांख्यिकी पदाधिकारी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी एवं कृषि समन्वयक सिद्धार्थ शंकर,रौशन कुमार तथा रणकेशरी सिंह उपस्थित थे।

पाटलिपुत्र और झंझारपुर के मध्य चलायी जा रही है ,

05573/74 स्पेशल का परिचालन विस्तार लौकहा बाजार तक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। यात्रियों की सुविधा के मद्दे नजर पाटलिपुत्र और झंझारपुर के मध्य चलायी जा रही 05573 /05574 स्पेशल का परिचालन विस्तार तत्काल प्रभाव से लौकहा बाजार तक किया जा रहा है। गाड़ी संङ्ग 05573 लौकहा बाजार - झंझारपुर - पाटलिपुत्र स्पेशल 31.07.2025 तक प्रतिदिन लौकहा बाजार से 01 : 30 बजे खुलकर 01 : 45 बजे खुटौना, 01.56 बजे सरदार बल्लभभाई पटेल हाल्ट, 02 : 02 बजे बड़हरा, 02: 13 बजे वाचस्पतिनगर, 02 : 23 बजे चंदेश्वरस्थान, 02 : 33 बजे महरैल, 02 : 40 बजे झंझारपुर बाजार हाल्ट रूकते हुए 02 : 50 बजे झंझारपुर पहुंचेगी एवं झंझारपुर से 03 : 05 बजे खुलकर पूर्व के समय एवं ठहराव के अनुसार रूकते हुए 11 : 40 बजे पाटलिपुत्र पहुंचेगी।
वापसी में गाड़ी संङ्ग 05574 पाटलिपुत्र - झंझारपुर - लौकहा बाजार स्पेशल 31.07.2025 तक प्रतिदिन पाटलिपुत्र से 12 : 15 बजे खुलकर पूर्व के समय एवं ठहराव के अनुसार रूकते हुए 22 : 25 बजे झंझारपुर पहुंचेगी तथा झंझारपुर से 22 : 40 बजे खुलकर 22 : 48 बजे झंझारपुर बाजार हाल्ट, 22 : 54 बजे महरैल, 23 : 04 बजे चंदेश्वरस्थान, 23 :14 बजे वाचस्पतिनगर, 23 : 25 बजे बड़हरा, 23 : 32 बजे सरदार बल्लभभाई पटेल हाल्ट एवं 23 : 42 बजे खुटौना रूकते हुए 00 : 30 बजे लौकहा बाजार पहुंचेगी।

चैती छठ पूजा में छठ पूजा खारना पर्व सामग्री खरीदने को लेकर उमड़ा जनसैलाब

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक (सारण) लोक आस्था का महापर्व चैती छठ पूजा के खारना पर्व को लेकर पूजा की सामग्री के साथ बाजार सज धज कर तैयार है, उपयोग होने वाली पूजा पर्व की सभी सामग्री बाजार में बिक रहा है, ममता कुमारी ने बताया कि छठ माता की खारना उपवास होने के बावजूद पूरा बाजार घूमना नहीं पड़ा सभी चौक चौराहे पर माता रानी की सामग्री में छठी माई के समान बाजार में असानी से मिल जा रही है। जैसे कोसी के लिए दउरा, कलसुप, ईख, केला,सेव, नारंगी, नारियल इत्यादि पूजा में उपयोग होने वाली सभी सामग्री के व्यवसाई दुकान को लगाएं पर्व की रौनक को बढ़ा रहे हैं। लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा नहाए खाए खरना से लेकर, उगते हुए सूर्य भगवान को अर्घ्य देने के साथ समापन होता है। छठ पर्व करने वाली माताएं महिलाएं एवं पुरुष निर्जला 24 घंटा उपवास करके छठी मैया की आराधना के साथ पर्व को मनाते हैं। लोगों का मानना भी है कि छठी मैया सभी की मनोकामना को अवश्य पूरा करती हैं। यह त्यौहार सिर्फ हिंदू आस्था

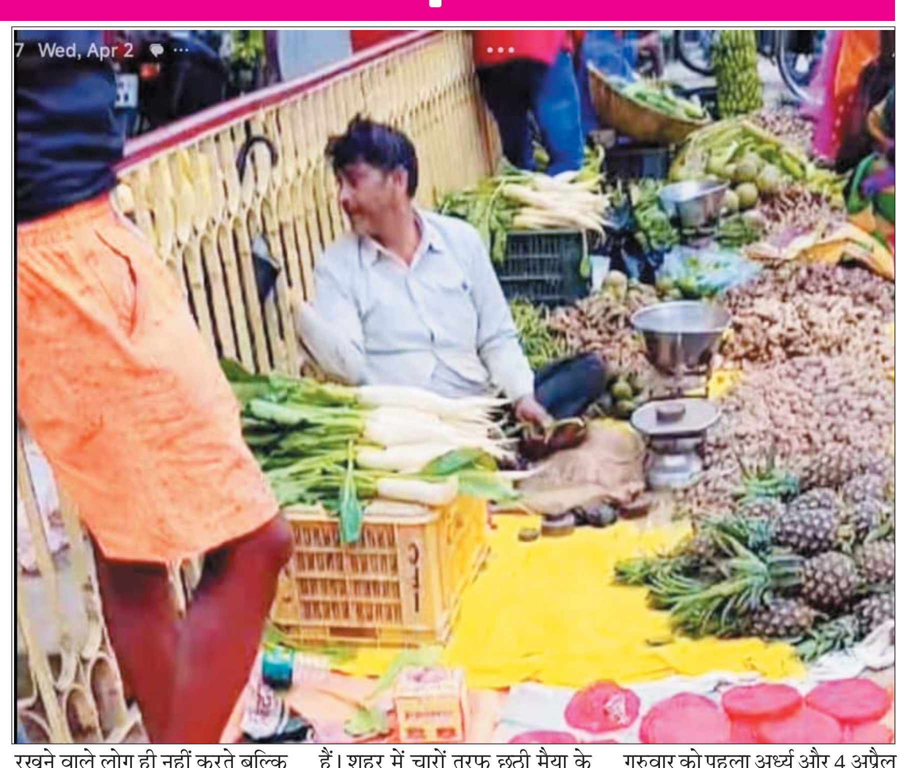

रखने वाले लोग ही नहीं करते बल्कि मुस्लिम समुदाय में भी आस्था अलग रखने वाले लोग इस पर्व को कर रहे हैं। शहर में चारों तरफ छठी मैया के गीत से भक्ति में बना हुआ है। आचार्य टुन्ना बाबा ने बताया कि 3 अप्रैल गुरुवार को पहला अर्घ्य और 4 अप्रैल को उगते सूर्य को अर्घ्य देकर महापर्व का समापन होगा।

पटना, 1रक्सौल-हावड़ा एक्सप्रेस का परिचालन 05 अप्रैल 2025 से एलएचबी कोच द्वारा,

यात्रा होगी अपेक्षाकृत अधिक संरक्षित, सुरक्षित और आरामदायक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। पूर्व मध्य रेल द्वारा यात्रियों की यात्रा को और ज्यादा सुरक्षित एवं आरामदायक बनाने की दिशा में एक और कदम उठाया है। अब रक्सौल और हावड़ा के मध्य चलने वाली गाड़ी संङ्ग 13044 / 13043 रक्सौल - हावड़ा - रक्सौल एक्सप्रेस का परिचालन आईसीएफ कोच के बदले अत्याधुनिक एलएचबी कोच से किया जाएगा। यह बदलाव रक्सौल से 05 अप्रैल 2025 से तथा हावड़ा से 09 अप्रैल 2025 से प्रभावी होगा। एलएचबी रेक में परिवर्तन के उपरांत इस ट्रेन में द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी का 01, तृतीय वातानुकूलित श्रेणी के 02, शयनयान श्रेणी के 09, साधारण श्रेणी के 04 कोच तथा एसएलआर के 02 कोच सहित कुल 18 कोच होंगे। विदित हो कि एलएचबी कोच यात्रियों

को अपेक्षाकृत अधिक आरामदायक यात्रा का अनुभव प्रदान कराता है। स्टेनलेस स्टील से निर्मित बेहतर आंतरिक सज्जा युक्त उच्च गति क्षमता वाले अत्याधुनिक एलएचबी कोच आईसीएफ कोच की तुलना में वजन में हल्के और मजबूत होते हैं। कोचों में आधुनिक सीबीसी कपलिंग लगे होने से संरक्षा में वृद्धि होती है। एंटी क्लाइम्बिंग विशेषताएं दुर्घटनाओं के दौरान उन्हें एक - दूसरे पर चढ़ने से रोकती है। एलएचबी कोच बेहतर ब्रेकिंग सिस्टम व सस्पेंशन के साथ - साथ बेहतर आंतरिक सज्जा व शौचालय युक्त होते हैं। फलस्वरूप एलएचबी कोच युक्त ट्रेनों से यात्रा अपेक्षाकृत अधिक संरक्षित, सुरक्षित व आरामदायक होती है।

आग से बचाव के लिए घर में बालू एवं बाल्टी में पानी जरूर रखें : जिलाधिकारी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर प्रखंड क्षेत्र के छत्नेश्वर पंचायत स्थित वार्ड संख्या 13 में बुधवार को अग्नि कांड से सुरक्षा को लेकर जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता सीओ धर्मेंद्र पंडित व संचालन बीडीओ अजमल परवेज ने की। वही मुख्य अतिथि डीएम रोशन कुशवाहा उपस्थित थे। इस अवसर पर डीएम ने लोगो को संबोधित करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत की। बताया की जागरूकता की कमी के कारण अक्सर आग लगी की घटनाएं घटित होती है। मार्च महीने के मध्य से प्रखंड में तेजी से बढ़ रही गर्मी के दृष्टिगत संभावित अग्निकांडों से बचाव को लेकर अग्निशमन विभाग के प्रशिक्षक एंव एसडीआरएफ के

प्रशिक्षको के द्वारा लोगो को मॉक ड्रिल कर विस्तृत बचाव के साथ साथ सुरक्षा के बारे में बताया। सीओ धर्मेंद्र पंडित ने जनसामान्य को बचाव के टिप्स देते हुए सचेत किया है। हेल्पलाइन नंबरों को जारी किया है जिस पर आग लगने की स्थिति में बचाव हेतु सम्पर्क किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने कहा कि बहुत छोटी-छोटी सावधानियां बरत कर हम अग्निकांड की घटनाओं को रोक सकते हैं। उन्होंने कहा कि गर्मी के दिनों में लगने वाली आग से गांव अत्यधिक प्रभावित होते हैं। ऐसे में रसोई घर यदि फूस का हो तो उसकी दीवार पर मिट्टी की लेप अवश्य लगा दें ।रसोई घर की छत ऊंची रखी जाय। आग बुझाने के लिए घर में बोरे में भरकर बालू अथवा मिट्टी तथा बाल्टी, डब्बा, टैंक में हमेशा पानी भरकर अवश्य रखें। हवन आदि का काम सुबह 9 बजे से पहले संपन्न कर लें। शॉर्ट सर्किट की आग से बचने के लिए बिजली वायरिंग की समय पर मरम्मत कर लें। मवेशियों को आग से बचने के लिए मवेशी घर के पास पर्याप्त मात्रा में पानी का इंतजाम रखें एवं उनकी निगरानी अवश्य करते रहें। गर्मियों में दिन का खाना 9 बजे सुबह से पूर्व बना लें तथा रात का खाना शाम 6 बजे के बाद बनायें। डीएम ने बताया कि आग लगने पर 101 और 112 पर भी सम्पर्क किया जा सकता है। किसानों से अपील की कि खेतो में पराली न जलायें अन्यथा आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की सुसंगत धाराओं के तहत कार्रवाई की जा सकती है। मौके पर अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन राजेश कुमार, प्रभारी पदाधिकारी आपदा प्रबंधन, मुखिया बसंत देवी, मुखिया प्रतिनिधि वीणा दास, बीएओ मोहित चंद्र पासवान सहित अन्य पदाधिकारी कर्मी, गणमान्य लोगों के अलावा ग्रामीण मौजूद थे।

लालू ने कहा था-वक्फ बोर्ड पर कड़ा कानून बनाना चाहिए

मांझी ने शेयर किया वीडियो, रविशंकर बोले- ऐने सड़क मत बनाई वोट ना मिली, हम ये नहीं करते

पटना। वक्फ संशोधन बिल आज लोकसभा में पेश किया गया। इसमें जेपीसी द्वारा किए गए 20 संशोधनों पर चर्चा जारी है। संसद में पटना साहिब से बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद ने वक्फ बिल के समर्थन में तमाम दलीलें दीं। ऐने सड़क मत बनाईं वोट ना मिली... हम ये नहीं करते हैं। रविशंकर प्रसाद ने कहा- 'वक्फ की 8 लाख संपत्ति हैं। दुनिया की सबसे बड़ी संपत्ति हैं। मुतवल्ली उन्हें मैनेज करता है। उसकी जिम्मेदारी होती है की नहीं। पटना का सांसद हूं। एक सरकारी जमीन का तालाब है, जहां छठ पर अर्घ्य दिया जाता है। हाईकोर्ट ने कहा कि यह सरकारी जमीन है। 1920 का एक कब्रिस्तान खड़ा है और कहते हैं कि वक्फ की जमीन है। आगे कहेंगे कि पूरा हिंदुस्तान वक्फ है। कहेंगे कि हमारे सम्राट हुए थे। यह देश ऐसे नहीं चलेगा। वक्फ का दावा करने वाले कौन थे। मैनेजर साहब की बिल्डर से साठगांठ हो गई और इमारत खड़ी हो जाती है। बदलाव जरूरी है। जब वक्फ की संपत्ति की लूट हो तो हमें शांत रहना चाहिए। हाईकोर्ट के पास सीधा अधिकार नहीं था। वक्फ में हाईकोर्ट जाना मना था। आज आप कोर्ट में भी जा सकते हैं। ट्रिब्यूनल ठीकठाक चलना चाहिए। सेटिंग ना हो। आज क्रिश्चियन समाज क्यों दुखी है, वो चाहते हैं कि वक्फ में बदलाव हो। चर्च अतिक्रमण से परेशान हैं। जिस तरह से यूपी में क्रिश्चियन परेशान हैं, अखिलेश जी आपको भी सोचना पड़ेगा। आप बिल का विरोध करते हैं तो जवाब दीजिए। क्या चाहते हैं कि वक्फ की प्रॉपर्टी लूटी जाए। इस बिल में बड़े-बड़े सांसद, एक्सपर्ट, महिलाओं और सिविल सोसाइटी शामिल हैं तो सवाल कैसे। मुतवल्ली पर कंट्रोल नहीं होना चाहिए। क्यों नहीं होना चाहिए।आपके वीटो के दिन लद गए। हारते जा रहे हैं, लेकिन भाषा वही है। शौचालय, सड़कें बनवाई तो क्या ये कहा कि ये मुस्लिम का है? वोट दो चाहे ना दो, हम काम करेंगे। कुछ तो सीखिए, देश हित में जो हे वो बदलेंगे।मांझी ने शेयर किया वक्फ बिल के समर्थन में

लालू का वीडियो इसके पहले केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने लालू का संसद में बोलते एक वीडियो शेयर किया है। ये वीडियो 7 मई 2010 का है। इसमें लालू वक्फ की जमीनों को लेकर कड़ा कानून बनाने की बात कहते दिख रहे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के बाद केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और जीतनराम मांझी की पार्टियों ने भी इस मुद्दे पर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को अपना समर्थन दे दिया है। हालांकि, नीतीश की जदयू को चुनाव में मुसलमानों के मतों की नाराजगी का डर है। वहीं राजद बिल के विरोध में है। पार्टी का कहना है कि वो इस बिल का संसद में विरोध करेगी। बीजेपी सांसद संजय जायसवाल - यह एक अच्छा विधेयक है। यह विधेयक देश और मुसलमानों के हित में है। इससे गरीब मुसलमानों को मदद मिलेगी... अगर यह असंवैधानिक विधेयक है तो विपक्ष को इस कानून को खत्म करने की मांग करनी चाहिए। मुझे नहीं लगता कि हम जैसे लोग इस पर आपत्ति करेंगे। सांसद कपिल सिब्बल- बिहार में चुनाव हैं, अगर जेडीयू ने विधेयक के पक्ष में वोट दिया तो वे चुनाव हार जाएंगे। हो सकता है कि वे वॉकआउट कर दें ताकि बीजेपी को इसे पास करने का मौका मिल जाए। चिराग पासवान भी ऐसा ही कर सकते हैं। जेडीयू सांसद संजय झा - जेपीसी में हमारे पार्टी के सुपौल से सांसद दिलेश्वर कामत भी शामिल थे। हमने बिल को लेकर अपनी बात रखी है। यह (विधेयक) पूर्वव्यापी नहीं होना चाहिए। विधेयक आने दीजिए, यदि इसमें हमारी चिंताओं को शामिल किया जाता है, तो हम निश्चित रूप से विधेयक का समर्थन करेंगे। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह- यह विधेयक संवैधानिक है, मुसलमानों के हित में है, गरीबों के हित में है... जो लोग इसका विरोध कर रहे हैं वे मुस्लिम विरोधी हैं।आरजेडी सांसद मनोज कुमार झा- हर संवैधानिक आधार का उल्लंघन किया जा रहा है। हमने (विपक्ष ने) किसान आंदोलन के दौरान भी कहा था कि जल्दबाजी नहीं होनी चाहिए। नतीजा (तीनों कृषि कानून) वापस लेने पड़े। वही स्थिति यहां भी ना हो जाए चिराग पासवान- हमारी पार्टी वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन कर रही है। जो संशोधन किए गए हैं, वे सकारात्मक हैं और पारदर्शिता लाने की सोच के साथ किए गए हैं। हमने सुझाव भी दिए और हमारे ज्यादातर सुझाव स्वीकार भी किए गए हैं और हम इसका समर्थन कर रहे हैं प्रशांत किशोर- अगर वक्फ कानून संसद से पास हुआ तो इसके लिए नीतीश कुमार और जदयू दोषी होंगे। 2015 में नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाने में मुसलमानों का बड़ा योगदान था। आज नीतीश कुमार उनके साथ वादा खिलाफी कर रहे हैं। चिराग ने सभी सांसदों से सदन में मौजूद रहने को कहा चिराग की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने व्हिप जारी कर अपने सभी सांसदों को अगले दो दिनों तक सदन में उपस्थित रहने को कहा है। वहीं, मांझी ने कहा कि जैसे धारा 370 को हटाने के समय सवाल उठे थे, लेकिन अब लोग इसे समझ चुके हैं। तीन तलाक को भी मुस्लिम विरोधी बताया गया था, लेकिन आज मुस्लिम महिलाएं सशक्त हुई हैं। ठीक वैसे ही वक्फ बिल लाया जा रहा है। इधर, JDU के मुस्लिम नेता पार्टी के स्टैंड के खिलाफ है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी और JDU MLC गुलाम गौस वक्फ संशोधन बिल का विरोध किया है। गुलाम गौस का मानना है कि वक्फ संशोधन बिल सही नहीं है। इसे किसान बिल की तरह ही वापस लेना चाहिए। गुलाम गौस ने सोमवार को ईद के दिन राबड़ी आवास पहुंचकर आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव से मुलाकात की थी। मुलाकात के बाद कहा था, 'लालू यादव से अच्छे संबंध रहे हैं।

अपराध की योजना बनाते समय पुलिस ने चार अपराध कर्मियों को दबोचा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। बुधवार को डीएसपी कार्यालय में प्रेस आर्य करते हुए एएसपी संजय कुमार पांडे ने मीडिया कर्मियों को बताया कि दिनांक 01.04.2025 को समय 20 : 20 बजे थानाध्यक्ष सरायरंजन थाना को गुप्त सुचना प्राप्त हुआ कि भागवत चौक सरायरंजन के पास 5 - 6 अपराधकर्मी एकत्रित होकर बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में है। सूचना प्राप्त होते ही तत्काल सरायरंजन थानाध्यक्ष प्रताप कुमार सिंह द्वारा पुलिस अधीक्षक अशोक मिश्रा को अवगत कराया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक द्वारा तुरंत सरायरंजन थाना अध्यक्ष प्रताप कुमार सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। थानाध्यक्ष एवं विशेष टीम के सदस्यों द्वारा त्वरित रूप से कार्रवाई करते हुए भागवत चौक पहुँचकर विधिवत घेराबंदी कर छापेमारी किया गया। छापेमारी के क्रम 04 अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया एवं 01 अभियुक्त भागने में सफल रहे। पकड़े गये अभियुक्तों के पास से बरामद समान को विधिवत जप्ती सूची बनाकर जप्त किया गया। जिस संबंध में सरायरंजन थाना कांड संङ्ग 61/25, दिनांक 01.04.2025, धारा 310(4)(5) भा०न्या०स० एवं 25 (1-बी) ए/26/35 शस्त्र अधि० दर्ज किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों का अपराध

स्वीकारोक्ति बयान लिया गया। जिससे पता चला कि ये लोग पेशेवर अपराधकर्मी है, इन लोगों द्वारा मोबाईल दुकान को चिन्हित कर चोरी/लूट की घटना को अंजाम दिया जाता है। इसी क्रम में इन लोगों द्वारा दिनांक 18 मार्च 2025 को 09 : 00 बजे सरायरंजन बजार पर स्थित कमल इन्टरप्राइजेज से 17 मोबाईल के चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था। जिस संबंध में सरायरंजन थाना कांड संख्या 51/25, दिनांक 19.03.2025, धारा 303 (2) भा०न्या०स० दर्ज किया गया था। इन लोगों के द्वारा समस्तीपुर जिला एवं अन्य सीमावर्ती जिला में भी कई घटनाओं को अंजाम दिया गया है। अन्य जिला से इनका अपराधिक इतिहास पता किया जा रहा है। अन्य फिरार अपराध कर्मियों को भी चिन्हित किया गया है, जिनके गिरफ्तारी हेतु लगातार छापेमारी जारी है। एएसपी ने बताया कि पकड़े गये अपराध कर्मियों में मो चांद पिता फुल मोहम्मद साकिन अलीनगर लेवधन थाना बलिगॉव, जिला वैशाली, वर्तमान पता साकिन नौवाचक, थाना सरायरंजन, जिला समस्तीपुर, मो सनाउल्लाह पिता मो कलीम साकिन अलीनगर लेवधन थाना बलिगॉव, जिला वैशाली, मृत्युंजय कुमार पिता घनश्याम झा साकिन अलीनगर लेवधन थाना बलिगॉव, जिला वैशाली, मो० अरमान पिता मो नसीर साकिन नौवाचक, थाना सरायरंजन, जिला समस्तीपुर निवासी का नाम शामिल है। उन्होंने बताया कि पकड़े गये अपराधकर्मियों के पास से एक देशी पिस्टल, एक देशी कट्टा, एक मैगजीन, एक मोटरसाईकिल, तीन जिंदा गोली, 70 मोबाईल बरामद किया गया है। एएसपी संजय कुमार पांडे ने बताया कि छापामारी दल में पु०अ०नि० प्रताप कुमार सिंह, थानाध्यक्ष सरायरंजन थाना, पु०अ०नि० राजेश कुमार सिंह, सरायरंजन थाना, पी०टी०सी० मनीष कुमार, सरायरंजन थाना, सशस्त्र बल, थाना रिर्जव गार्ड, सरायरंजन थाना को शामिल किया गया था।

कांग्रेस का NSUI और की पलायन रोको यात्रा

किशनगंज। बुधवार को NSUI और कांग्रेस ने पलायन रोको नौकरी दो यात्रा निकाली। बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीब दास यात्रा में शामिल हुए। राष्ट्रीय प्रभारी कन्हैया कुमार के आने की बात थी, लेकिन वे अभी तक वहां नहीं पहुंचे। यात्रा का शुरूआत मारवाड़ी कॉलेज किशनगंज से किया गया है। जहां जिले के सभी हिस्सों से कांग्रेस के सभी कार्यकर्ता और अधिकारी यात्रा में शामिल हुए है। मारवाड़ी कॉलेज के बाद यह यात्रा कांग्रेस ऑफिस पहुंचा है जहां चाय विश्राम रखा गया है। इसके बाद अशोक सम्राट भवन में लंच ब्रेक रखा गया है। फिर वही से यात्रा की शुरूआत खगड़ा मेला गेट से किया जाएगा। यात्रा की समाप्ति संध्या करीब 5 बजे किया जाना है। इस यात्रा की समाप्ति एनएच हाईवे 3 नंबर गुमटी में होगी। जिसके बाद शहर के गांधी चौक में नुक्कड़ सभा का आयोजन किया जाएगा।यात्रा में सैकड़ो की तादाद में युवाओं की भीड़ देखने के साथ साथ वयस्कों की भी भीड़ देखी गई है। यात्रा में शामिल सभी कार्यकर्ता सरकार के खिलाफ नारा लगाते हुए नौकरी दो और पलायन रोको का नारा लगाते हुए आगे बढ़ रहे है। सभी के हाथ में कांग्रेस का झंडा देखा गया है। वही रैली का नेतृत्व जिला अध्यक्ष ईमाम अली चिंटू कर रहे है। जहां कांग्रेस विधायक इजहारुल हुसैन सहित अन्य नेतागण भी शामिल है।

किशनगंज में रेलवे ट्रैक से मिला विक्षिप्त महिला का शव

किशनगंज। पोठिया थाना क्षेत्र के कुशियारी पंचायत के निमला गांव में रेलवे ट्रैक पर एक महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है। मृतका की पहचान नौक्कता निवासी मंजूरा (22) के रूप में हुई है। बता दें कि इस्लामपुर से सिलीगुड़ी जाने वाली रेल लाइन के पिलर नंबर 46/7 के पास सुबह स्थानीय लोगों ने शव को देखा। घटना की जानकारी के बाद मौके पर भारी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने पोठिया थाने को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस जांच में सामने आया कि मृतका मानसिक रूप से विक्षिप्त थी। प्रारंभिक जांच में ट्रेन की टक्कर से मौत होने की बात सामने आई है।थानाध्यक्ष अंजय अमन ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। इधर घटना की सूचना परिजनों को मिलते ही घरवालों के साथ साथ इलाके में कोहराम मच गया है।

मिनी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़

बगहा। पुलिस ने रामनगर के धान्गड़ टोली में छापेमारी कर अवैध शराब के कारोबार का भंडाफोड़ किया है। वरीय अधिकारियों के निर्देश पर थानाध्यक्ष ललन कुमार के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में हजारों लीटर अर्द्धनिर्मित कच्ची शराब को नष्ट किया गया और शराब बनाने वाली सामग्री बरामद की गई। छठ पूजा और रामनवमी को लेकर जिले में शराबबंदी को सख्ती से लागू करने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया। पुलिस ने जब धान्गड़ टोली में छापेमारी की, तो मौके पर अवैध शराब की बड़ी खेप मौजूद थी।

हालांकि, पुलिस को देखते ही शराब कारोबारी भागने में सफल रहे। पुलिस ने मौके से देसी चुलाई शराब भी बरामद की और उसे नष्ट कर दिया। इस कार्रवाई से अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना की और उम्मीद जताई कि आगे भी इस तरह के सख्त कदम उठाए जाएंगे।

राणा सांगा पर विवादित बयान से भड़की करनी सेना

गोपालगंज। वैकुंठपुर प्रखंड के राजापट्टी सिंह चौक पर राष्ट्रीय राजपूत करनी सेना ने राणा सांगा पर विवादित बयान को लेकर सपा सांसद का विरोध किया। जहां करणी सेना के सैकड़ों की संख्या में पहुंचे कार्यकताओं ने प्रदर्शन किया। बता दें कि समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सदस्य रामजी लाल सुमन ने राणा सांगा को 'गद्दार' कहा था। इस बयान के विरोध में करनी सेना के कार्यकताओं ने सांसद का पुतला दहन किया। प्रदर्शनकारियों ने सांसद से तत्काल माफी मांगने की

मांग की। करनी सेना के सदस्यों ने कहा कि मुगलों की सेना को कई बार पराजित करने वाले राणा सांगा के खिलाफ अभद्र टिप्पणी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सांसद के बयान को आपत्तिजनक और निंदनीय बताया। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि अगर सांसद ने माफी नहीं मांगी तो और उग्र आंदोलन किया जाएगा।

कार्यकताओं ने कहा कि सांसद की टिप्पणी से हिंदू समाज में रोष है। उनका कहना है कि वीर शिरोमणि राणा सांगा का अपमान सपा सांसद की संकीर्ण मानसिकता को दशार्ता है।

कन्हैया कुमार की यात्रा में शामिल होंगे राहुल गांधी

7 अप्रैल को बेगूसराय जाएंगे, 'पलायन रोको, नौकरी दो' यात्रा में हिस्सा लेंगे

पटना। राहुल गांधी 7 अप्रैल को बिहार आने वाले हैं। 'कन्हैया कुमार की पलायन रोको नौकरी दो' यात्रा में वह शामिल होंगे। 7 अप्रैल को बेगूसराय जिले मे कन्हैया की यात्रा होगी। राहुल गांधी पहले हॉफ मे बेगूसराय और दूसरे हाफ में पटना के कार्यक्रम मे शामिल होंगे। बेगूसराय में राहुल गांधी के स्वागत के लिए बड़े लेवल पर तैयारी चल रही है। कांग्रेस सूत्रों की मानें तो राहुल गांधी के चौपर को बेगूसराय में उतरने के लिए परमिशन के लिए एप्लिकेशन जा चुका है। परमिशन

मिलने के बाद कांग्रेस इसकी आधिकारिक घोषणा कर सकती है। राहुल गांधी पटना के श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल में पार्टी की ओर से आयोजित 'संविधान सुरक्षा सम्मेलन' में शामिल होंगे। राहुल गांधी का इस साल ये तीसरा दौरा है। इससे पहले 18 जनवरी और 5 फरवरी को पटना आएं थे। चुनावी साल में राहुल के दौरे का काफी अहम माना जा रहा है। वहीं, 4 अप्रैल को राहुल गांधी बिहार के

40 कांग्रेस जिलाध्यक्षों के साथ दिल्ली में बैठक करेंगे। संविधान सम्मेलन इन मुद्दों पर फोकस 1. स्वाधीनता संग्राम में बापू के नमक सत्याग्रह आंदोलन का ऐतिहासिक महत्व। 2. आजादी की लड़ाई में बुद्धु नोनिया की शहादत। 3. अमर शहीद प्रजापति रामचंद्र विद्यार्थी की शहादत। 4. स्वतंत्रता और समता सेनानी बाबू जगजीवन राम का ऐतिहासिक योगदान। 40 जिलाध्यक्षों की हुई है घोषणा बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्षों की घोषणा मंगलवार को ही की गई है। प्रदेशभर में संगठन को मजबूत करने के लिए बिहार के 40 कांग्रेस जिलाध्यक्षों की घोषणा की गई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने इस सूची को मंजूरी दी है। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (AICC) के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इन नियुक्तियों को तत्काल प्रभाव से लागू करने का निर्देश दिया है। नए अध्यक्षों को जिले स्तर पर पार्टी की मजबूती के लिए विशेष दिशा-निर्देश दिए जाएंगे।

संक्षिप्त डायरी

बगहा में मगरमच्छों वाली नहर के पास बच्चा लापता

बगहा। के रामनगर के भावल पंचायत स्थित पिपरा गांव में एक अफवाह से पूरे गांव में मातम छा गया। जब एक मासूम बच्चा घर नहीं लौटा और नहर के किनारे उसकी चप्पल पड़ी मिली, तो यह खबर तेजी से फैल गई कि मगरमच्छ ने उसे अपना शिकार बना लिया है। गांव में कोहराम मच गया, लोग रोने-बिलखने लगे और पूरा माहौल गमगीन हो गया। लेकिन घंटों बाद जब बच्चा सही-सलामत घर लौटा, तो असलियत कुछ और ही निकली। वह खेलते-खेलते दूसरे गांव चला गया था और समय का अंदाजा न लगने के कारण देर से घर पहुंचा। घटना शाम के वक्त की है जब गांव का एक बच्चा खेलने निकला, लेकिन देर तक घर नहीं लौटा। पहले तो परिजनों ने सोचा कि वह दोस्तों के साथ कहीं खेल रहा होगा, लेकिन जब समय बीतता गया तो चिंता बढ़ने लगी। परिजन और गांव के लोग उसे ढूंढने निकले और कुछ ही देर बाद नहर किनारे उसकी चप्पल पड़ी मिली। यह वही जगह थी जहां अक्सर मगरमच्छ देखे जाते हैं। गांव के लोगों ने कई बार इन मगरमच्छों को बकरियों और कुत्तों का शिकार करते देखा था। ऐसे में जैसे ही बच्चे की चप्पल नहर किनारे मिली, लोगों को संदेह हुआ कि कहीं मगरमच्छ ने उसे निगल तो नहीं लिया। बस फिर क्या था, गांव में अफरा-तफरी मच गई। बच्चे के घर में कोहराम मच गया, लोग रोने-बिलखने लगे। सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ नहर किनारे जमा हो गई। किसी ने फौरन पुलिस को खबर दी, और पुलिस भी तुरंत मौके पर पहुंच गई। जब पुलिस और ग्रामीण मगरमच्छ के संभावित हमले की पड़ताल कर रहे थे, तभी अचानक खबर आई कि बच्चा सुरक्षित घर लौट आया है। पता चला कि वह खेलते-खेलते दूसरे गांव चला गया था और उसे समय का अंदाजा ही नहीं रहा। जब वह घर लौटा, तब तक पूरा गांव मातम में डूब चुका था। बच्चे की सकुशल वापसी से लोगों ने राहत की सांस ली, दरअसल, पिपरा गांव के पास बहने वाली नहर में आधा दर्जन से अधिक मगरमच्छ मौजूद हैं। यही कारण है कि लोग डर गए।

बाइक सवार दो युवकों पर चाकू से हमला, गंभीर

गोपालगंज। के नगर थाना क्षेत्र में स्थित सुंदर पट्टी गांव के पास पूर्व विवाद को लेकर बाइक सवार आरोपियों ने दो युवकों पर हमला कर दिया। इस घटना में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। जिनकी पहचान सुंदर पट्टी गांव निवासी रोहित सिंह और सन्नी कुमार के रूप में हुई है। बताया गया कि बदमाशों ने उनपर चाकू से और बाइक की चाबी से हमला कर घायल कर दिया। घायलों ने बताया कि दोनों दोस्त बाइक पर कहीं जा रहा था। गांव से कुछ दूर जाने पर बाइक सवार आरोपियों ने उनका रास्ता रोक लिया। आरोपियों ने पहले विवाद शुरू किया और फिर रोहित पर चाकू से हमला कर दिया। बीच-बचाव करने आए सन्नी को भी चाबी से घायल कर दिया। हमला करने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घायलों ने डायल 112 को सूचना दी। पुलिसकर्मी बीके सिंह के नेतृत्व में टीम तुरंत मौके पर पहुंची। गंभीर रूप से घायल युवक को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। स्थानीय थाने को घटना की जानकारी दे दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

छपरा में पेड़ से लटकी मिली युवती की लाश

छपरा। के मांझी थाना क्षेत्र के जैतीया गांव में बुधवार सुबह एक युवती का शव पेड़ से लटका मिला। मृतका की पहचान हरिंदर माझी की बेटी गुनगुन कुमारी के रूप में हुई है। बताया गया कि गुनगुन मंगलवार की दोपहर से ही लापता थी। वहीं घटना की सूचना पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। युवती का शव उसके दुपट्टे से लटका हुआ था, जिससे आत्महत्या और हत्या की आशंका जताई जा रही है। परिजनों ने बताया कि गुनगुन मंगलवार दोपहर से लापता थी, जिसके बाद उसे खोजबीन की जा रही है। काफी तलाश के बावजूद कोई सुराग नहीं मिला, लेकिन बुधवार सुबह गांव के बगीचे में आम के पेड़ से लटका हुआ शव बरामद किया गया। मांझी थानाध्यक्ष ने बताया कि ग्रामीणों से सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए छपरा सदर अस्पताल भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। पुलिस सभी संभावित कारणों की जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारणों का खुलासा होगा।

तेज रफ्तार कार ने मासूम को कुचला, मौत

नालंदा। में घर के पास खेल रहे मासूम को तेज रफ्तार कार ने कुचल दिया। इस हादसे में बच्चें की इलाज के दौरान मौत हो गई। मामला चण्डी थाना क्षेत्र अंतर्गत विशुनपुर गांव का है। मृतक की पहचान विशुनपुर गांव निवासी संजय कुमार के (03) वर्षीय पुत्र रंजन कुमार के रूप में की गई है। घटना मंगलवार की शाम हुई थी। मृतक के परिजन ने बताया कि रंजन कुमार मंगलवार की शाम घर के पास ही खेल रहा था। तभी मुड़ल विगहा की तरफ से आ रही तेज रफ्तार मारुति कार ने घर के पास खेल रहे बच्चें को टक्कर मार दिया और उसे कुचल दिया। हालांकि कार सवार मौके पर गाड़ी छोड़ फरार हो गया। वहीं, इस हादसे के बाद आनन-फानन में घायल रंजन कुमार को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां देर रात उसकी मौत हो गई। मौत की पुष्टि के उपरांत परिजनों में कोहराम मच गया। शव को लेकर परिजन बुधवार को चण्डी थाना पहुंचे। इस मामले में चण्डी थाना अध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि परिजनों की ओर से आवेदन प्राप्त हुआ है। गाड़ी को जब्त कर थाना लाया गया है। वाहन नंबर के आधार पर पुलिस चालक की पहचान में जुट गई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया है। पूरे मामले की पुलिस पड़ताल की जा रही है।

वक्फ संशोधन बिल को लेकर यूपी में हाई अलर्ट

पुराने लखनऊ में भारी पुलिस बल तैनात; रिजर्व में केंद्रीय फोर्स की चार कंपनी

लखनऊ। वक्फ संशोधन बिल को लेकर लखनऊ समेत पूरे उत्तर प्रदेश में सुरक्षा अलर्ट जारी कर दिया गया है। उत्तद्ध मुख्यालय से पुलिस प्रशासन को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। पुरानी लखनऊ में पुलिस फोर्स तैनात की गई है। केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स की चार कंपनियां रियल में रखी गई। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी संवेदनशील इलाकों में पुलिस फोर्स की तैनाती बढ़ाई गई। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी सड़क पर उतरे, हालात का जायजा लिया। पुराने लखनऊ में भारी पुलिस बल की तैनाती की गई। संवेदनशील इलाकों पर पैनी नजर रखने के निर्देश दिए है। पुलिस को चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल स्टैंडबाय रखा गया। प्रदेश के कई शहरों में अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती कर दी गई है। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस को अलर्ट मोड पर रखा गया है। मौलाना ने की शांति की अपील मौलाना खालिद रशीद ने कहा- आज ईद का तीसरा दिन है। इसी बीच ये खबर आई कि आज बिल पार्लियामेंट में टेबल किया जाएगा। हम देश के सभी पार्लियामेंट सदस्यों से अपील करते हैं वक्फ बिल में मुस्लिम समुदाय का साथ दें और बिल के विरोध में वोट करें। यह बिल किसी भी हाल में मुसलमान के समर्थन में नहीं है।

हम लोग शुरू से ही इस बिल का विरोध कर रहे हैं। बिल को लेकर जो भी आपत्ति थी हम पहले ही जेपीसी कमेटी को दर्ज करवा चुके हैं। इस बिल को पार्लियामेंट में पास ना किया जाए यही हम उम्मीद करते हैं। लोगों से अपील करते हैं कि वो बिल लेकर प्रदेश में शांति व्यवस्था कायम रखें। मुसलमानों की राय को नजरअंदाज किया गया इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया के प्रवक्ता मौलाना सुफियान निजामी ने कहा कि हम लोग लगातार विरोध कर रहे है आगे भी जारी रहेगा। देश में करोड़ों मुसलमानों ने ई-मेल और अन्य माध्यम से अपना विरोध दर्ज करवाया था। मगर करोड़ों भारतीय मुसलमानों की राय को नजरअंदाज किया गया। आज हम यही उम्मीद करते है कि बिल पास नहीं किया जाएगा। अगर बिल पास हो जाता है तो AIMPLB जो भी फैसला लेगा हम उसके साथ खड़े होंगे।

जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने जनसुनवाई में आई 64 शिकायतों में ज्यादातर का किया मौके पर डिस्पोजल

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान शिकायतों को सुन्ने के बाद अधिकारियों को उनका गुणवत्तापूर्ण और वख्त पर बेहतर तरीके से डिस्पोजल करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में करीब 64 शिकायते आईं, जिनमें से ज्यादातर का जिलाधिकारी ने बेहतर तरीके से मौके पर डिस्पोजल कर दिया। बाकी शिकायतों के डिस्पोजल के लिये जिलाधिकारी ने सभी एसडीएम , खंड विकास अधिकारी सहित सभी अधिकारियों के साथ वर्चुअल, जूम एप के जरिये से बैठक कर उनको फौरन डिस्पोजल करने के लिये निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी एसडीएम ,बीडीओ सहित अधिकारी नियमित तौर से अपने कार्यालय में जनसुनवाई कर जन समस्याओं का फौरन डिस्पोजल किया जाए, इसमें किसी भी तरह किसी लापरवाही न बरती जाए।

जिलाधिकारी ने कहा की जनसुनवाई, आईजीआरएस सहित सभी माध्यमों से आने वाले मामलों का सभी अधिकारी मौके पर जाकर बेहतर तरीके से डिस्पोजल वख्त पर रिपोर्ट दी जाय।

कांग्रेस ने समाज को जोड़ने, सम्मान देने का काम किया: अजय कुमार लल्लू

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। बुद्ध स्थली कुशीनगर स्थित होटल देव इन में विश्वकर्मा समाज द्वारा समारोह आयोजित कर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के नवागत जिलाध्यक्ष रविन्द्र कुमार विश्वकर्मा का पुष्प, अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। बुधवार को आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और उड़ीसा राज्य के प्रभारी अजय कुमार लल्लू ने कहा कि बुनियादी सुविधाओं के बजाय भाजपा युवाओं से रोजगार छीन रही है। भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार, महंगाई, बेरोजगारी चरम पर है। कांग्रेस ने समाज को जोड़ने, सम्मान देने का काम किया है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्री विश्वकर्मा ने सभी के प्रति आभार जताते हुए कहा कि हक और सम्मान के लिए आपको संरक्षण और संघर्ष लिए आगे आना होगा। अतिथियों का माल्यार्पण व अंबेडकर का चित्र देकर आयोजक गण ने स्वागत किया। इस दौरान डॉ. राघवेंद्र कुमार सिंह, डॉ छेदी शर्मा, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष बृंदा प्रजापति, जिलाउपाध्यक्ष शबनम खातून, जिलाध्यक्ष राजेश्वर शर्मा, विजेंद्र विश्वकर्मा, दशरथ शर्मा, मनीष गुप्ता, ।जितेंद्र कुमार विश्वकर्मा, वारिस अली, रौनक सिंह, धर्मेन्द्र सिंह, दीपक साहनी, राजेश कुमार शर्मा, जवाहर शर्मा, पंचम यादव, विशाल शर्मा, यशवंत भारती, अमर नाथ तिवारी, गोरख यादव, अभिषेक, राम नयन शर्मा, रत्नाकर भंते, नंदलाल शर्मा, गोरख यादव, आफताब आलम सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

काव्य पुस्तकों का हुआ लोकार्पण:पूर्वांचल में हिन्दी साहित्य का भविष्य

संवाददाता

कुशीनगर। कस्बे के निजी मैरेज हाल में साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था अग्रहार की 203 वीं काव्यगोष्ठी का आयोजन हुआ।

गोष्ठी में संस्था अध्यक्ष अवकाश प्राप्त सार्जेंट अभिमन्यु पाण्डेय 'मन्नू'के चौदहवें काव्य संग्रह जीवन उत्कर्ष, सचिव सत्य प्रकाश शुक्ल बाबा के तीसरे उपन्यास देशान्तरण तथा निराला संवाद मंच के अध्यक्ष ओमप्रकाश द्विवेदी ओम् के बारहवें काव्य संग्रह श्वेता का लोकार्पण किया गया।

कार्यकम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन से हुआ। मुख्य अतिथि डीडीयू गोरखपुर के पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो रामदरश राय ने कहा पूर्वांचल में हिन्दी साहित्य का भविष्य उज्जवल है। एक कवि अपने भावनाओं के उकेरने का प्रयास करता है तो काव्य का रचना होता है। उन्होंने तीनों रचनाकारों को उनकी काव्य रचना के लिया बधाई प्रेषित करते हुए कहा कि आप लोगो की रचनाएं समाज को एक नया दिशा देने का कार्य करेगी। पूर्व प्राचार्य डा.उमाकांत राय, डा. विवेक पाण्डेय, विशिष्ट वक्ता प्राचार्य विवेकानंद पाण्डेय व डा. संजय मिश्र ने कविता, कहानी, उपन्यास और साहित्यिक विधाओं पर विस्तृत चर्चा किया।कवि गोष्ठी में कवि हरेंद्र पाण्डेय आदर्श, कवियत्री कालिंदी त्रिपाठी, संजय मिश्र संजय, ब्रजेश त्रिपाठी, सुभाष संगीत, मधुसूदन पाण्डेय, आकाश महेश पुरी, अवध किशोर अवधू, अनिल श्रीवास्तव, उमेश चौबे अश्क, राम नरेश शिक्षक, राधव शरण मिश्र, अवध बिहारी पाण्डेय, हिमांशु शेखर पाण्डेय आदि ने कवियों ने अपनी रचनाएं सुनाकर वाहवाही लूटी। अध्यक्षता बीर बहादुर सिंह विश्वविद्यालय के पूर्व कला संकाय अध्यक्ष डा.आद्या प्रसाद द्विवेदी और संचालन जीतेन्द्र पाण्डेय जौहर ने किया। आयोजक अवकाश प्राप्त सार्जेंट श्री पाण्डेय ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया।

जल ही जीवन है - सुधीर राव

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। कसया रामकोला मार्ग पर स्थित गोबरही चौराहे पर बुधवार को बढ़ती गर्मी में सावर्जनिक स्थानों और भीड़ वाली जगहों पर राहगीरों को शुद्ध पेयजल मुहैया हो सके। इसके लिए जल जीवन मिशन के जल सेवा केन्द्र का शुभारंभ मुख्य अतिथि व्लाक प्रमुख प्रतिनिधि सुधीर राव ग्राम प्रधान डिम्पल पांडेय व ग्राम प्रधान राम आश्रय ने फीता काट कर किया। लोगों को सम्बोधित करते हुए व्लाक प्रमुख प्रतिनिधि सुधीर राव ने कहा कि ये जल सेवा केन्द्र एक बड़े प्याऊ की तरह काम करेंगे, जहां राहगीर, श्रद्धालु और आमजन को गर्मी में पीने के लिए ठंडा और साफ पानी मिल सकेगा। विशेष तौर पर ये केन्द्र चौक चौराहे बाजारों, मंदिरों और धार्मिक स्थानों के पास लगाए जाएंगे। पूरे प्रदेश में ये व्यवस्था शुरू हो गई है। सभी को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने की ये सेवा पूरी तरह से निशुल्क होगी। यह पूरा खर्च जल जीवन मिशन से जुड़े एनजीओ, कंपनियां और एजेंसियां उठाएंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद नमामि गंगे विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सभी शहरों में जल सेवा केन्द्र शुरू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। इस अवसर पर जल निगम अवर अभियंता आदित्य मद्धेशिया, रमाकांत सिंह, पंकज, हर्ष, बीर सिंह, दिनानाथ, सचिन सिंह, अंकित सिंह, सुमंत सिंह, रजनीश सिंह मौजूद रहे।

जज की पत्नी पर प्रताड़ना का आरोप

लखनऊ। में जज की पत्नी की प्रताड़ना से तंग आकर युवक ने सुसाइड कर लिया। परिवार का आरोप है कि जज की पत्नी चोरी का आरोप लगाकर प्रताड़ित कर रही थी। आक्रोशित परिजनों ने शव सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया। लक्ष्मण मेला मैदान रोड के रहने वाले महेश निषाद (35) ने बुधवार को सुसाइड कर लिया। महेश जज के घर में रसोइए का काम करते थे। जज की पत्नी ने उनपर होली के दूसरे दिन चोरी करने का आरोप लगाया था। परिजनों ने बताया कि महेश तब से अवसाद में थे। मृतक महेश की पत्नी कविता ने बताया- मेरे पति जज के घर में पिछले चार साल से खाना बनाने का काम कर रहे थे। जज की पत्नी ने होली के दूसरे दिन 6.5 लाख रुपए की चोरी का आरोप लगाया था।

भगवान श्रीराम के गूंजे जयकारे, राम कथा में भक्तिभाव से सराबोर हुआ वातावरण

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर क्षेत्र के लवकुश पश्चिम पट्टी के पाण्डेय टोला में चल रही नौ दिवसीय राम कथा के चौथे दिन श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ी। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध कथावाचिका मानस कोकिला पंडित विजय लक्ष्मी शुक्ला ने भगवान श्रीराम और माता कैकेयी के प्रसंग का विस्तार से वर्णन किया। कथा श्रवण कर भक्तगण भाव-विभोर हो उठे और पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। राम कथा के चौथे दिन माता कैकेयी और श्रीराम के संवाद को विस्तार से सुनाया गया। कथावाचिका विजय लक्ष्मी शुक्ला ने बताया कि कैकेयी के वरदान मांगने से उत्पन्न परिस्थिति केवल एक पारिवारिक घटना नहीं थी, बल्कि यह एक महान आदर्श स्थापित करने वाली घटना थी। भगवान श्रीराम ने आज्ञा का पालन कर हमें मयार्दा, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा की सीख दी। राम कथा के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्ति में लीन होकर जयकारे लगाए, जिससे वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। कथा के दौरान रामचरित मानस की चौपाइयों और भजनों का समावेश कर भक्तों को आध्यात्मिक अनुभूति कराई गई। श्रीराम कथा का शुभारम्भ व्यास पीठ का पूजन कर पूर्व प्रमुख प्रतिनिधि पशुपतिनाथ जायसवाल तथा सायंकाल आरती राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक रहे भाजपा जिला उपाध्यक्ष दिवाकर मणि त्रिपाठी, पूर्व छात्र संघ महामंत्री बलराम जायसवाल,वरिष्ठ पत्रकार आद्या सिंह, गुरुदत्त उपाध्याय आदि ने कराया। इस दौरान नंदलाल विद्रोही युवा भाजपा नेता राणाप्रताप मिश्र, सिद्धेश्वर मिश्र, आनंद प्रकाश पाण्डेय शशांक, उज्जवल सतीश विपुल अनुराग सौरभ अभ्युदय आर्यन हर्ष आदर्श चंद्रशेखर पांडेय सोनू डा.विकेश मिश्र, अभ्युदय, प्रभाकर मिश्र अरविंद पाण्डेय रबिंद्र पांडेय आदि श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस नौ दिवसीय आयोजन में प्रतिदिन श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती जा रही है। आयोजन समिति ने बताया कि आगामी दिनों में भगवान श्रीराम के वनवास, हनुमान जी की भक्ति, सीता हरण और रावण वध के प्रसंगों का विस्तार से वर्णन किया जाएगा। आसपास के गांवों और नगरों से भी भक्तों का आना जारी है, जिससे आयोजन स्थल पर भक्ति का अनोखा माहौल बना हुआ है।

संक्षिप्त डायरी

हमीरपुर की मुस्करा पुलिस ने एक किलो 300 ग्राम अवैध गांजे के साथ महिला अभियुक्त को किया गिरफ्तार

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की मुस्कुरा पुलिस ने अपराधियों की धरपकड़ के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत एक किलो 300 ग्राम अवैध गांजे के साथ 60 वर्षीय महिला अभियुक्त रानी देवी गुप्ता पत्नी स्वर्गीय बृजलाल गुप्ता निवासी चन्दौरा रोड मुस्करा हमीरपुर को चन्दौरा रोड मुस्करा से गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की, पुलिस ने महिला अभियुक्त के खिलाफ मु0अ0सं0 48/2025 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर अदालत में पेश किया गया। महिला अभियुक्त के खिलाफ मुस्कुरा थाने मु0अ0स0 137/2019 धारा 60 आवकारी एक्ट के तहत एक मामला पहले से भी दर्ज है। महिला अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में खासतौर से एस आई शिवम पाण्डेय, हेड कांस्टेबल रजत सिंह, कांस्टेबल प्रदीप कुमार शर्मा सहित महिला कांस्टेबल इन्द्रावती शामिल रहे।

मुरादाबाद में कार में 1 घंटे तड़पते रहे 4 दोस्त

मुरादाबाद। में हाईवे पर रॉन्ग साइड में चल रही कार को कंटेनर ने टक्कर मार दी। कार 2 फीट हवा में उछलकर दूर जा गिरी। हादसे में दो युवतियों की मौत हो गई। कार के परखच्चे उड़ गए। गाड़ी के चारों गेट लॉक हो गए। एक घंटे तक चारों दोस्त अंदर तड़पते रहे। पुलिस और मौके पर मौजूद लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद गेट तोड़कर सभी को बाहर निकाला। एक युवती की मौके पर ही मौत हो गई थी। एक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। हादसा मंगलवार देर रात दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर मूंढापांडे पुलिस चौकी के पास हुआ। पुलिस ने बताया कि कार में रखे मोबाइल में गूगल लोकेशन ऑन थी। इससे आशंका जताई जा रही कि कार गूगल मैप की लोकेशन पर ड्राइव हो रही थी।हरियाणा के रोहतक के रहने वाले 4 दोस्त शिवानी (25), सिमरन (26), राहुल (27) पुत्र रमेश और संजू (26) पुत्र सुभाष नैनीताल में बाबा नीम करोली के दर्शन करके घर लौट रहे थे। पुलिस ने बताया कि गूगल मैप हाईवे के एक कट पर कार को रॉन्ग साइड ले गया जिससे कार जीरो पॉइंट पर लखनऊ-दिल्ली हाईवे स्थित मूंढापांडे पुलिस चौकी से चंद कदमों की दूरी पर सामने से आ रहे कंटेनर से टकरा गई। कंटेनर में पुल निर्माण में काम आने वाले सीमेंट से बने बड़े-बड़े पाइप लदे थे। टायरों से भरा एक ट्रक भी टकराकर पलट गया। दो फिट हवा में उछली कार ौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि टक्कर के बाद कार करीब 2 फीट तक हवा में उछली और फिर पुलिस चौकी के पास बने टीले पर जा गिरी। एक्सीडेंट के बाद कार के चारों दरवाजे लॉक हो गए। हादसे के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ लग गई। चौकी से पुलिस कर्मी भी दौड़कर तुरंत पहुंचे। एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद लोहे की रॉड से कार के गेट को तोड़कर अंदर में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। कार में 2 युवक और दो युवतियां सवार थे। एक युवती की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, दूसरी युवती ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। घायल युवकों को जिला अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

झांसी में बच्चे का प्राइवेट पार्ट काटा, मौत

झांसी। ललितपुर में 6 साल के बच्चे का पड़ोस में रहने वाले लड़के ने अपने दांतों से प्राइवेट पार्ट काट लिया। शरीर पर भी कई जगह काटे। परिजन बच्चे को झांसी मेडिकल कॉलेज लेकर गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। दोनों बच्चों के बीच खेलने को लेकर झगड़ा हुआ था। झगड़े में आरोपी बच्चे ने ये वारदात की। मौत की वजह शरीर से ज्यादा खून बह जाना बताया गया है। मृतक के पिता ने थाने में शिकायत की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।ललितपुर के गांव विनय कटोरन के रहने वाले सुजान मेहनत मजदूरी करते हैं। पिता सुजान ने कहा- मंगलवार दोपहर हम लोग गेहूं काटने गए थे। घर में बच्चे थे। पड़ोस का 12 साल का लड़का आया तो बच्चों ने उसे भगा दिया। शाम 5 बजे के करीब लड़का दोबारा आया।मेरा बेटा घर में लेटा था, तभी लड़के ने उसके कपड़े उतारे। चेहरे और शरीर पर कई जगह दांत से काटकर गहरे घाव कर दिए। मुंह से बेटे का प्राइवेट पार्ट भी काट दिया। खून बहने लगा तो उसने बेटे के ऊपर पानी डाल दिया। पड़ोसी से शिकायत की तो पहले उसने कहा, बिल्ली ने काटा होगा। लेकिन, मैंने देखा कि बच्चे का कपड़ा सुरक्षित निकाला गया था। बिल्ली होती तो कपड़ा ऐसे सुरक्षित कैसे निकलता। कड़ाई से पूछने पर बच्चे ने कबूला कि गुस्से में उसने काट लिया था। सबसे पहले बच्चे ललितपुर के जखौरा स्वास्थ्य केंद्र लेकर गए। वहां उसकी हालत गंभीर होने पर मंगलवार रात उसे झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। शिकायत अभी नहीं मिली है, मिलने पर एक्शन लेंगे ाीओ सिटी ललितपुर फूल चन्द्र ने बताया, जानकारी मिली है कि बच्चे को पड़ोसी के बच्चे ने जख्मी कर दिया था, जिसे झांसी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। बुधवार को बच्चे की मौत हो गई। परिजनों ने अभी किसी के खिलाफ शिकायत नहीं की है। शिकायती पत्र मिलने पर एक्शन लिया जाएगा।

ये है दुनिया का सबसे डरावना और वीरान आइलैंड, कभी इस बीमारी से पीड़ितों को बिना इलाज के रखा जाता था यहां

कोढ़ रोग को हमारे समाज में हमेशा से ही हीन भावना से देखा जाता है। इस बीमारी को भगवान का शाप या दंड माना जाता रहा है। समाज में लोग कोल्ड रोगियों से हमेशा दूरी बना कर रहे हैं। सदियों से इस बीमारी से पीड़ित लोगों को समाज से अलग रखा गया है। भारत ही नहीं दुनिया के विदेशों में कुछ रोगियों के लिए कई आश्रम चलते हैं। लेकिन यूरोप के ग्रीस और यूनान जैसे देशों ने अपने यहां के कुष्ठ रोगियों को आम लोगों से दूर रखने के लिए एक आईलैंड ही अलग कर दिया था।

इस आइलैंड का नाम स्पिनालोंन्गा आइलैंड है। ये यूनान के सबसे बड़े क्रीट द्वीप के पास स्थित है। ये भूमध्य सागर में मिराबेलो की खाड़ी के मुहाने पर मौजूद है। लेकिन आज इस आईलैंड पर कोई नहीं रहता और यह वीरान पड़ा है। यहां पर बेहद कम लोग ही जाते हैं। इस जगह की सबसे पहले वेनिस के राजा ने यहां पर सैनिक अड्डा बनाया था। इसके बाद तुर्की के ऑटोमान साम्राज्य ने इस पर कब्जा कर लिया। हालांकि, साल 1904 में क्रीट के लोगों ने तुर्कों को यहां से खदेड़ दिया। इसके बाद यह आइलैंड को कोढ़ के मरीजों का अड्डा बना दिया गया। साल 1975 में दुनिया को इस कोढ़ आश्रम के बारे में पता चला। इसके बाद यूनानी सरकार की बहुत आलोचना हुई।

जिसके बाद यहां के सभी लोगों को इलाज के लिए ले जाया गया और इस कुष्ठ रोगी आश्रम को बंद कर दिया गया। इसके बाद से स्पिनालोंन्गा आइलैंड वीरान पड़ा है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि इस आईलैंड पर कोढ़ के मरीजों के इलाज का भी कोई इंतजाम नहीं था। इस द्वीप पर एक ही डॉक्टर आता था, वो भी तब जब किसी मरीज को कोई और बीमारी हो जाती थी। इंद्र को बनाने से पहले ही कुष्ठ रोग का इलाज खोज लिया गया था लेकिन यहां रहने वाले मरीजों का इलाज नहीं होता था।

चार धाम यात्रा के लिए आईआरसीटीसी ने पेश किया शानदार टूर पैकेज, यात्रियों को मिलेंगी ये सुविधाएं

गर्मियों की छुट्टी में लो कहीं ना कहीं घूमने का प्लान बनाते हैं। ऐसे में कई लोगों को परिवार के साथ चार धाम की यात्रा करने की इच्छा होती है। ऐसे लोगों के लिए भारतीय रेलवे चारों धामों की यात्रा के लिए एक खास ऑफर लेकर आई है। बता दें कि यात्रियों के लिए पावन धाम की यात्रा के ऐसे पैकेज भारतीय रेलवे की तरफ से समय-समय पर उपलब्ध करवाए जाते हैं। आई जानते हैं आईआरसीटीसी के चार धाम टूर पैकेज के बारे में -

इतने दिनों का होगा टूर पैकेज

भारतीय रेलवे की ओर से यात्रियों को चार धाम की यात्रा के लिए एक स्पेशल टूर पैकेज दिया जा रहा है। आपको बता दें कि यह टूर पैकेज आजादी का अमृत महोत्सव और देखो अपना देश के तहत पेश किया गया है। इस पैकेज का नाम Char Dham Yatra E& Nagpur है।

आईआरसीटीसी की ओर से जारी किया गया यह खास टूर पैकेज कुल 11 दिनों और 12 रातों का है। इच्छुक यात्री आईआरसीटीसी की वेबसाइट irctctourism.com पर जाकर ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं।

इस दिन से शुरू होगी यात्रा और इन जगहों के होंगे दर्शन

रेलवे द्वारा यह चार धाम यात्रा 14 मई 2022 को नागपुर से शुरू होगी। यहां से यात्रियों को हवाई यात्रा के जरिए दिल्ली लाया जाएगा। दिल्ली से हरिद्वार के लिए ट्रेन रवाना होगी। इस टूर पैकेज के तहत यात्रियों को बद्रीनाथ, केदारनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री, गुप्तकाशी, बरकोट, जानकी चट्टी, सोनप्रयाग, उत्तरकाशी, आदि धार्मिक स्थलों के दर्शन कराए जाएंगे।

यात्रियों को मिलेंगी ये सुविधाएं

यात्रा के दौरान यात्रियों को रेलवे की ओर बस और गाड़ी की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा प्रतिदिन नाश्ता और डिनर भी मिलेगा और ठहरने के लिए होटल की व्यवस्था भी करवाई जाएगी।

यात्रियों को देना होगा इतना शुल्क

अकेले यात्रा करने वाले यात्रियों को 77,600 रुपए देने होंगे। दो लोगों को इस रूप पैकेज के लिए 61,400 चुकाने होंगे। वहीं तीन लोगों को इस पैकेज के लिए 58,900 जमा करने होंगे। बता दें कि बच्चों का अलग से शुल्क पड़ेगा।

मेघालय राज्य की खूबसूरती देखेंगे तो बस देखते ही रह जायेंगे

1972 में असम से अलग होकर भारत के इक्कीसवें राज्य के रूप में नक्शे पर उभरा, अद्भुत नैसर्गिक सुषमा का आलय- मेघालय यानि बादलों का घर। आकाश में बादलों के झुंड, धरती पर चंचल झरने, शांत झीलें और उनमें अपना प्रतिबिम्ब निहारती हरियाली, इन सबके बीच आपकी उपस्थिति आपको अवसर देगी कि आप अपने भाग्य पर गर्व कर सकें। यह राज्य गारो, खासी तथा जयन्तिया जैसी प्राचीन पहाड़ी जनजातियों का मूल निवास स्थान है। इन्हीं लोगों को भारत का प्राचीनतम निवासी माना जाता है।

ब्रिटिश राज के दौरान स्कॉटलैंड ऑफ ईस्ट कहा जाने वाला शहर शिलांग मेघालय की राजधानी है। खासी पहाड़ियों में, समुद्रतल से लगभग 1500 मी. की ऊंचाई पर बसे इस शहर का नाम एक जनजातीय देवता शुलांग के नाम पर पड़ा है। प्यार से मिनी लंदन पुकारे जाने वाले शहर के चप्पे-चप्पे पर अंग्रेजी प्रभाव के निशान खोजे जा सकते हैं।

शिलांग जैसे छोटे शहर में दर्शनीय स्थानों की सूची छोटी नहीं है। शहर के बीचों-बीच स्थित है वार्डलेक। 1893-94 में बनी यह झील पर्यटकों का ही नहीं स्थानीय लोगों का भी प्रिय स्थान है। खूबसूरत बगीचों की हरियाली और झील के बीच में बना लकड़ी का पुल इसकी विशेषता है। इस लकड़ी के पुल पर से आप झील की मछलियों को देख सकते हैं और चाहें तो उन्हें आटे की गोलियां भी खिलाएं। निःसंदेह बच्चों को यह काम बहुत अच्छा लगेगा। झील के पानी में उतरना चाहें तो नौकाविहार कर सकते हैं। खाने-पीने का अच्छा प्रबंध होना इस स्थान को सुविधाजनक भी बना देता है।

यदि आपकी दिलचस्पी पेड़-पोधों में है तो झील के पास स्थित बाटेनिकल गार्डन अवश्य जाएं। वनस्पति विज्ञान के छात्रों के लिए यह स्थान बहुत उपयोग साबित होगा। इसके पास ही स्थित डेलिमार वांगखा का तितलियों का सग्रंह भी देखें। दुनिया भर का तितलियों से संबंधित जिज्ञासा यहां शांत की जा सकती है।

किताबों में रूचि हो और ज्ञान में वृद्धि चाहें तो विशेष रूप से प्राचीन जीवन शैली से जुड़ी जानकारियों चाहें तो स्टेट सैन्ट्रल लाइब्रेरी जाना उचित होगा। साथ ही आपको अपनी ओर खींचेंगे डांन बास्को तथा आंल सैन्ट चर्च। डांन बास्को चर्च की विशाल इमारत और अनूठा प्रार्थना कक्ष ही इसकी खासियत हैं।

1889 में बना भारत का तीसरा सबसे पुराना गोल्फ कोर्स भी शिलांग में ही है। चीड़ और देवदार के ऊंचे वृक्षों से घिरे इस स्थान की मखमली घास का मजा लेने के लिए आपका गोल्फ में रूचि रखना जरूरी नहीं। अक्सर सूर्यादय और सूर्यास्त के सुन्दर दृश्यों को नजरों में भरने के लिए भी पर्यटक यहां आते हैं।

खासी जनजाति के मातृ-सत्तात्मक समाज की छाप देखें यहां के बड़ा बाजार में। इस बाजार को पूर्वोत्तर भारत का सबसे बड़ा बाजार माना जाता है। यहां खरीददारी करें हस्तशिल्प की और बांस के बने सामान की। यहां के जीवन को और करीब से जानना हो तो पास ही स्थित पुलिस बाजार भी जाना चाहिए।

शिलांग से लगभग 2 किलोमीटर दूर है एलिफेन्टा फॉल (झरना)। हाथी के आकार के इस प्राकृतिक झरने की सौन्दर्य वृद्धि की है लकड़ी के छोटे-छोटे पुलों ने। इस झरने के नाम के कारण के बारे में लोगों में मतैक्य नहीं है। कुछ लोगों के अनुसार इस जगह के नाम का कारण, कभी यहां हाथियों का पानी पीने आना था जबकि दूसरों के अनुसार, इसका हाथी जैसा आकार। कुछ लोग इसके नामकरण की कथा सुनाते हैं कि किसी अंग्रेज अधिकारी का हाथी रास्ता भटक कर यहां पहुंच गया और यहीं उसकी मृत्यु हो गई तो यह नाम पड़ा। इसी खींच-तान के बीच एक अन्य कथा यह भी है कि यहां हाथी पानी पीने आते थे। किसी कारण वश यहां एक हाथी की मृत्यु के पश्चात हाथियों ने यहां आना बंद कर दिया। स्थानीय लोग इस मृत हाथी को देखने यहां पहुंचे, यही घटना इस स्थान के नामकरण का कारण है। इसी से यह स्थान लोकप्रिय भी हुआ।

शिलांग और उसके आसपास के क्षेत्र में कई और झरने भी है जैसे मारग्रेट फांल, बिशप फांल, स्वीट फांल आदि।

समुद्र की सतह से लगभग 1960 मी. ऊंचाई पर, शिलांग से करीब 10 किमी. दूर है शिलांग पीक। ऐसा विश्वास है कि जनजातीय देवता शुलांग यहीं निवास करते हैं। यहां के खुले वातावरण और ऊंचाई को ध्यान में रखकर कुछ गर्म कपड़े ले जाना गलत नहीं होगा।

उमियाम झील, गुवाहाटी से शिलांग के बीच का सबसे सुन्दर पड़ाव है। यह स्थान शिलांग से लगभग 17 किमी. दूर है। बड़ा पानी के नाम से प्रसिद्ध यह झील एक बांध के निर्माण के फलस्वरूप अस्तित्व में आई थी। इस झील के पास बने नेहरू उद्यान को भी देखें। यह झील पानी के खेलों के लिए प्रसिद्ध है।

1897 के भयानक भूकंप से धरती पर तराशे गए दर्रे के लिए विख्यात है माफलोग। यहां प्रकृति की सुन्दरता ने भूकंप की भयावहता को ढक दिया है। शिलांग से लगभग 64 किमी दूर है जरकेम। यहां गधंक के झरने हैं। ऐसा विश्वास है कि झरनों के पानी से अनेक बीमारियों का निदान संभव है।

मेघालय की अन्य दो पहाड़ियां हैं गारो और जयन्तिया। गारो पहाड़ियों को जाना जाता है वनस्पतिक और वन्य जीवन की विविधता के लिए। यहां राष्ट्रीय वन्य जीवन उद्यान तथा नाफक झील भी देखें। यहां सिजु गुफाओं में चूने पत्थर की बनी आकृतियों को देखा जा सकता है।

हिलौरे लेती मिन्तदू नदी से घिरी जयन्तिया पहाड़ी शिलांग से लगभग 64 किमी. दूर है। जोवाई, जयन्तिया जनजाति का मुख्यालय भी यहीं है। यहां सिन्दाल गांव में अनेक गुफाओं की सैर की जा सकती है की। जयन्तियां राजा तथा विदेशी आक्रमणकारियों के बीच युद्ध के दौरान कभी इनका प्रयोग छिपने के स्थान के रूप में होता था।

लगभग 1300 मी की ऊंचाई पर, शिलांग से 56 किमी. दूर स्थित है चेरापूंजी। एक लंबे समय, इस क्षेत्र को विश्व में सबसे अधिक वर्षा वाले क्षेत्र के रूप में जाना जाता रहा है। यहां रोमांच लें विश्व के चौथे सबसे ऊंचे झरने नहिकालीफाई को देखने का। इसी प्रकार मांसमाई और लम लाबाध की रहस्यमयी गुफाओं की सैर भी यादगार साबित होगी।

वर्तमान में सर्वाधिक वर्षा तथा लगभग निरन्तर बने रहने वाले इन्द्रधनुषों की भूमि मांसेनरम, चेरापूंजी के पास ही है। वर्षा ऋतु में लगभग अगम्य बन जाने वाला यह स्थान अपने चूने पत्थर के बने विशाल शिवलिंग के लिए खासा लोकप्रिय है। यहां भयावह ऊंचाई लिए बेहत खूबसूरत झरने भी आपको भाएंगे।

जून-जुलाई का समय मेघालय में उत्सवों का समय है। 4 दिनों तक चलने वाला किसानों का उत्सव है वेटडीनवलामू। इसमें पारम्परिक नृत्य संगीत के साथ-साथ बैलों की लड़ाई का मजा लें। स्थानीय देवता यू शिलांग और पूर्वजों के सम्मान में आयोजित होने वाले नौंग क्रेम नृत्य उत्सव में शामिल होना नहीं भूलें।

अधिक वर्षा वाले दिनों को छोड़ हर मौसम में यहां आया जा सकता है। यहां का जाड़ा कुछ अधिक ठंडा और गर्मियां सुहावनी होती हैं। निश्चय ही यह छोटा-सा राज्य गर्मी से बड़ी राहत दिला सकता है।

ये हैं अजमेर में घूमने की खूबसूरत जगहें, इन्हें नहीं देखा तो अधूरी है आपकी यात्रा

राजस्थान में अरावली पर्वतमाला से घिरा हुआ अजमेर शहर एक बहुत लोकप्रिय पर्यटक स्थल है। यह शहर सूफी संत मोइउद्दिन चिश्ती की दरगाह के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। अजमेर शहर को पहले 'अजयमेरु' के नाम से जाना जाता था। यह शहर अपनी विशिष्ट वास्तुकला और संस्कृति के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। अजमेर में कई प्रसिद्ध पर्यटन स्थल हैं जो देश-विदेश में बहुत प्रसिद्ध हैं। इस शहर में आपको पारंपरिक राजस्थानी रंग-ढंग देखने को मिलते हैं। आज के इस लेख में हम आपको अजमेर शहर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों के बारे में बताने जा रहे हैं -

अजमेर शरीफ

अजमेर में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह यहाँ के सबसे प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। इस दरगाह में हर धर्म-जाति के लोग मत्था टेकने के लिए आते हैं। कहा जाता है कि मुगल बादशाह अकबर आगरा से 437 किमी। पैदल चलकर ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर बेटा होने की दुआ माँगने आए थे। आज के समय में देश-विदेश से लोग दरगाह पर आकर मन्नत मांगते हैं और मन्नत पुअर होने के बाद चादर चढ़ाते हैं।

आना सागर झील

अजमेर में आप आना सागर झील देख सकते हैं। यह एक बेहद खूबसूरत कृत्रिम झील है जो यहाँ आने वाले पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। इस झील का निर्माण पृथ्वीराज चौहान के पिता आणाजी चौहान ने करवाया था। आणाजी से नाम पर ही इस झील का नाम आना सागर पड़ा। इस झील के आसपास की जगह भी बेहद खूबसूरत है। यहाँ का दौलत बाग देखने में बहुत खूबसूरत है, जिसका निर्माण जहांगीर ने करवाया था। इस झील में आप नौका विहार का आनंद ले सकते हैं।

पुष्कर सरोवर

अजमेर स्थित पुष्कर झील देशभर में बहुत मशहूर है। यह सरोवर हिन्दू धर्म के लोगों के लिए आस्था का एक बड़ा केंद्र है। भारत के पांच पवित्र सरोवरों में पुष्कर झील भी शामिल है। कुछ विशेष अवसरों पर यहां श्रद्धालु पवित्र स्नान के लिए आते हैं। अजमेर आए पर्यटक पुष्कर सरोवर घूमने जरूर आते हैं। यहां आप ऊंट सवारी का आनंद ले सकते हैं।

अढ़ाई दिन का झोपड़ा

अजमेर में स्थित अढ़ाई दिन का झोपड़ा एक ऐतिहासिक मस्जिद है। इस मस्जिद का निर्माण 1192 में मोहम्मद गोरी के निर्देश पर कुतुब-उद-दीन ऐबक द्वारा करवाया गया था। इस मस्जिद में ढाई दिन का उत्सव चलता है जिसकी वजह से इस मस्जिद को यह नाम दिया गया है। इस मस्जिद के निर्माण में खूबसूरत वास्तुकला का इस्तेमाल देखने को मिलता है। दूर-दूर से लोग इस मस्जिद में मत्था टेकने आते हैं।

तारागढ़ किला

तारागढ़ किला, अजमेर के प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों में से एक है। इस किले का निर्माण सन 1354 में किया गया था और यह राजस्थान के सबसे प्रसिद्ध प्राचीन संरचनाओं में से एक है। यह किला पर्यटकों के लिए राजस्थानी वास्तुकला का एक शानदार और उत्कृष्ट उदाहरण पेश करता है।

सोनी जी की नसियां

अजमेर में स्थित सोनी जी की नसियां एक प्रसिद्ध जैन मंदिर हैं। इसे लाल मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। यह मंदिर जैन धर्म के पहले तीर्थकर को समर्पित हैं। सोनी जी की नसियां मंदिर का मुख्य आकर्षण इसका मुख्य कक्ष है, जिसे स्वर्ण नगरी या सोने के शहर के नाम से भी जाना जाता है। इस मंदिर में जाएं धर्म से जुड़ी सोने की लकड़ी की कई आकृतियां बनी हुई हैं। यह मंदिर पर्यटकों के बीच बहुत लोकप्रिय है और दूर-दूर से लोग इस मंदिर को देखने आते हैं।

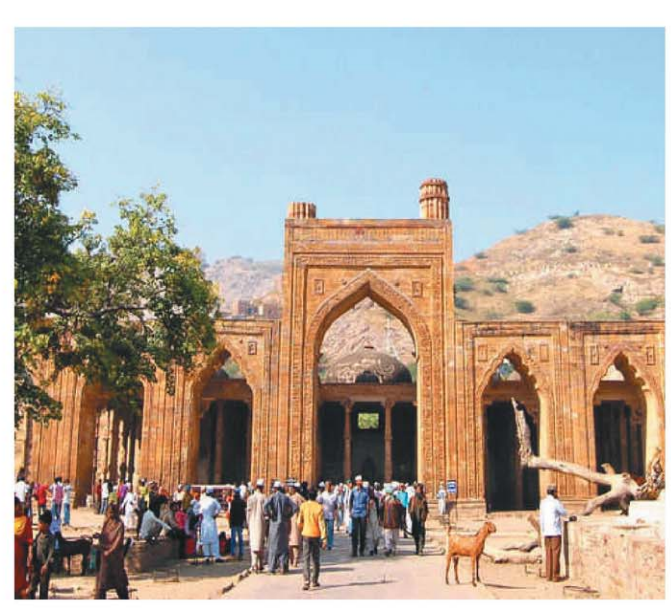

बैंकों ने बदले नियम, अब एटीएम से पैसा निकालने पर लगेगा अतिरिक्त शुल्क

नई दिल्ली। एसबीआई, पीएनबी, आईसीआईसीआई और एचडीएफसी बैंक के ग्राहकों को अब इन बैंकों के एटीएम से पैसे निकालने पर ग्राहकों को अतिरिक्त शुल्क देना पड़ेगा। इन बैंकों ने अपनी एटीएम सर्विसेज पर चार्ज को बढ़ा दिया है, जिससे ग्राहकों को हर माह तय सीमा से ज्यादा ट्रांजैक्शन करने पर अतिरिक्त शुल्क चुकाना होगा। बैंकों के ज्यादातर डेबिट कार्ड ग्राहकों को मुफ्त दिए जाते हैं, लेकिन कुछ मामलों में जॉइनिंग फीस, वार्षिक शुल्क और रिप्लेसमेंट चार्ज वसूला किया जाता है।

एसबीआई कुछ डेबिट कार्ड्स पर 300 तक जॉइनिंग फीस और 125 से 350 तक सालाना शुल्क लेता है। अगर कार्ड खो जाता है या बदलवाना हो, तो 300 का चार्ज देना होता है। वहीं पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) कुछ डेबिट कार्ड के लिए 250 जॉइनिंग चार्ज, 500 वार्षिक शुल्क और 150 रिप्लेसमेंट फीस लेता है। वहीं एचडीएफसी बैंक के मुताबिक 250 से 750 तक की जॉइनिंग और सालाना फीस वसूलता है, जबकि नया कार्ड लेने पर 200 रुपए चार्ज किया जाएगा। आईसीआईसीआई अलग-अलग डेबिट कार्ड के लिए 1999 तक की जॉइनिंग फीस और 99 से 1499 सालाना शुल्क लेगा। इसके अलावा, अगर आप डेबिट कार्ड का पिन भूल जाते हैं और नया पिन बनवाना चाहते हैं, तो सभी बैंक इसके लिए 50 चार्ज करते हैं। हर बैंक के बचत खातों के लिए अलग-अलग न्यूनतम बैलेंस मेंटेन करने का नियम है। अगर ग्राहक तय सीमा से कम बैलेंस रखते हैं, तो उन पर जुर्माना लगाया जाता है।

एसबीआई रेगुलर सेविंग अकाउंट में न्यूनतम बैलेंस नहीं रखने पर कोई शुल्क नहीं लेता

लेकिन पीएनबी न्यूनतम त्रैमासिक बैलेंस में कमी होने पर 400 से 600 तक का जुर्माना लगाता है। एचडीएफएस औसत मासिक बैलेंस मेंटेन नहीं करने पर 150 से 600 तक का चार्ज लेता है। आईसीआईसीआई खाते में तय सीमा से कम राशि होने पर मासिक औसत का 6 फीसदी या अधिकतम 500 चार्ज किया जाता है। बैंक ग्राहकों को हर महीने एक निश्चित संख्या में फ्री एटीएम ट्रांजैक्शंस की सुविधा दी जाती है, लेकिन तय सीमा के बाद एटीएम से पैसा निकालने पर अतिरिक्त ट्रांजैक्शंस चार्ज लगता है।

विदेशी भारतीय से मिल रहे रेमिटेंस से भारत का सीएडी घाटा रहेगा सुरक्षित

नई दिल्ली। मजबूत सेवा निर्यात और विदेशों में काम कर रहे भारतीयों से आने वाले रेमिटेंस के साथ वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के चालू खाता घाटे (सीएडी) को सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी, भले ही देश का मर्चेंडाइज व्यापार घाटा कुछ दबाव में आ गया हो। बुधवार को एक ताजा रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि 2025-2026 में चालू खाता घाटा जीडीपी के 1.3 फीसदी पर रहने के साथ मामूली रूप से अधिक रहेगा, जबकि 2024-2025 में यह जीडीपी का 1 फीसदी रहने का अनुमान है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में भारत का सीएडी 11.5 बिलियन डॉलर जीडीपी का 1.1 फीसदी रहा, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में यह 10.4 बिलियन डॉलर यानी जीडीपी का 1.1 फीसदी था। क्रमिक रूप से, घाटा वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में 16.7 बिलियन डॉलर यानी जीडीपी के 1.8 फीसदी से कम रहा। तीसरी तिमाही के दौरान व्यापारिक व्यापार घाटा खराब रहा, लेकिन विदेशों में काम कर रहे भारतीयों से सेवाओं के अधिशेष और रेमिटेंस में सुधार से बैलेंस बना हुआ है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि व्यापारिक व्यापार घाटे में वृद्धि मुख्य रूप से तेल व्यापार संतुलन के बिगड़ने के कारण हुई, क्योंकि निर्यात में गिरावट आई और आयात में वृद्धि हुई। तीसरी तिमाही में विदेशी पूंजी में नेट आउटफ्लो देखा गया, जबकि पिछले साल की समान अवधि में नेट इनफ्लो हुआ था। रिपोर्ट में बताया गया है कि तीसरी तिमाही में रुपए में 1.6 फीसदी की गिरावट आई और यह पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही के 83.2 से 84.5 प्रति डॉलर पर आ गया।

वित्तीय खातों में सभी सब-कंपोनेंट्स में आउटफ्लो देखा गया, जिसमें शुद्ध विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक सेगमेंट से अधिकतम 11.4 बिलियन डॉलर की राशि शामिल है। दूसरे निवेशों में वित्त वर्ष 2023 की दूसरी तिमाही के बाद पहली बार आउटफ्लो देखा गया। चालू खाता घाटे में होने के बावजूद वित्तीय खाते से शुद्ध निकासी का मतलब भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर असर था, जो तीसरी तिमाही के दौरान 37.7 बिलियन डॉलर कम हो गया।

बैंकों ने बदले नियम, अब एटीएम से पैसा निकालने पर लगेगा अतिरिक्त शुल्क

नई दिल्ली। एसबीआई, पीएनबी, आईसीआईसीआई और एचडीएफसी बैंक के ग्राहकों को अब इन बैंकों के एटीएम से पैसे निकालने पर ग्राहकों को अतिरिक्त शुल्क देना पड़ेगा। इन बैंकों ने अपनी एटीएम सर्विसेज पर चार्ज को बढ़ा दिया है, जिससे ग्राहकों को हर माह तय सीमा से ज्यादा ट्रांजैक्शन करने पर अतिरिक्त शुल्क चुकाना होगा। बैंकों के ज्यादातर डेबिट कार्ड ग्राहकों को मुफ्त दिए जाते हैं, लेकिन कुछ मामलों में जॉइनिंग फीस, वार्षिक शुल्क और रिप्लेसमेंट चार्ज वसूला किया जाता है।

एसबीआई कुछ डेबिट कार्ड्स पर 300 तक जॉइनिंग फीस और 125 से 350 तक सालाना शुल्क लेता है। अगर कार्ड खो जाता है या बदलवाना हो, तो 300 का चार्ज देना होता है। वहीं पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) कुछ डेबिट कार्ड के लिए 250 जॉइनिंग चार्ज, 500 वार्षिक शुल्क और 150 रिप्लेसमेंट फीस लेता है। वहीं एचडीएफसी बैंक के मुताबिक 250 से 750 तक की जॉइनिंग और सालाना फीस वसूलता है, जबकि नया कार्ड लेने पर 200 रुपए चार्ज किया जाएगा। आईसीआईसीआई अलग-अलग डेबिट कार्ड के लिए 1999 तक की जॉइनिंग फीस और 99 से 1499 सालाना शुल्क लेगा। इसके अलावा, अगर आप डेबिट कार्ड का पिन भूल जाते हैं और नया पिन बनवाना चाहते हैं, तो सभी बैंक इसके लिए 50 चार्ज करते हैं। हर बैंक के बचत खातों के लिए अलग-अलग न्यूनतम बैलेंस मेंटेन करने का नियम है। अगर ग्राहक तय सीमा से कम बैलेंस रखते हैं, तो उन पर जुर्माना लगाया जाता है।

एसबीआई रेगुलर सेविंग अकाउंट में न्यूनतम बैलेंस नहीं रखने पर कोई शुल्क नहीं लेता

लेकिन पीएनबी न्यूनतम त्रैमासिक बैलेंस में कमी होने पर 400 से 600 तक का जुर्माना लगाता है। एचडीएफएस औसत मासिक बैलेंस मेंटेन नहीं करने पर 150 से 600 तक का चार्ज लेता है। आईसीआईसीआई खाते में तय सीमा से कम राशि होने पर मासिक औसत का 6 फीसदी या अधिकतम 500 चार्ज किया जाता है।बैंक ग्राहकों को हर महीने एक निश्चित संख्या में फ्री एटीएम ट्रांजैक्शंस की सुविधा दी जाती है, लेकिन तय सीमा के बाद एटीएम से पैसा निकालने पर अतिरिक्त ट्रांजैक्शंस चार्ज लगता है।

नई कार फैक्ट्री लगाने की योजना नहीं, बीवायडी ने किया खबरों का खंडन

नई दिल्ली। चीन की इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी बीवायडी ने मीडिया रिपोर्ट्स का खंडन किया है, जिनमें दावा किया गया था कि कंपनी भारत के हैदराबाद शहर में अपनी नई कार फैक्ट्री लगाने की योजना बना रही है। बीवायडी ने स्पष्ट किया कि कंपनी इस समय भारत में किसी नई फैक्ट्री की स्थापना के बारे में विचार नहीं कर रही है। मीडिया में आई खबरों में कहा था कि बीवायडी भारत में अपने उत्पादन को बढ़ाने के लिए हैदराबाद में एक नए कार निर्माण संयंत्र पर विचार कर रही है, लेकिन बीवायडी ने इसे गलत बताया है। कंपनी ने कहा कि वह भारत में पहले से ही अपनी उपस्थिति को मजबूत कर रही है, लेकिन वर्तमान में कोई नई उत्पादन सुविधा स्थापित करने की योजना नहीं है। बीवायडी के भारत में निवेश को लेकर भविष्य में कोई नई घोषणाएं की जा सकती हैं, लेकिन फिलहाल ऐसी कोई योजना नहीं है। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग के बीच बीवायडी पहले ही भारतीय बाजार में अपनी इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री कर रही है और कंपनी के लिए भारत एक अहम बाजार बनता जा रहा है।

दुनिया में अरबपतियों की संख्या में इजाफा, भारत में 205 अरबपति

मुकेश पहले, दूसरे नंबर पर अडानी और सावित्री जिंदल

मुंबई। फोर्ब्स ने 2025 के लिए दुनिया के अरबपतियों की सूची जारी कर दी है। इस साल अरबपतियों की संख्या में काफी इजाफा हुआ है। अब दुनिया में कुल 3,028 अरबपति हैं। बीते साल के मुकाबले इस साल 247 अरबपति ज्यादा हैं। इन सभी अरबपतियों के पास कुल मिलाकर 16.1 ट्रिलियन डॉलर की संपत्ति है। यह रकम पिछले साल के मुकाबले 2 ट्रिलियन डॉलर ज्यादा है। अरबपतियों की सूची में अमेरिका सबसे आगे है। अमेरिका में 902 अरबपति हैं। चीन 516 अरबपतियों के साथ दूसरे और भारत 205 अरबपतियों के साथ तीसरे स्थान पर है। मुकेश अंबानी भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस हैं, जबकि दुनिया में उनका 18वां स्थान है। रिलायंस इंडस्ट्रिज के चेयरमैन की कुल नेटवर्थ 92.5 बिलियन डॉलर है। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी 56.3 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ सूची में 28वें स्थान पर हैं। वह एशिया में चौथे नंबर पर हैं। अडानी से आगे चीन के झांग यिमिंग (65.5 बिलियन डालर) 23वें और झोंग शानशान (57.7 बिलियन डॉलर) 26वें नंबर पर हैं।

भारत में अरबपतियों की संख्या थोड़ी बढ़ी है। पिछले साल 200 अरबपति थे, जो अब बढ़कर 205 हो गए हैं। इन सभी के पास कुल 941 बिलियन डालर की संपत्ति है। पिछले साल यह आंकड़ा 954 बिलियन डालर था। देश के दो सबसे अमीर लोगों की संपत्ति में 20 बिलियन डालर से ज्यादा की गिरावट आई है। इसकी वजह से कुल नेटवर्थ में कमी आई है। भारत के टॉप 10 रईसों की सूची में मुकेश अंबानी (92.5 बिलियन डालर), गौतम अडानी (56.3 बिलियन डालर), सावित्री जिंदल एंड फैमिली (35.5 बिलियन डालर), शिव नाडर (34.5 बिलियन डालर), दिलीप सांघवी (24.9 बिलियन डालर), साइरस पूनावाला (23.1 बिलियन डालर), कुमार मंगलम बिड़ला (20.9 बिलियन डालर), लक्ष्मी मित्तल (19.2 बिलियन डालर), राधाकिशन दमानी (15.4 बिलियन डालर) और कुशल पाल सिंह (14.5 बिलियन डालर) शामिल है।

वहीं दुनिया के अमीरों की सूची में एलन मस्क सबसे ऊपर बने हुए हैं। उन्होंने एक साल में अपनी संपत्ति करीब दोगुनी कर ली है। मार्क जुकरबर्ग दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। जेफ बेजोस तीसरे नंबर पर हैं। सूची में एलन मस्क (342 बिलियन डालर), मार्क जुकरबर्ग (216 बिलियन डालर), जेफ बेजोस (215 बिलियन डालर), लैरी एलिसन (192 बिलियन डालर), बर्नार्ड अरनॉल्ट और परिवार (178 बिलियन डालर), वॉरेन बफे (154 बिलियन डालर), लैरी पेज (144 बिलियन डालर), सर्गेई ब्रिन (138 बिलियन डालर), अमानसियो ओर्टेगा (124 बिलियन डालर), स्टीव बाल्मर (118 बिलियन डालर) शामिल हैं। इस लिस्ट में 10 में से 8 अमेरिकी हैं। फ्रांस के बर्नार्ड अरनॉल्ट और स्पेन के अमानसियो ओर्टेगा ही इसमें जगह बना पाए हैं।

मौका जाने ना पाए, हुंडई अपनी इलेक्ट्रिक कार में दे रही बंपर छूट

चेन्नई। हुंडई अपनी इलेक्ट्रिक कार आयोनिक 5 के 2024 मॉडल पर 4 लाख रुपये का डिस्काउंट मिल रहा है। यह छूट कंपनी द्वारा स्टॉक खाली करने के लिए दे रही है। जनवरी 2023 में कार की कीमत 44.95 लाख रुपये थी, जो अब बढ़कर 46.05 लाख रुपये हो गई है। लेकिन इस डिस्काउंट के बाद ग्राहक इस ईवी कार को 42.05 लाख रुपये में खरीद सकते हैं। हुंडई आयोनिक 5 के डिजाइन और फीचर्स इस अन्य इलेक्ट्रिक कारों से काफी अलग बनाते हैं। इसकी लंबाई 4634एमएम, चौड़ाई 1890एमएम और ऊंचाई 1625एमएम है। कार का व्हीलबेस 3000एमएम है, जिससे इसका इंटीरियर ज्यादा स्पेसियस और आरामदायक बनता है। इसका इंटीरियर ईको-फ्रेंडली मटेरियल से बना है, जिसमें डैशबोर्ड और डोर ट्रिम्स पर सॉफ्ट टच फिनिश है। सीट अपहोल्स्ट्री और स्टीयरिंग व्हील पर पिक्सल डिजाइन मिलता है, जबकि क्रैश पैड, स्विच और डोर पैनल पर बायो पेंट का इस्तेमाल है, जो 100 प्रतिशत रिसाइकिल किया जा सकता है। कार में 12.3-इंच स्क्रीन का पेयर मिलता है, जिसमें इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और टचस्क्रीन दोनों शामिल हैं। इसमें 6 एयरबैग्स, इलेक्ट्रिक पार्किंग ब्रेक, चार डिस्क ब्रेक, मल्टी कोलाइजन-अवॉइडेंस ब्रेक और पावर चाइल्ड लॉक जैसे सेफ्टी फीचर्स दिए गए हैं। साथ ही, लेवल 2 एडीएएस टेक्नोलॉजी भी है, जो 21 सेफ्टी फीचर्स को सपोर्ट करता है। इलेक्ट्रिक कार में 72.6किलोवाट प्रतिघंटा की बैटरी दी गई है, जो एआरएआई-सर्टिफाइड 631 किमी की रेंज ऑफर करती है। यह केवल रियर व्हील ड्राइव में उपलब्ध है और इसकी इलेक्ट्रिक मोटर 217 एचपी का पावर और 350एनएम का टॉर्क जनरेट करती है। यह 800 वॉट की सुपरफास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है, जिससे यह केवल 18 मिनट में 10 से 80 प्रतिशत तक चार्ज हो सकती है।

भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को मिला बूस्ट, पीएमआई इंडेक्स आठ माह में शीर्ष पर

नई दिल्ली। भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की वृद्धि दर मार्च में बढ़कर आठ महीने के शीर्ष पर है। बेहतर डिमांड के बीच फैक्ट्री ऑर्डर और प्रोडक्शन में तेज बढ़ोतरी से मैन्युफैक्चरिंग को बूस्ट मिला है। बुधवार को जारी एक सर्वे में यह जानकारी दी गई। एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) मार्च में 58.1 रहा, जो फरवरी में 58.1 था। फरवरी में नए ऑर्डर और प्रोडक्शन में धीमी ग्रोथ के बीच भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की ग्रोथ 14 महीने के निचले स्तर पर पहुंच गई थी। पीएमआई के तहत 50 से ऊपर सूचकांक होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा संकुचन को दिखाता है। सर्वे के मुताबिक, भारत में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की वृद्धि ने फरवरी में खोई हुई जमीन हासिल की है। सर्वे में कहा गया, मार्च में कुल बिक्री में जुलाई 2024 के बाद से सबसे ज्यादा ग्रोथ दिखाई दी, जिसका श्रेय कंपनियों ने सकारात्मक ग्राहक रुचि, अनुकूल मांग की स्थिति और सफल मार्केटिंग मुहिम को दिया। इसमें कहा गया, कंपनियों ने वित्त वर्ष 2024-25 के अंत में प्रोडक्शन बढ़ा दिया। विस्तार की दर तेज हुई और अपने ऐतिहासिक औसत से ज्यादा रही जिससे आठ महीनों में सबसे मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। मार्च में नए निर्यात ऑर्डर में जोरदार ग्रोथ जारी रही, लेकिन ग्रोथ की रफ्तार तीन महीने के निचले स्तर पर आ गई। कंपनियों ने ग्लोबल सेल्स के मामले में एशिया, यूरोप और पश्चिम एशिया में हुई ग्रोथ का हवाला दिया। बढ़ती मांग से कंपनियों को ग्राहकों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अपने भंडार का उपयोग करना पड़ा, इसकारण जनवरी 2022 के बाद से तैयार माल के भंडार में सबसे तेज गिरावट आई।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीदारी हावी रहने से आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के जवाबी टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद भी एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में खरीदारी से बाजार को सहारा मिला।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स आज अंत में 592.93 अंक करीब 0.78 फीसदी की बढ़त के साथ 76,617.44 पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी अंत में 166.65 अंक तकरीबन 0.72 फीसदी ऊपर आकर 23,332.35 पर बंद हुआ।

आज सभी इंडेक्स में तेजी रही। इसमें निफ्टी रियल्टी इंडेक्स ने 3.61 फीसदी की बढ़त के साथ सबसे अधिक बढ़त दर्ज की। इसमें कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, बैंक और वित्तीय सेवाओं के शेयरों में 2.51 फीसदी तक की बढ़त रही।

आज सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 21 के शेयर बढ़त पर बंद हुए। जोमाटो में सबसे ज्यादा तेजी आई और यह लगभग 5 फीसदी उछलकर बंद हुआ। टाइटन, इंडसइंड बैंक, मारुति सुजुकी इंडिया और टेक महिंद्रा के शेयर भी लाभ में रहे।

दूसरी ओर नेस्ले इंडिया का शेयर सबसे अधिक गिरकर बंद हुआ। उपभोक्ता क्षेत्र की एफएमसीजी कंपनी के शेयरों में बोफा सिक्योरिटीज के रेटिंग कम करने की वजह से इसमें गिरावट आई। इसके अलावा अल्ट्रा सीमेंट, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, बजाज फिनसर्व, एलएंडटी, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी के शेयरों में गिरावट रही।

वहीं जानकारों के अनुसार इंडेक्स में हैवी वेटेज रखने वाले एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के अलावा इन्फोसिस जैसी आईटी स्टॉक्स में तेजी से भी बाजार ऊपर आया। अमेरिकी टैरिफ के बारे में मिले-जुले संकेतों के बाद भी घरेलू बाजार में लगातार बढ़त देखी गई। यह इस कारण था कि टैरिफ का घरेलू अर्थव्यवस्था पर कम प्रभाव पड़ेगा। मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई भी अपने उच्च स्तर पर पहुंच गया। इससे कंपनियों की आय में सुधार के संकेत मिले हैं। वहीं गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। आज सुबह 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 100 से ज्यादा अंक ऊपर आकर

76,146.28 अंक पर खुला। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 26.40 अंक की बढ़त के साथ ही 23,192.60 अंक पर खुला जबकि गत दिवस मंगलवार को बाजार भारी गिरावट पर बंद हुआ था। विदेशी निवेशकों ने गत दिवस 5,901.63 करोड़ रुपये के भारतीय शेयर बेचे, जबकि डीआईआई ने 4,322.58 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

दूसरी ओर दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो जापान का निक्केई 0.28 फीसदी नीचे आया जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.58 फीसदी गिरा। ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 0.2 फीसदी उछला है। अमेरिका में एसएंडपी में 0.38 फीसदी की बढ़त रही जबकि नैस्डैक कंपोजिट में 0.87 फीसदी की रही।

ब्रोकरेज ने एफएमसीजी सेक्टर के स्टॉक आईटीसी को खरीदने की दी सलाह

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वार के बीच घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को जोरदार उछाल आया। एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे शेयरों की तेजी ने बाजार को ऊपर खींचा। हालांकि टैरिफ को लेकर अनिश्चितताओं ने बढ़त को सीमित कर दिया। शेयर बाजार के जानकारों का मानना है कि मजबूत फंडामेंटल और उचित वैल्यूएशन वाले स्टॉक्स में निवेश करना फिलहाल बेहतर ऑप्शन है। इस बीच ब्रोकरेज फर्म नुवामा ने एफएमसीजी सेक्टर के स्टॉक आईटीसी लिमिटेड को खरीदने की सलाह दी है। नुवामा ने आईटीसी लिमिटेड पर अपनी 'बाय' रेटिंग को बरकरार रखा है। ब्रोकरेज ने स्टॉक पर 571 रुपए का टारगेट प्राइस तय किया है। इस तरह से स्टॉक आगे चलकर 40 फीसदी का अपसाइड दिखा सकता है। आईटीसी लिमिटेड के शेयर मंगलवार को 406.65 रुपए के भाव पर बंद हुआ था। स्टॉक के प्रदर्शन पर नजर डाले तो यह अपने अपने हाई से 19 फीसदी नीचे है। स्टॉक पिछले छह महीने में 16.31 फीसदी गिरने के बाद बीते एक महीने में 3.50 फीसदी चढ़ा है। वहीं, छह महीने में स्टॉक में 16.31फीसदी की गिरावट आई जबकि एक साल में यह केवल 1.41 फीसदी ही चढ़ा है। स्टॉक का 52 वीक हाई 500 रुपए और 52 वीक लो 381.24 रुपए है। बीएसई सेंसेक्स में लिस्टेड कंपनी का मार्केट कैप 5,11,452 करोड़ रुपए है।

औंधेमुंह गिरा आईपीओ सेक्टर, शेयर अपने इश्यू प्राइस से नीचे फिसल गए

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में बीते सितंबर से जारी गिरावट के चलते नई लिस्टेड कंपनियों के शेयरों पर दबाव काफी बढ़ चुका है। बीते वित्त वर्ष में आए 78 आईपीओ में से 34 कंपनियों के शेयर अपने इश्यू प्राइस से नीचे फिसल गए हैं। इसमें से 10 कंपनियों के शेयर लिस्टिंग के समय ही डिस्काउंट पर थे और अब भी नुकसान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 24 कंपनियों के शेयर जो ऊंचे स्तर पर खुले थे, लेकिन अब अपनी बढ़त गंवा चुके हैं।

गोदावरी बायोरिफाइनरीज, कैरारो इंडिया और वेस्टर्न कैरियर्स इंडिया के शेयर 50 प्रतिशत से अधिक गिरे हैं। वहीं, सरस्वती साड़ी डिपो, टॉलिन्स टायर्स, श्री तिरुपति बालाजी एग्रो ट्रेडिंग, एमई फिनट्रेड, इकोस इंडिया मोबिलिटी, सुरक्षा डायग्नोस्टिक और बाजार स्टाइल रिटेल के शेयर 40-50 प्रतिशत तक लुढ़क चुके हैं।

इसके अलावा, ममता मशीनरी, बजाज हाउसिंग फाइनेंस, यूनिकॉमर्स ई-सॉल्यूशंस, यूनिमेक एयरोस्पेस और डी डेवलपमेंट इंजीनियर्स जैसी कंपनियों ने मजबूत लिस्टिंग के बावजूद अपनी सारी बढ़त खो दी है। हालांकि, केआरएन हीट एक्सचेंजर, भारती हेक्साकॉम, क्राट्रेंट फ्यूचर टेक और ओरिएंट टेक्नोलॉजीज ने निवेशकों को लिस्टिंग गेन के अलावा भी अच्छा रिटर्न दिया है।

आईपीओ में गिरावट के बावजूद निवेशकों की दिलचस्पी बनी हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में हर आईपीओ को औसतन 64 गुना सब्सक्रिप्शन मिला, जो वित्त वर्ष 2021-22 के 16 गुना की तुलना में काफी अधिक है। इस बीच, सेंसेक्स अपने सितंबर के 85,978.25 के उच्चतम स्तर से 10 प्रतिशत नीचे आ चुका है। बीते छह महीनों में बीएसई सूचकांक में 7.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है।

रुपया बढ़त पर बंद

नई दिल्ली। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को रुपया चार पैसे की बढ़त के साथ ही 85.46 पर बंद हुआ। वहीं आज सुबह रुपयागिरावट के साथ ही 85.65 पर खुला, फिर नीचे गिरकर 85.73 पर आ गया, जो पिछले बंद से 23 पैसे कम है। शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 23 पैसे गिरकर 85.73 पर आ गया। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और रेसीप्रोकल टैरिफ को लेकर बढ़ती चिंताओं के कारण यह गिरावट आई। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की लगाये रेसीप्रोकल टैरिफ चिंताओं के कारण वित्त वर्ष 2025-26 के पहले कारोबारी सत्र में रुपये में गिरावट आई है। वहीं शुक्रवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 24 पैसे बढ़कर 85.50 पर बंद हुआ था। इंटरबैंक फॉरेन करेंसी एक्सचेंज मार्केट में रुपया डॉलर के मुकाबले 85.65 पर खुला, फिर नीचे गिरकर 85.73 पर आ गया। बुधवार नये वित्त वर्ष 2025-26 का पहला कारोबारी सत्र है रहा क्योंकि 1 अप्रैल को बैंकों के वार्षिक खाता बंद होने के कारण मंगलवार को करेंसी और बॉन्ड मार्केट बंद थे।

भारत का नक्सलियों पर शिकंजा कसने की रणनीति- मिट जाएगा नक्सलवाद का नामोनिशान?

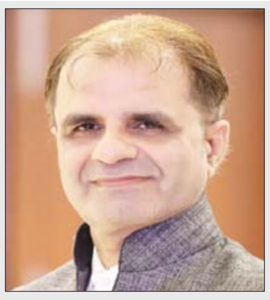

किशन सनमुखदास भावनानी

अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि टारगेट माओवाद 2026 -भारत में नक्सलवाद जीरो टॉलरेंस नीति अंतिम पड़ाव में- गृहमंत्री का दंतेवाड़ा दौरा 4-5 अप्रैल 2025 भारत का नक्सलियों पर शिकंजा कसने की रणनीति- मिट जाएगा नक्सलवाद का नामोनिशान ? भारत में जिलास्तरीय दबंगों, माफियाओं, सट्टा जुआ किंग्स पर भी रणनीतिक शिकंजा कसनें उच्चस्तरीय बैठकें समय की मांग।

वैश्विक स्तर पर पूरी दुनियाँ 24 फरवरी 2022 से रूस-यूक्रेन युद्ध व 7 अक्टूबर 2023 से इजराइल- हमास युद्ध में भयंकर नतीजे किसी न किसी रूप में भुगत रही है,व ईरान- इजरायल तनाव के चलते पश्चिम एशिया इस्लामिक देशों सहित पूरी दुनियाँ चिंताओं में फंसी नजर भी आ रही थी। अगर सभी अंतरराष्ट्रीय मंच मिलकर कोई रणनीतिक एक्शन लेते तो आज बात इतनी गंभीर नहीं होती। परंतु जैसे ही ट्रंप राष्ट्रपति चुने गए इजराइल-हमास का युद्ध विराम हुआ और अब रूस-यूक्रेन के 30 दिनों के युद्ध हुए राम की तैयारी चल रही है,यानें जो मन में ठान लिया जाए वह क्रियान्वयन होता है अभी जैसे हमारे गृहमंत्री ने 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद, माओवाद जीरो टॉलरेंस नीति का प्रण लिया है उस पर तेजी से काम शुरू है, इसी कड़ी में वे 4-5 अप्रैल 2025 को फिर दंतेवाड़ा समीक्षा करने जा रहे हैं। ठीक उसी तरह अनेक देशों में घरेलू आतंकवाद माओवाद नक्सलवाद लंबे समय से चल रहा है, परंतु मेरा मानना है कि किसी भी देश नें इस तरह के युद्ध आतंकवाद हिंसात्मक गतिविधियों को जीरो टॉलरेंस नहीं कर पाया है,जिसका सबसे अधिक दुष्परिणाम आम आदमियों नागरिकों को ही भुगतना पड़ रहा है,जो वैश्विक स्तरपर या अपने ही देश में राज्य स्तरपर पलायन करते हैं जिनका स्थाई समाधान ढूंढना आज समय की जरूरत है। आज हम इस विषय पर बात इसलिए कर रहे हैं क्योंकि दिनांक 4-5अप्रैल 2025 को इसी नक्सलवाद, माओवाद को टारगेट-2026 रणनीति जीरो टॉलरेंस की समीक्षा के तहत केंद्रीय गृहमंत्री केंद्र व राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी उप राष्ट्रीय सलाहकार केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के प्रमुखों सहित अनेको सुरक्षा विशेषज्ञों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। बता दें पिछले दिनों केंद्रीय गृहमंत्री द्वारा छत्तीसगढ़ रायपुर दौरे पर 2026 तक माओवादियों नक्सलवादियों को जीरो टॉलरेंस के लिए नीति की बात कही थी। मेरा मानना है कि नक्सलवाद माओवाद आतंकवाद को जीरो ट्रेवल्स करना है तो उनके साथ आत्मसमर्पण रणनीति पर जोर देना अधिक उचित होगा जो एक रणनीति के तहत शुरू भी है और अनेक आत्मसमर्पण हुए भी हैं, हिंसात्मक कार्रवाई से पुलिस व नक्सलवादियों में आपसी तनाव व दुश्मनी बढ़ रही है। बता दें मैं खुद नक्सल प्रभावित महाराष्ट्र के गोंदिया जिला क्षेत्र से हूं तो मैं देखता हूं कि गांव में गांववासियों व वहां की लोकल दुकानों को सब कुछ मालूम होते हुए भी चुप रहते हैं। दुश्मनी केवल पुलिस व नक्सलियों के बीच ही दिखती है कभी नक्सली मारे जाते हैं तो कभी पुलिस वाले शहीद होते हैं जो दशकोंसे चला आ रहा है। अब पैटर्न बदलकर आत्मसमर्पण का जोरदार अभियान चलाना भी शुरू है हालांकि यह अभियान अभी भी तेजी से चल रहा है व हाल ही में सैकड़ो नक्सलवादी आत्मसमर्पण भी किए हैं परंतु इसे अनेक रणनीतियां बनाकर अधिक तेजी से चलने की जरूरत है,चूँकि टारगेट माओवाद - 31 मार्च 2026 भारत में नक्सलवाद जीरो टॉलरेंस नीति शुरू है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, टारगेट माओवाद 2026-भारत में नक्सलवाद जीरो टॉलरेंस नीति अंतिम पड़ाव में-गृहमंत्री का दंतेवाड़ा दौरा 4-5 अप्रैल 2025, भारत का नक्सलियों परशिकंजा कसने की रणनीति- मिट जाएगा नक्सलवाद का नामोनिशान। मेरा मानना है कि अब जरूरतहै, भारत में जिला स्तरीय दबंग माफियाओं सट्टा जुआ किंग्स पर भी रणनीतिक शिकंजा कसने उच्च स्तरीय बैठके समय की मांग है।

साथियों बात अगर हम भारत में टारगेट माओवाद 2026 की करें तो,देश में नक्सली हिंसा को लेकर केंद्र सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है। सरकार का लक्ष्य देश को 31मार्च 2026 तक नक्सल मुक्त करने का है, इसे लेकर गृहमंत्री 4 और 5 अप्रैल को छत्तीसगढ़ का दौरा करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, 5 अप्रैल को गृहमंत्री छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में एडवांस पोस्ट पर जाकर नक्सलमुक्त अभियान को लेकर मुआयना करेंगे, इसी के बाद 5 अप्रैल को गृहमंत्री छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के पूर्ण खात्मे के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन की समीक्षा भी करेंगे। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री सहित नक्सलवाद प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्री, प्रभावित राज्यों के पुलिस के आला अधिकारी, अर्धसैनिक बलों और नक्सलवाद के खात्मे में लगे अधिकारियों के साथ गृहमंत्री बैठक करेंगे। बता दें, छतीसगढ़ के सुकमा में नक्सलियों के होने की सूचना पर 28 मार्च यानी शुक्रवार को डीआरजी और सीआरपीएफ की संयुक्त पुलिस पार्टी नक्सल विरोधी सर्च अभियान में रवाना हुए थे,अभियान के दौरान शनिवार की सुबह सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई,इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 16 नक्सलियों को ढेर किया है।सुकमा में नक्सलियों के खिलाफ चलाए गए अभियान को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट किया, उन्होंने कहा, नक्सलवाद पर एक और प्रहार ! हमारी सुरक्षा एजेंसियों ने सुकमा में एक ऑपरेशन में 16 नक्सलियों को मार गिराया है और भारी मात्रा में स्वचालित हथियार बरामद किए हैं उन्होंने आगे कहा, पीएम के नेतृत्व में हम 31 मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। साथ ही उन्होंने, हथियार रखने वालों से अपील करते हुए कहा कि हथियार और हिंसा बदलाव नहीं ला सकते हैं, सिर्फ शांति और विकास से ही बदलाव लाया जा सकता है। बता दें कि सरकार की रणनीति की वजह से वामपंथी उग्रवाद हिंसा 73 प्रतिशत घटे हैं। साल 2010 की तुलना में 2024 में नक्सली हिंसा में मरने वालों की संख्या में 86 प्रतिशत की कमी आई है। सरकार की ओर से कहा जा रहा है कि नक्सली अब अपनी आखिरी लड़ाई लड़ रहे हैं। साल 2024 में अब तक सशस्त्र वामपंथी उग्रवादियों के खात्मे में सेक्युरिटी फोर्स ने अभूतपूर्व भूमिका निभाई है। साल 2024 में अब तक 202 से अधिक वामपंथी उग्रवादियों को मार गिराया गया है, जबकि 723 से अधिक वामपंथी उग्रवादियों ने सरेंडर किया है और 812 से अधिक को अरेस्ट किया गया है।बयान में कहा गया है कि 2024 में वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों की संख्या में काफी कमी आई है। यह घटकर 38 रह गई है ।केंद्र सरकार ने प्रभावित राज्यों के सुदूर क्षेत्रों तक विकास योजनाओं को पहुंचाने के लिए मोबाइल कनेक्टिविटी और सड़क को बढ़ावा देने सहित कई कदम उठाए हैं। राज्य सरकार की ओर से कहा गया है कि पीएम के नेतृत्व और गृह मंत्री के मार्गदर्शन में वामपंथी हिंसा को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। 4 अक्टूबर 2024 को अबूझमाड़ के जंगलों में हुई मुठभेड़ में एक साथ 31नक्सली मारे गए थे, फिर 28 मार्च 2025 को 16 नक्सलवादी मार गिराए गए । छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े नक्सल ऑपरेशन के बाद सुरक्षा बलों के हौसले आसमान पर हैं।

साथियों बात अगर हम 4-5 अप्रैल 2025 को गृहमंत्री के छत्तीसगढ़ दंतेवाड़ा दौरे की करें तो, मीडिया से मिली जानकारी के मुताबिक वे 4 अप्रैल को दंतेवाड़ा जाएंगे। वे वहां बस्तर पंडुम के समापन कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। यह समारोह बस्तर की पारंपरिक संस्कृति और उत्सव का प्रतीक है। इनके दौरे को लेकर तैयारियां जोरों से चल रही है। वे नक्सलियों का एनकाउंटर करने वाले जवानों से भी मुलाकात कर सकते हैं।साथ ही वरिष्ठ पुलिसअधिकारियों की एक समीक्षा मीटिंग कर सकते है। चैत्र नवरात्र में मां दंतेश्वरी के दर्शन करने मंदिर भी जा सकते हैं।उनके सीजी दौरे की और अधिक जानकारी फाइनल शेड्यूल जारी होने के बाद ही यह क्लीयर हो सकेगी।इनके दौरे की तैयारियां दंतेवाड़ा के हाई स्कूल मैदान में चल रही हैं। लोगों के बैठने के लिए लगभग 132 फीट चौड़ा और 332 फीट लंबा विशाल डोम बनाया जा रहा है। वहीं, 72 फीट चौड़ा और करीब 40 फीट लंबा मंच भी तैयार हो रहा है। इसके अलावा 65300 के 2 और डोम बन रहे हैं, जिसमें स्टॉल लगाए जाएंगे। हाईस्कूल के आसापास सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। जवानों के साथ डॉग स्क्वायड की टीम लगातार सर्चिंग कर रही है।

संपादकीय

अनावश्यक विवाद

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ नेता भैया जी जोशी का औरंगजेब की कब्र से संबंधित बयान महत्तवपूर्ण है और इसके विशिष्ट मायने भी हैं। उन्होंने कहा है कि इस विषय को अनावश्यक रूप से उठाया गया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी विवाद को उठाने की जबरिया कोशिश को निरर्थक बताते हुए कहा है कि औरंगजेब की कब्र एक संरक्षित स्मारक है इसलिए इसे तोड़ने या हटाने का कोई अचित नहीं हैङ्क लेकिन औरंगजेब जैसे संप्रदायवादी कट्टर शासक का महिमामंडन सहन नहीं किया जाएगा। इससे पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत भी कह चुके हैं कि हर मस्जिद के नीचे मंदिर तलाशना उचित नहीं है। अगर संघ प्रमुख और संघ के वरिष्ठ नेता की ओर से इस तरह के बयान आते हैं तो वे अकारण नहीं है। संघ एक संजीदा, लक्ष्य बद्ध और दूरगामी संकल्पों वाला हिन्दू संगठन है जिसकी कार्यप्रणाली और वैचारिक अभिव्यक्ति में उच्छृंखलता, अभद्रता या मयार्दाविहीनता लक्षित नहीं होते। उसकी निष्ठा हिन्दुओं को विशेष लक्ष्य के प्रति सचेत बनाकर संगठनबद्ध करके भारतीय राष्ट्र के उस सांस्कृतिक ढांचे में डालना है जिसे वह राजनीतिक तौर पर भारतीय संस्कृति के नाम से अभिहित करता है। उसका एक बड़ा लक्ष्य भारतीय हिन्दुओं को क्षुद्र मतभेद भुलाकर विराट हिन्दू जाति के रूप में संगठित करना है जिससे उसे वांछित राजनीतिक शक्ति प्राप्त हो, लेकिन जब हिन्दुओं को संघ से इतर संगठन जिन्हें प्रायः संघ का अनुषांगिक संगठन कहा जाता है, अप्रत्याशित घटनाओं को अंजाम देते हैं, अनावश्यक विभाग खड़ा करते हैं। यानी नफरती बयान देते हैं तो ये तत्काल ही संघ की बदनामी का कारण बन जाते हैं और संघ की आलोचनाओं के घेरे में आ जाता है जिससे उसके भविष्यगामी उद्देश्य में बाधा पहुंचती है। इसलिए संघ चाहता है कि हिन्दू संगठन या हिन्दू समूह ऐसे विवादों को जन्म न दें जिससे सामाजिक या सांप्रदायिक वैमनस्य बढ़ता हो, कानूनी संकट खड़ा होता हो और इन्हें लेकर संघ या भाजपा को सफाई देनी पड़ती हो। संघ इसीलिए समय-समय पर फुटकर हिन्दू समूहों की आलोचना करता है। वैसे भी यह संघ की जिम्मेदारी बनती है कि वह इस तरह के समूहों को नियंत्रण में रखे और उन्हें कानून-व्यवस्था विरोधी तत्वों के रूप में उभरने न दे।

मणिकर्ण हादसा : दरकते पहाड़ बेमौत मरते लोग दोषी कौन?

नरेंद्र भारती

पल भर में ही लाशों के ढेर लग गए और जिन्दा मानव चिथड़ों में बदल गए शव क्षत विक्षत हो गए' चारों तरफ चीखो पुकार मच गई लोग एकदम दफन हो गए धार्मिक नगरी श्मशान बन गई' कैसी विडंबना है की नवरात्रि के पहले दिन धार्मिक मनीकरण में छः लोग काल के गाल में समा गए बंगलुरु से घूमने आये पर्यटकों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा की उनकी इतनी दर्दनाक मौत होगी ' फितरती व लालची मानव पहाड़ों का सीना छलनी कर रहा है और दरकते पहाड़ लोगों की जिंदगी लील रहे हैं पहाड़ों से छेड़छाड़ मत कीजिये अगर छेड़छाड़ बंद नहीं की तो प्रतिदिन हादसे होते रहेंगे ' चट्टाने काल बनकर बेकसूर लोगों को मौत के घाट उतार रही हैं' भरमौर से लेकर किन्नौर तक पहाड़ो से चट्टानें गिर रही हैं और लोग बेमौत मारे जा रहे हैं ' ताजा घटनाक्रम में कल रविवार को मनीकरण में पहाड़ी से अचानक विशालकाय पेड़ गिरने से छः लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और छः लोग घायल हो गए यह हादसा गुरुद्वारा साहिब के नजदीक हुआ इस पेड़ की चपेट में आने से बेमौत मारे गए मरने वालों में ज्यादातर पर्यटक थे कुछ स्थानिय लोग भी हैं यह पर्यटक बंगलुरु के रहने वाले थे इनमें तीन महिलाएं और तीन पुरुष हैं ' यह कोई पहला हादसा नहीं है इससे पहले काफी दर्दनाक हादसे हो चुके हैं लेकिन कोई सबक नहीं सीख रहा है अगर पिछले हादसों से सबक लिया होता तो आज यह हादसा नहीं होता और लोग असमय नहीं मारे जाते ' 2024 में चंडीगढ़ -मनाली हाईवे पर नौ मील के पास देर रात हादसा हो गया केलांग से शिमला जा रही सरकारी बस पर चट्टान गिरने से तीन सवारियां घायल हो गई थी बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था ' गनीमत रही की कोई बड़ा हादसा होने से टल गया था ' साल 2023 में भी एक कार पर बड़ी चट्टान गिरने से एक बच्चे की मौत हो गई थी ' किन्नौर में भी ऐसा ही हादसा हुआ था जहाँ दो लोग चट्टान के नीचे दब कर मारे गए थे ' हनोगी के पास भी एक कार पर विशालकाय पत्थर गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी 'भरमौर में भी ऐसा दर्दनाक हादसे में तीन लोग मारे गए थे ' यह हादसे रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं सरकार व प्रशासन को इन हादसों पर संज्ञान लेना चाहिए ताकि भविष्य में इन दर्दनाक हादसों पर रोक लग सके ' फोरलेन के लिए.सड़क को चौड़ा करने के लिए पहाड़ों को मशीनों से काटा जा रहा और पहाड़ से बड़े बड़े पत्थर गिर रहे हैं ' गत वर्ष बरसात में काफी लोग अपनी जान गंवा चुके हैं लेकिन यह कार्य नहीं रुक रहे हैं 'गत वर्ष 12 अगस्त 2017 की रात को कोटरोपी में प्रकृति ने अपना रौद्र रुप दिखाकर ऐसी खौफनाक तबाही मचाई थी की रौगटे खडे हो गए थे कोटरोपी में हुए इस हादसे ने पूरे हिमाचली समुदाय को झझकोर दिया था।पल भर में लाशों के ढेर लग गए लाशों का ढांपने के लिए कफन कम पड़ गए थे।मौत का यह मंजर सदियों तक याद रहेगा। 12 अगस्त 2017 काली रात को कोटरोपी में प्रकृति का कहर सैकडों अनमोल जिंदगियां लील गया था।पठानकोट - मंडी नेशनल हाईवे 154 के कोटरोपी में चलती बसों पर पहाड़ गिरने से 48 लोगों की दर्दनाक मौत से हर हिमाचली गमगीन था।12 अगस्त की काली रात को प्रकृति ने ऐसा कहर मचाया की पल भर में यात्रियों को मौत की नींद सुला दिया था।यात्रियों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि कोटरोपी में मौत उनका इंतजार कर रही है।पहाड़ गिरने से चंबा से मनाली तथा मनाली से कटडा. जा रही दो बसे दब गई थी। सैंकडों यात्री जमीदोज हो गए थे बसों में लाशे क्षत-विक्षत हो चुकी थी तथा टुकडों में तब्दील हो चुकी थी।चारों तरफ चीखो पुकार मची हुई थी लोग अपनों को बदहवाश होकर ढूढ रहे थे मगर उनके सगे-सम्बधी चिर निंद्रा में सो चुके थे।हर तरफ लाशें दफन हो चुकी थी। प्रकृति ने ऐसी तबाही मचाई थी कि जीते जागते इंसान चिथडों में बदल गए थे तबाही का ऐसा मंजर बहुत ही भयानक था जिसे लोग ताउम्र नहीं भूल सकते आखों के सामने देखते ही देखते लोग मौत के आगोश में समा गए थे बसें जमीदोज हो गई थी । 46 शव निकाले गए थे। पहाड़ के मलवे से लोगों के आशियाने धरसशाही हो गए थे गनीमत रही की किसी की जान नहीं गइ थी।अभागे यात्री अपने गतब्व पर पहुचने से पहले ही हादसे का शिकार हो गए थे।उनका सफर कोटरोपी में खत्म हो गया था। 12 अगस्त की काली रात प्रदेश वासियों को कभी नहीं भूलेगी।इस हादसे में कुल्लु की महिला ने अपने तीन बच्चे खो दिये थे वे अपने दादा के पास चंबा गए थे। ।इस विनाशकारी प्रकृति के कहर से जनमानस खौफजदा है। कही फिर से पहाड़ का मलवा न आ जाए लोग खौफ के साए में राते काट रहे हैं। इससे पहले हिमाचल में प्रकृति के कहर से हजारों लोग मारे जा चुके हैं।बरसात में देश में कई भीषण त्रासदियां हो चूकी है। कहीं मकानों के ढहने से बच्चे मारे गए तो कहीं सैंकडों पशुओं की दबकर मौत हो गई।दर्जनों लोग पानी में बह गए और करोडों की संपति तबाह हो गई। पहाड के मलवे की चपेट में आने से काफी जानमाल का नुक्सान हो रहा है।प्रकृति की इस विभिषिका में हजारों लोग अपंग हो गए है बच्चे अनाथ हो जाते है लाशे मलवे में दफन हो गई है। सरकार को चाहिए की प्रत्येक गांव से लेकर शहरो तक आपदा प्रबंधन कमेटियां गठित करनी चाहिए जिसमें डाक्टर नर्स व अन्य प्रशिक्षित स्टाफ रखना चाहिए ताकि व त्वरित कारवाई करके लोगों को मौत के मुंह से बचा सके ।अक्सर देखा गया है कि जब तक आपदा प्रबंधन की टीमें घटना स्थनों पर पहुचती है तब तक बची हुई सासें उखड़ जाती है लाशों के ढेर लग जाते है।अगर समय पर आपदा ग्रस्त लोगों को प्राथमिक सहायता मिल जाए तो हजारों जिदंगियां बचाई जा सकती हैं। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सरकार को कालेजों व स्कूलों में भी माकड्रिल जैसे आयोजन करने चाहिए ताकि अचानक होने वाली आपदाओं से अपना व अन्य का बचाव किया जा सके।स्कूलो व कालेजों मे चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना व स्काउट एंड गाइड के स्वंयसेवियों को आपदा से निपटने के लिए पारगंत किया जाए।अगर यही स्वयसेवी अपने घर व गांवों में लोगों को आपदा से बचने के तरीके बताए तो काफी हद तक नुक्सान को कम किया जा सकता है। सरकार को चाहिए कि आपदा से बचाव के लिए प्रत्येक विभाग के कर्मचारियों को पूर्वाभ्यास करवाया जाए ताकि समय पर काम आ सके।पुलिस व अग्शिमन के कर्मचारियों को भी समय = पर ऐसे आयोजन करते रहना चाहिए।अगर सभी लोग आपदा से बचाव के तरीके समझ जाएगें तो तबाही कम हो सकती है।प्रकृति के प्रकोप से बचना है तो हमें अपनी जीवन शैली बदलनी होगी,छेड़छाड़ बंद करनी होगी।अगर अब भी मानव ने प्रकृति पर अत्याचार बंद नहीं किया तो प्रकृति अपना बदला लेती रहेगी और मानव को सबक सीखाती रहेगी। बादल फटते रहेंगे, बाढ़े आती रहेगी वक़्त अभी संभलने का है 'चंडीगढ़ मनाली मार्ग पर पंडोह के पास बहुत ही खतरा बना रहता है की कब कहाँ से पत्थर मौत बनकर आ जाये इसकी कोई गारंटी नहीं होती प्रतिदिन हो रहे हादसों से लोग खौफ में हैं ' जुलाई में बरसात शुरू हो जाएगी फिर यह पत्थर गिरना शुरू हो जाते हैं और लोग बेमौत मारे जाते हैं ' पहाड़ों का काटना बंद कीजिये ' सरकार को चाहिए की खतरे वाले स्थानों पर आपदा सुरक्षा टीम तैनात करनी चाहिए और खतरे के समय लोगों को आगाह करती रहे ताकि ऐसे हादसों को रोका जा सके '।

चिंतन-मनन

श्रद्धा के मुताबिक पूजा

हरेक व्यक्ति में चाहे वह जैसा भी हो, एक विशेष प्रकार की श्रद्धा पाई जाती है। लेकिन उसके द्वारा अर्जित स्वभाव के अनुसार उनकी श्रद्धा उत्तम (सतोगुणी), राजस (रजोगुणी) अथवा तामसी कहलाती है। अपनी श्रद्धा के अनुसार ही वह कतिपय लोगों से संगति करता है। अब वास्तविक तथ्य तो यह है कि जैसा कि गीता के 15 वें अध्याय में कहा गया है कि प्रत्येक जीव परमेर का अंश है। अतएव वह मूलतः इन समस्त गुणों से परे होता है।

लेकिन जब वह भगवान के साथ अपने सम्बन्ध को भूल जाता है और बद्ध जीवन में भौतिक प्रकृति के संसर्ग में आता है तो वह विभिन्न प्रकार की प्रकृति के साथ संगति करके अपना स्थान बनाता है। इस प्रकार से प्राप्त कृत्रिम श्रद्धा तथा अस्तित्व मात्र भौतिक होते हैं। भले ही कोई किसी धारणा या देहात्मबोध द्वारा प्रेरित हो लेकिन मूलतः वह निगरुण या दिव्य होता है। अतएव भगवान के साथ अपना सम्बन्ध फिर से प्राप्त करने के लिए उसे भौतिक कल्मष से शुद्ध होना पड़ता है। यही एकमात्र मार्ग है, निर्भय होकर कृष्णभावनामृत में लौटने का।

श्रद्धा मूलतः सतोगुण से उत्पन्न होती है। मनुष्य की श्रद्धा किसी देवता, किसी कृत्रिम ईश्वर या मनोधर्म में हो सकती है लेकिन प्रबल श्रद्धा सात्त्विक कार्यो से उत्पन्न होती है। किंतु भौतिक बद्धजीवन में कोई भी कार्य शुद्ध नहीं होता। वे मिश्रित होते हैं। वे शुद्ध सात्त्विक नहीं होते। शुद्ध सत्त्व दिव्य होता है। इसमें रहकर मनुष्य भगवान के स्वभाव को समझ सकता है। जब तक श्रद्धा पूर्णतया सात्त्विक नहीं होती, वह प्रकृति के किसी भी गुण से दूषित हो सकती है। ये दूषित गुण हृदय तक फैल जाते हैं।

अतः किसी विशेष गुण के सम्पर्क में रहकर हृदय जिस स्थिति में होता है, उसी के अनुसार श्रद्धा होती है। यदि किसी का हृदय सतोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा भी सतोगुणी है। यदि हृदय रजोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा रजोगुणी और तमोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा तमोगुणी होती है। पूजा इसीके आधार पर होती है।

जलवायु बदलाव : खतरनाक होगी इसकी अनदेखी

गिरीश पांडे

हाल में नई दिल्ली में पर्यावरण पर राष्ट्रीय सम्मेलन 2025 का आयोजन किया गया। दो दिन के इस सम्मेलन का आयोजन राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने किया। गौरतलब है कि एनजीटी की स्थापना राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम, 2010 के तहत की गई है। यह विशेष न्यायिक निकाय है जिसका मुख्यालय दिल्ली में है। एनजीटी के अध्यक्ष सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश होते हैं। अन्य न्यायिक सदस्य उच्च न्यायालयों के सेवानिवृत्त न्यायाधीश होते हैं। एनजीटी का कार्य पर्यावरण से जुड़े विवादों को प्रभावी तरीके से शीघ्र निपटाना है। इसलिए इस सम्मेलन की महत्ता स्वयंसिद्ध है।

सम्मेलन में चार प्रमुख तकनीकी सत्र आयोजित किए गए जिनमें जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण नियंत्रण, जैव-विविधता संरक्षण तथा सतत विकास सहित पर्यावरण के समक्ष चुनौतियों के समाधान पर विचार-विमर्श किया गया। सम्मेलन में भावी पीढ़ियों को स्वाच्छ पर्यावरण उपलब्ध कराने का नैतिक दायित्व माना गया। चूंकि सभी के सामूहिक प्रयासों से ही पर्यावरण का संरक्षण-संवर्धन संभव है, इसलिए नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया गया। क्लाइमेट चेंज की भयावह समस्या किसी एक राष्ट्र तक सीमित नहीं है, इसलिए सम्मेलन में वैश्विक पर्यावरण की चुनौतियों से निपटने के लिए सीमा पार सहयोग और नवाचारी नीतियों की आवश्यकता को भी रेखांकित किया गया ताकि एक साथ पारिस्थितिक संसाधनों के संरक्षण और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाया जा सके।

जहां तक भारत का संबंध है तो केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अनुसार भारत कम कार्बन वाली प्रौद्योगिकी में नवाचार को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। मंत्रालय का मानना है कि विकासशील देशों के लिए त्वरित पर्यावरणीय आर्थिक विकास ही जलवायु परिवर्तन से ठोस बचाव है। भारत न केवल कार्बन फुटप्रिंट कम करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, बल्कि हरित ऊर्जा क्षेत्र के माध्यम से लाखों नौकरियों का सृजन भी कर रहा है। सम्मेलन को हम क्लाइमेट चेंज की समस्या से निपटने में सहयोग को बढ़ावा देने, जागरूकता लाने तथा पर्यावरण संरक्षण के सामूहिक मिशन को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम कह सकते हैं।

हम देख रहे हैं कि जैसे-जैसे वैश्विक तापमान बढ़ रहा है, वैसे-वैसे न केवल ग्लेशियर पिघल रहे हैं, बल्कि जंगल की आग भी बड़े पैमाने पर तबाही मचा रही है। ग्लेशियरों के पिघलने से न केवल पर्यावरण, बल्कि मानव जीवन और अर्थव्यवस्था पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। समुद्र स्तर में वृद्धि होने से तटीय क्षेत्रों और द्वीपीय देशों में बाढ़ का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए भारत में मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे तटीय शहरों को खतरा है। नदियों में पानी की मात्रा अचानक बढ़ने से बाढ़ और भूस्खलन का खतरा भी बढ़ जाता है। ग्लेशियरों से पिघल कर आने वाला पानी नदियों का मुख्य स्रेत होता है, खासकर गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु जैसी नदियों के लिए।

तीनों नदियां देश को 63 प्रतिशत के आसपास पानी देती हैं, जिसमें अकेले गंगा का हिस्सा लगभग 25 प्रतिशत है। इसलिए ग्लेशियर खत्म होने की स्थिति में इन नदियों में पानी की मात्रा घट जाएगी, जिससे भविष्य में भारत, पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश जैसे देशों में जल संकट गहरा सकता है। कई जीव-जंतु और पौधे ठंडी जलवायु में जीवित रहते हैं। ग्लेशियरों के पिघलने से उनका आवास नष्ट हो जाता है, जिससे कई प्रजातियों के विलुप्त होने का भी खतरा है। ध्रुवीय भालू, हिम तेंदुआ और अन्य आर्कटिक जीव इसके प्रमुख उदाहरण हैं।

नदियों में पानी की कमी होने से सिंचाई पर प्रभाव पड़ता है, जिससे खाद्य सुरक्षा प्रभावित होती है। क्लाइमेट चेंज की वजह से बर्फबारी में कमी आने से स्कीइंग और अन्य शीतकालीन खेलों का व्यवसाय प्रभावित होता है, और आजीविका पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। जंगल की आग की बढ़ती घटनाएं भी चिंतनीय हैं, जो शुष्क मौसम और बढ़ते तापमान के कारण जंगलों को आग का गोला बना रही हैं। दक्षिण कोरिया और कैलिफोर्निया में हाल की आग जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरों की गंभीर चेतावनी हैं।

जलवायु परिवर्तन के कारण लंबे समय तक सूखा, बढ़ते तापमान और बदले वष्रा पैटर्न जंगल की आग के लिए अनुकूल स्थितियां बना रहे हैं।

आज प्राइमरी स्तर से ही पर्यावरण शिक्षा देना जरूरी है। नीति बनाने में प्रशासन और वैज्ञानिकों के साथ ही स्थानीय लोगों की भागीदारी भी जरूरी है। पूरे हिमालयी क्षेत्र के पर्यावरण और पारिस्थितिकी का नये सिरे से गहराई से अध्ययन किया जाना जरूरी है। लेकिन महत्त्वपूर्ण जलवायु परिवर्तन के मूल कारण-ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन-को पहले नियंत्रित करना होगा। कुछ विश्व नेता अभी भी जलवायु परिर्तन की गंभीरता को नजरअंदाज कर रहे हैं। इस संकट के हल के प्रति पूरी तरह उदासीन दिखाई देते हैं। वे भूल जाते हैं कि क्लाइमेट चेंज की रफ्तार यदि ऐसी ही बनी रही तो मानव जीवन का अस्तित्व बचा नहीं रह सकेगा।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

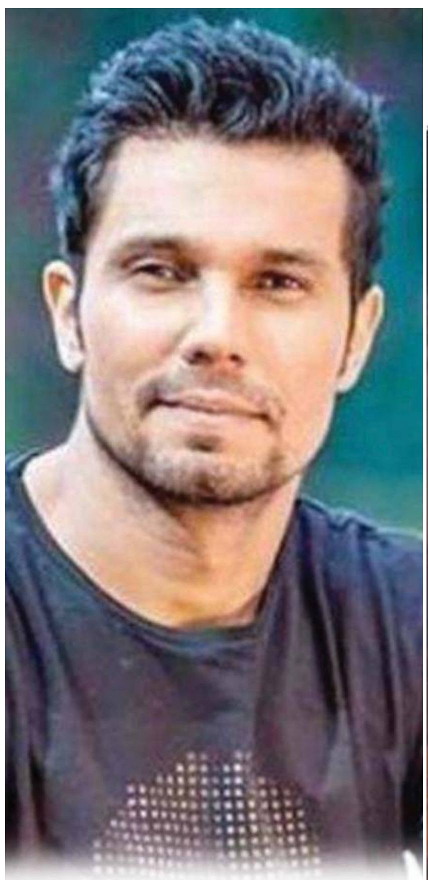

रणदीप हुड्डा ने की साउथ फिल्ममेकर्स की तारीफ

रणदीप हुड्डा जल्द ही फिल्म जाट में नजर आएंगे। इसी बीच उन्होंने बॉलीवुड इंडस्ट्री पर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने फिल्मों के रि-रिलीज होने पर कहा कि वे इसे भेड़चाल मानते हैं, क्योंकि अगर कोई एक चीज चल पड़ती है, तो सभी लोग वही करने लगते हैं।

रणदीप हुड्डा हाल ही में एक इवेंट में पहुंचे थे। इस दौरान उनसे पूछा गया कि रि-रिलीज फिल्में बॉक्स ऑफिस पर क्यों अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। इसके जवाब में उन्होंने कहा, मैं इसे भेड़ चाल मानता हूं। यह एक सोशल मीडिया ट्रेंड जैसा बन गया है। एक या दो फिल्में रि-रिलीज के बाद अच्छी चल गईं, इसका मतलब यह नहीं है कि सभी फिल्में अच्छी चलेंगी। अगर किसी एक जॉनर की फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया है, तो उसके बाद सभी उसी तरह की फिल्में बनाने लगते हैं, जैसे अब स्त्री के बाद सभी हॉरर कॉमेडी फिल्में बनाने लग रहे हैं। रणदीप हुड्डा ने कहा, एक एक्टर के तौर पर मुझे नहीं लगता कि यह मापदंड होना चाहिए। इंडस्ट्री कई कारणों से संकट का सामना कर रही है। अब ज्यादा फिल्में नहीं बन रही हैं, बल्कि उनका कार्यान्वयन हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा, अब एक्सपेरिमेंट ओटीटी पर ही संभव है। हालांकि, यहां भी लोग सब्सक्रिप्शन के पीछे भाग रहे हैं, फिर भी ओटीटी पर उम्मीद बनी हुई है।

साउथ फिल्ममेकर्स की तारीफ करते हुए रणदीप ने कहा कि उनकी फिल्मों में असली इंसानी भावनाओं पर ध्यान दिया जाता है, जिससे उनकी फिल्में ज्यादा जुड़ी हुई और सच्ची लगती हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, वे हमारी तरह ही फिल्में बना रहे हैं, बस किरदारों को ज्यादा सच्चे तरीके से दिखाते हैं। जैसे पुष्पा में छह पैक एब्स नहीं हैं, बल्कि उसके पास दाढ़ी है और कंधा भी थोड़ा टेढ़ा है। बता दें, रणदीप हुड्डा और सनी देओल की अपकमिंग फिल्म जाट में नजर आएंगे। यह फिल्म 10 अप्रैल को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। इस फिल्म में रणदीप विलेन का किरदार निभाएंगे।

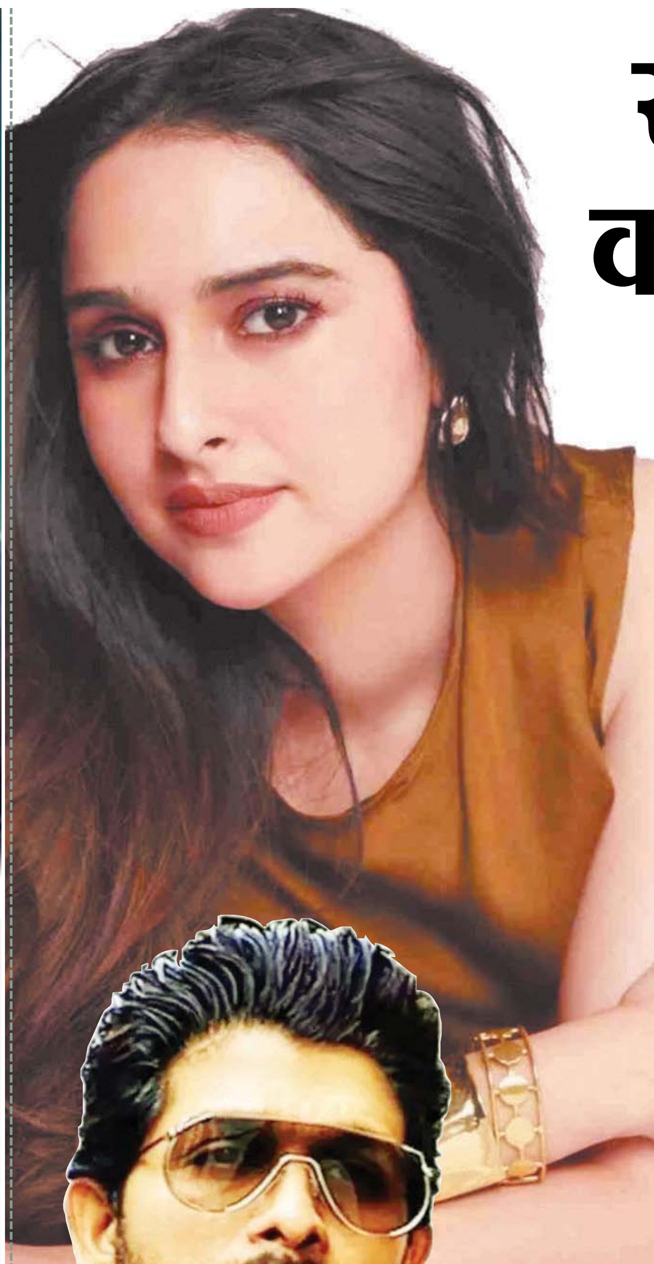

सादिया ने साझा की 'द डिप्लोमैट' से जुड़ी यादें

अभिनेता जॉन अब्राहम के अभिनय से सजी फिल्म 'द डिप्लोमैट' में सादिया खतीब भी नजर आईं। इस फिल्म की कहानी में जॉन ने राजनयिक जेपी सिंह का किरदार निभाया है। वहीं उस्मा नाम की महिला के किरदार में सादिया खतीब दिखीं। फिल्म में जेपी सिंह (जॉन अब्राहम) एक भारतीय महिला उस्मा (सादिया खतीब) को पाकिस्तान से बाहर निकालने और बचाने की कोशिश करता है, इसके लिए राजनायिक स्तर पर प्रयास करता है। हाल ही में सादिया ने इस फिल्म की शूटिंग से जुड़ी यादें साझा कीं। सादिया खतीब ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर कुछ वीडियो और तस्वीरें पोस्ट की हैं। एक वीडियो में वह जॉन अब्राहम और फिल्म 'द डिप्लोमैट' की टीम के साथ डांस कर रही हैं। 'तू मेरा हीरो' गाने पर सादिया, जॉन के साथ खूब एंज्वॉय कर रही हैं। यह गाना जॉन की ही एक पुरानी फिल्म 'देसी बॉयज' का है।

शारिब हाशमी संग गाना गाया

कुछ और वीडियो भी सादिया ने साझा किए हैं, जिसमें वह अभिनेता शारिब हाशमी के साथ हिंदी फिल्मों के पुराने गीतों को गुनगुना रही हैं। किसी-किसी वीडियो में दोनों एक्टर फनी डांस कर रहे हैं। शूटिंग के दौरान सादिया ने अपने को-एक्टर्स के साथ खूब मस्ती-मजाक किया है।

सादिया ने जॉन और शारिब के अलावा फिल्म 'द डिप्लोमैट' के क्रू के साथ भी कुछ मजेदार तस्वीरें साझा की हैं। साथ ही इन तस्वीरों के साथ एक कैप्शन भी लिखा है, 'यादों का पिटारा।' इसके अलावा फिल्म 'द डिप्लोमैट' का हैशटैग भी लिखा है।

ठीक-ठाक रहा फिल्म का कलेक्शन फिल्म 'द डिप्लोमैट' के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो यह फिल्म ठीक-ठाक बिजनेस ही कर सकी है। फिल्म ने अब तक कुल 31. 25 करोड़ रुपये की कमाई की है। जबकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में इस फिल्म का बजट 20 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।

'पुष्पा 2' की सफलता के बाद अपना नाम बदलेंगे अल्लू

तेलुगु सुपरस्टार अल्लू अर्जुन 'पुष्पा 2' की बड़ी सफलता के बाद अपनी सक्सेस का लुत्फ उठा रहे हैं. इस फिल्म ने साल 2024 की आखिरी महीने में रिलीज होकर कई बड़ी फिल्मों के रिकार्ड्स को चकनाचूर किया था. सुकुमार के डायरेक्शन और अल्लू अर्जुन की दमदार परफॉर्मेंस ने दर्शकों से खूब प्यार बटोरा था. अब भी फिल्म को उसके जबरदस्त डायलॉग, एक्शन सीक्वेंस, गाने के लिए याद किया जाता है. थिएटर्स के बाद फिल्म को डिजिटल डेब्यू पर भी बहुत सरहाया गया. इस बीच अब खबर आ रही है कि फिल्म की बाद पुष्पा भाउ यानी अल्लू अर्जुन अपना नाम बदलने की सोच रहे हैं. हालांकि, इसपर एक्टर की ओर से कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, अल्लू अर्जुन अंक ज्योतिषी की सिफारिश के आधार पर अपने नाम में जोड़ सकते हैं, जिससे उनके उनका करियर और भविष्य दोनों सफल और अच्छा रहे. रिपोर्ट्स में बताया गया है कि एक्टर अपने नाम में दो ' ' और दो 'ह' जोड़ने सकते हैं. हालांकि, इसपर अल्लू अर्जुन ने कोई पुष्टि नहीं की है. मालूम हो कि अल्लू अर्जुन से पहले भी कई एक्टर्स ने अपने नाम के अक्षर में बदलाव किया है.

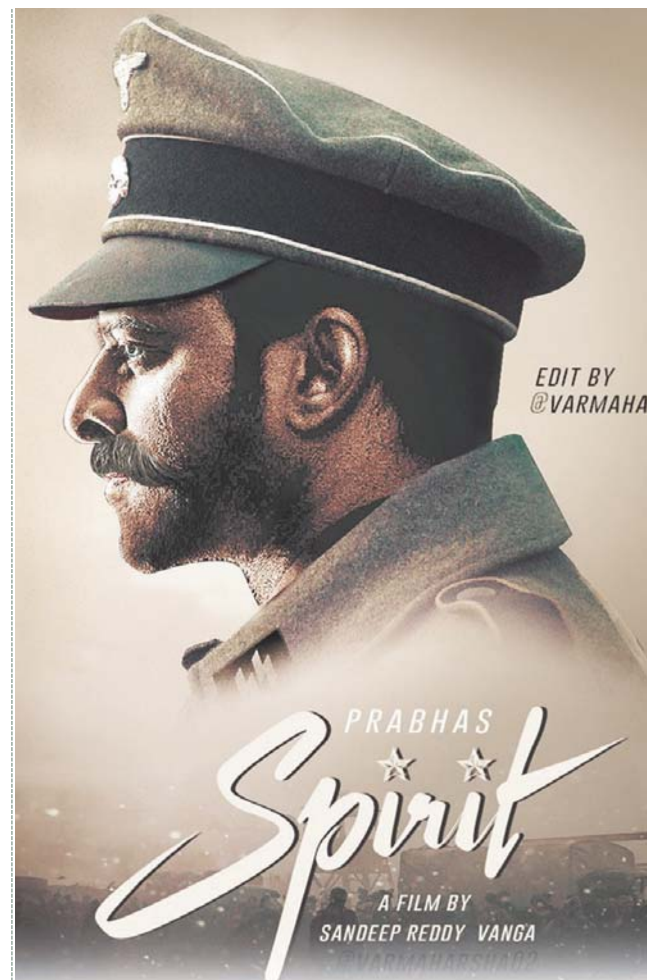

प्रभास की स्पिरिट को लेकर आया नया अपडेट, निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने दी जानकारी

पैन इंडिया स्टार प्रभास इन दिनों अपनी कई आगामी फिल्मों को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जिनमें से फिल्म स्पिरिट को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है, जिसे खुद फिल्म के निर्देशक ने शेयर किया है।

स्पिरिट की नई लोकेशन शूट मैक्सिको

उगादि पर्व के खास मौके पर, संदीप रेड्डी वांगा ने एक नया अपडेट दिया, जिससे प्रभास के प्रशंसक बेहद खुश हैं। संदीप ने बताया कि वह और उनकी टीम हाल ही में मैक्सिको गए थे, जहां उन्होंने फिल्म की शूटिंग को लेकर खास जगह देखी हैं। उन्होंने यह बताया कि फिल्म का एक बड़ा हिस्सा मैक्सिको में ही शूट किया जाएगा, जिससे फिल्म में अंतरराष्ट्रीय तड़का नजर आएगा। टीम जल्द ही मैक्सिको जाकर लोकेशन फाइनल कर लेगी, ताकि आगे की शूटिंग शुरू हो सके।

फिल्म स्पिरिट

संदीप रेड्डी वांगा, भूषण कुमार और प्रणय रेड्डी वांगा इस फिल्म मिलकर बना रहे हैं। इस एक्शन थ्रिलर फिल्म की शूटिंग की जानकारी से प्रभास के फैंस बेहद खुश हैं। प्रभास के प्रशंसकों को यह जानने की उत्सुकता है कि यह फिल्म कब रिलीज होगी। फिल्म को भद्रकाली पिक्चर्स और टी-सीरीज मिलकर बना रहे हैं। संगीत हर्षवर्धन रामेश्वर तैयार कर रहे हैं। यह फिल्म 2026 या उसके बाद कई भाषाओं में रिलीज की जाएगी।

प्रभास का वर्कफ्रंट

निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म स्पिरिट के अलावा साउथ अभिनेता प्रभास द राजा साब में नजर आएंगे। मारुति द्वारा लिखित और निर्देशित और पीपल मीडिया फैक्ट्री द्वारा निर्मित रोमांटिक कॉमेडी हॉरर फिल्म है द राजा साब। फिल्म में प्रभास के अलावा निधि अग्रवाल, मालविका मोहनन, ऋद्धि कुमार और संजय दत्त के महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म की आधिकारिक घोषणा जनवरी 2024 में की गई थी।

'फैमिली मैन 3' में हुई जयदीप अहलावत की एंट्री, मनोज बाजपेयी ने किया कनफर्म

द फैमली मैन के तीसरे सीजन का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। अब इस सीरीज में पाताल लोक फेम अभिनेता भी नजर आने वाले हैं, जिसकी पुष्टि की गई है। जानिए पूरी खबर।

मनोज वाजपेयी ने किया खुलासा

द फैमिली मैन सीरीज के मुख्य अभिनेता मनोज वाजपेयी ने ओटीटी प्ले से बातचीत करते हुए बताया कि पाताल लोक फेम अभिनेता जयदीप अहलावत द फैमिली मैन के आगामी सीजन में दिखने वाले हैं। अभिनेता ने कहा कि पाताल लोक 2 सीजन में अपनी शानदार भूमिका निभाने वाले जयदीप अहलावत हमारे साथ द फैमिली मैन 3 में दिखेंगे। अभिनेता मनोज ने बताया है कि यह सीजन बहुत बड़ा और रोमांचक होने वाला है।

कब रिलीज हो रही सीरीज?

पिछली जानकारी के अनुसार द फैमिली मैन के तीसरे सीजन को इसी साल रिलीज किया जाना है। मनोज वाजपेयी ने बताया कि इस सीरीज को इसी साल नवंबर में रिलीज किया जाएगा। इस जानकारी ने फैंस के बेसब्री को और बढ़ा दिया है। हालांकि, ऑफिशियल तारीख की अभी कोई घोषणा नहीं की गई है। वेब सीरीज द फैमिली मैन के तीसरे सीजन में प्रियामणि (सुचित्रा तिवारी), शारिब हाशमी (जेके तलपड़े), अश्लेषा ठाकुर (धृति) सहित कई कलाकार फिर से नजर आएंगे। इस सीरीज के पहले दो सीजन को दर्शकों का खूब प्यार मिला था।

भूतनी के अलावा इन हॉरर थ्रिलर फिल्मों में नजर आएंगे संजय दत्त

बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त एक्शन, रोमांस, थ्रिलर फिल्मों में फैंस का दिल जीत जीतने के बाद अब हॉरर फिल्म में नजर आने वाले हैं। वैसे संजय दो हॉरर फिल्मों में नजर आने वाले हैं, जिनमें से एक बॉलीवुड फिल्म द भूतनी है और दूसरी साउथ की एक आगामी फिल्म है, जिसमें प्रभास मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

द भूतनी

द भूतनी एक आगामी हॉरर बॉलीवुड ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन सिद्धांत सचदेव ने किया है। हाल ही में फिल्म से सभी स्टार्स का पहला लुक शेयर किया गया, जो फैंस को बेहद पसंद आया। खौस तौर पर संजय का यह अवतार उनके फैंस के लिए काफी पसंद किया जा रहा है। इस फिल्म के निर्माता दीपक मुकुट हैं। द भूतनी इसके नाम से ही जाहिर है कि यह एक हॉरर फिल्म है। इस फिल्म में संजय दत्त के अलावा सनी सिंह, मौनी रॉय और पलक तिवारी लीड रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म में संजय बाबा के किरदार में नजर आएंगे।

द राजा साब

द राजा साब मारुति द्वारा लिखित और निर्देशित फिल्म है। यह साउथ की एक रोमांटिक कॉमेडी हॉरर फिल्म है। इस फिल्म में प्रभास, निधि अग्रवाल, मालविका मोहनन, ऋद्धि कुमार और संजय दत्त महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म के कई पोस्टर पहले ही रिलीज किए जा चुके हैं, जिनमें अभी तक सिर्फ प्रभास का लुक ही सामने आया है, लेकिन संजय के फैंस को द राजा साब में उनके अवतार को देखने का बेसब्री से इंतजार है। यह फिल्म 10 अप्रैल 2025 को सिनामाघरों में रिलीज होगी।

रक्त

संजय दत्त की फिल्म रक्त एक हॉरर फिल्म तो नहीं थी, लेकिन यह एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर जरूर थी, जिसमें संजय दत्त का किरदार काफी पसंद किया गया था। फिल्म का निर्देशन महेश मांजरेकर ने किया है और इसमें संजय के अलावा बिपाशा बसु, डिनो मोरिया, और अमृता अरोड़ा जैसे कलाकारों ने मुख्य भूमिकाओं निभाई थी। रक्त की कहानी एक ऐसे शख्स के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी पत्नी की रहस्यमयी मौत के बाद मानसिक रूप से अस्थिर हो जाता है। फिलहाल, संजय दत्त अपनी आगामी फिल्म द भूतनी की रिलीज की तैयारी हैं, जो 18 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में आएगी।

कुणाल कामरा के समर्थन में आए विद्युत जामवाल

अभिनेता विद्युत जामवाल ने अपने हालिया सोशल मीडिया पोस्ट में कॉमेडियन कुणाल कामरा के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि अभिनेता कमाल आर खान के विवादित बयानों पर कभी सवाल क्यों नहीं उठाया जाता, जो अक्सर महिलाओं और भारत को निशाना बनाते हैं। विद्युत जामवाल ने अपने इंस्टाग्राम फीड पर खान के साथ-साथ कामरा का एक वीडियो साझा किया और हिंदू धर्मग्रंथ भगवद गीता का हवाला देते हुए लिखा, गीता अध्याय 2 श्लोक 31। अर्थ-क्षत्रिय, आपको डगमगाना नहीं चाहिए, क्योंकि एक योद्धा के लिए धर्मपूर्ण युद्ध से अधिक शुभ कुछ भी नहीं है। अभिनेता ने पूछा, यहां एक आदमी (केआरके) है, जो देश से बाहर शरण ले रहा है, देश और उससे भी बदतर, हमारी महिलाओं के खिलाफ जहर उगलकर ध्यान आकर्षित कर रहा है। कोई भी उसके इरादे पर सवाल उठाने या उसे नीचे लाने के लिए संगठित नहीं होता, लेकिन हम एक स्टैंड-अप कॉमेडियन को उसके काम की वजह से तीव्र भावनाएं भड़काने के लिए फटकार लगाएंगे। क्या हम अपने देश और हमारी महिलाओं पर राजनेताओं के अधिकारों का समर्थन करते हैं?

सनराइजर्स के खिलाफ मुकाबले में जीत की राह पर लौटने उतरेगी केकेआर

कोलकाता (एजेंसी)। आईपीएल में गुरुवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। केकेआर का लक्ष्य अपने घरेलू मैदान पर होने वाले इस मैच में जीत के साथ ही लय हासिल करना करेगा। इस सत्र में नये कप्तान अजिंक्य रहाणे के साथ उतरी केकेआर का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है और उसे तीन में से दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। रहाणे ने सत्र के पहले मैच में मिली हार के बाद कहा था कि अभी घबराने की कोई जरूरत नहीं है पर तीन मैचों में दो मैच हारने के बाद अब टीम दबाव में नजर आ रही है। इस मैच में माना जा रहा है कि स्पिनरों के अनुकूल पिच रहेगी जिसपर केकेआर के सुनील नरेन, मोईन अली और वरूण चक्रवर्ती प्रभावी हो सकते हैं। वरुण ने चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया था पर आईपीएल में अभी तक वह प्रभावित नहीं कर पाये हैं। ऐसे में उनका लक्ष्य इस मैच में बेहतर प्रदर्शन रहेगा। केकेआर के टीम संयोजन को लेकर भी काफी सवाल उठ रहे हैं। उनकी गेंदबाजी और बल्लेबाजी में समन्वय नहीं दिखता। अनुभवी बल्लेबाज रन बनाने में विफल रहे हैं।

टीम में शामिल नये गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन अब तक प्रभावित नहीं कर सके हैं जबकि एनरिच नॉर्किया चोट के कारण बाहर हैं। बड़ी कीमत परखरीदे गए वेंकटेश अय्यर भी दो मैचों में 9 रन ही बना सके हैं। रिटेन किये गए खिलाड़ियों में रिंकू सिंह, आंद्रे रसेल, सुनील नारायण, हर्षित राणा और रमनदीप सिंह फॉर्म में नहीं हैं। टीम को अगर इस मैच में जीत दर्ज करनी है तो इन सभी खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

वहीं दूसरी ओर सनराइजर्स की भी राह आसान नहीं है। पहले मैच में छह विकेट पर 286 रन बनाने वाली सनराइजर्स पिछले दो मैचों में बल्लेबाजों के असफल होने से 200 रन भी नहीं बना पाई है। बेहद आक्रामक बल्लेबाजी की

रणनीति नुकसान देह रही है। उसे पिछले दो मैचों में लखनऊ सुपर जाइंट्स और दिल्ली कैपिटल्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में इस मैच में जीत के लिए कप्तान पैट कमिंस कोई कमी नहीं रखना चाहेंगे। टीम को हालांकि जीत के लिए पूरी ताकत लगानी होगी। चुकता करने के लिए अपने प्रदर्शन में काफी सुधार करना होगा। उसके पास अनुभवी गेंदबाज मोहम्मद शमी हैं जो मुकाबले में अंतर पैदा कर सकते हैं। इसके अलावा बल्लेबाज अनिकेत वर्मा भी इस मैच में अच्छा प्रदर्शन करने उतरेंगे। पिछले मैच में अनिकेत ने आक्रामक बल्लेबाजी कर सभी को प्रभावित किया था।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

सनराइजर्स हैदराबाद-पैट कमिंस (कप्तान), ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, नितीश कुमार रेड्डी, हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), अनिकेत वर्मा, अभिनव मनोहर, जीशान अंसारी, हर्षल पटेल, मोहम्मद शमी, वियान मुल्डर।

कोलकाता नाइट राइडर्स - अजिंक्य रहाणे (कप्तान), सुनील नरेन, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), वेंकटेश अय्यर, अंगकृष रघुवंशी, रिंकू सिंह, आंद्रे रसेल, रमनदीप सिंह, स्पेंसर जॉनसन, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, मनीष पांडे।

लखनऊ सुपरजायंट्स के आक्रामक रुख को लेकर गावस्कर ने कही ये बात

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम का आईपीएल के 18 वें सत्र में अब तक का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और उसे तीन में से दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में एक बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में लखनऊ सुपरजायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत 2 रन बनाकर ही आउट हो गये। इस दौर जब गावस्कर से कमेंट्री के दौरान पूछा गया कि अच्छे गेंदबाज नहीं होने के कारण ही टीम इतनी तेजी से खेल रही है। तो गावस्कर ने कहा, ++ आपने मुझसे यह सवाल कुछ समय पहले पूछा होता तो अच्छा होता मैंने ऋषभ के साथ काफी समय बिताया है और मैं निश्चित रूप से उनसे पूछता कि क्या यही कारण है कि आप लोग इस तरह से खेल रहे हैं तो शायद वह इसे बेकार सा सवाल मानते।

इस पूर्व कप्तान ने कहा, जब आप सुपरजायंट्स के निकोलस पूरन और मिचेल मार्श जैसे खिलाड़ियों की बात करते हैं तो वे पहले से ही आक्रामक खिलाड़ी हैं। मुझे लगता है कि वे इसी तरह से खेलते हैं और यह देखना बहुत रोमांचक है। वहीं ऋषभ निचले क्रम में आते हैं, इसलिए उनके पास अच्छी बल्लेबाजी है। साथ ही कहा कि अगर उनके पास पर्याप्त तेज गेंदबाज नहीं हैं, तो आपको तय है कि अधिक रन बनाने होंगे जिससे आपके गेंदबाजों को सहारा मिल सके। टीम के लिए अब तक यह आईपीएल अधिक अच्छा नहीं रहा है। उसे अब तक 3 मैच में से केवल एक में ही जीत मिली है। वहीं दो मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा है।

अब चेन्नई में होने वाले छह मैचों में ही नजर आयेंगे धोनी : फ्लेमिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस बार चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और उसे एक ही मैच में जीत मिली है। टीम के मुख्य बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी भी लय में नहीं दिखते और निचले क्रम पर बल्लेबाजी के लिए उतरते हैं। इसी को लेकर अब टीम के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने अहम खुलासा किया है। फ्लेमिंग ने कहा है कि फ्लेमिंग की फिटनेस अब पहले की तरह नहीं है और उनपर अधिक बोझ नहीं डाला जा सकता। इसलिए वह सत्र में केवल 6 मैच ही खेल सकेंगे। ये मैच चेन्नई में ही खेले जाएंगे। वहीं अन्य स्थानों पर होने वाले मैचों के लिए उन्हें शामिल नहीं किया जाएगा।

फ्लेमिंग ने यह भी कहा कि धोनी के घुटने में समस्या है, जिससे वह पूरे 10 ओवर तक बल्लेबाजी नहीं कर सकते। इसलिए उन्हें दूसरे बल्लेबाजों का सहयोग करने के लिए भेजा जाएगा। ऐसे में उन्हें 9वें या 10वें ओवर में बल्लेबाजी के लिए नहीं भेजा जा सकता। फ्लेमिंग ने हालांकि धोनी की नेतृत्व क्षमता और विकेटकीपिंग की जमकर प्रशंसा की है। कोच के इस बयान से साफ है कि धोनी की भूमिका अब सीमिल हो गयी है। धोनी इस सत्र में चेन्नई में होने वाले 6 मैचों में ही खेल पाएंगे, क्योंकि बचे हुए मैच दूसरी जगहों पर खेले जाएंगे। इससे साफ है कि धोनी अब बड़ी भूमिका में नहीं दिखेंगे।

यशस्वी जायसवाल का चौंकाने वाला फैसला, मुंबई क्रिकेट का साथ छोड़ा, अब इस टीम के लिए खेलेंगे

मुम्बई (एजेंसी)। भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने निजी कारणों का हवाला देते हुए अपनी घरेलू टीम मुंबई को छोड़ने का फैसला किया है जिसने उन्हें क्रिकेटर बनाया है। जायसवाल ने मंगलवार को मुंबई क्रिकेट संघ को पत्र लिखकर मुंबई छोड़कर गोवा में जाने की इच्छा जताई और संचालन संस्था ने उनके अनुरोध को स्वीकार कर लिया है।

जायसवाल के इस चौंकाने वाले कदम से 23 वर्षीय बाएं हाथ के खिलाड़ी 2025-26 सीजन से गोवा के लिए खेलेंगे। एमसीए के एक अधिकारी ने बताया, 'हां, यह आश्चर्यजनक है। उन्होंने ऐसा कदम उठाने के लिए कुछ सोचा होगा। उन्होंने हमसे खुद को मुक्त करने का अनुरोध किया है और हमने उनका अनुरोध स्वीकार कर लिया है।'

जायसवाल ने आखिरी बार मुंबई के लिए 23-25 जनवरी तक जम्मू और कश्मीर के खिलाफ रणजी ट्रॉफी ग्रुप ए लीग राउंड मैच में खेला था। जायसवाल ने रणजी ट्रॉफी 2024-25 सीजन में अपनी एकमात्र उपस्थिति दर्ज की थी, जिसमें उन्होंने 4 और 26 रन बनाए थे और मुंबई टूर्नामेंट के इतिहास में दूसरी बार जम्मू और कश्मीर से 5 विकेट से हार गई थी।

जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से जायसवाल भारत के पहले पसंद के सलामी बल्लेबाज रहे हैं और तब से उन्होंने 19 मैच खेले हैं जिसमें सबसे बड़े मंच पर शानदार प्रदर्शन करके खुद को मजबूत किया है। टेस्ट में उनका औसत 52 से अधिक है जिसमें चार शतक और 10 अर्द्धशतक शामिल हैं।

चक्रवर्ती टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में तीसरे स्थान पर खिसके, पांड्या ऑलराउंडरों में शीर्ष पर

दुबई । भारत के रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की पुरुष टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में एक स्थान गिरकर तीसरे स्थान पर खिसक गए जबकि हार्दिक पांड्या बुधवार को जारी ऑलराउंडर रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। चक्रवर्ती 706 रेटिंग अंक के साथ न्यूजीलैंड के जेकब डफी (723) और वेस्टइंडीज के अकील हुसैन (707) से पीछे हैं। लेग स्पिनर रवि बिश्नोई (674) और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह (653) क्रमश: सातवें और 10वें स्थान के साथ शीर्ष 10 में शामिल अन्य दो भारतीय गेंदबाज हैं। अक्षर पटेल 13वें स्थान पर हैं। भारत के बाएं हाथ के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड शीर्ष पर हैं जबकि इंग्लैंड के फिल सॉल्ट तीसरे स्थान पर हैं। दो अन्य भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव क्रमश- चौथे और पांचवें स्थान पर हैं। पांड्या 252 रेटिंग अंक के साथ ऑलराउंडर की सूची में शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। उनके बाद नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी और ऑस्ट्रेलिया के मार्कस स्टोइनिस का नंबर आता है।

बीसीसीआई ने सुपर जायंट्स के गेंदबाज राठी पर लगाया जर्माना

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18 वें सत्र में आक्रामक अंदाज दिखाने वाले लखनऊ सुपर जायंट्स के गेंदबाज दिग्वेश सिंह राठी पर भारी जुर्माना लगाया है। राठी ने लखनऊ के एकाना स्टेडियम में पंजाब किंग्स के बल्लेबाज प्रियांश आर्य को आउट करने के बाद एनिमेटेड नोटबुक अंदाज में जश्न मनाया था। इसके लिए राठी पर मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। इसके साथ ही एक नकारात्क अंक भी जोड़ा है। ये पूरा मामला पंजाब किंग्स की बल्लेबाजी के दौरान तीसरे ओवर का है। तब अंतिम गेंद पर राठी ने प्रियांश को गेंदबाजी की थी। जिसपर इस बल्लेबाज ने बड़ा शॉट खेलने का प्रयास किया पर गेंद हवा में उछल गयी और वह शार्दुल के हाथों कैच हो गये। प्रियांश जब पवेलियन लौट रहे थे तो राठी उनके पासा आये और कंधा टकराते हुए हवा में ऐसे हाथ हिलाने लगे जैसे किसी काल्पनिक नोटबुक में कुछ लिख रहे हों। अंपायरों ने इसको लेकर राठी से नाराजगी जतायी। ग्नेश से बातचीत भी की थी। राठी ने अनुच्छेद 2.5 के तहत लेवल 1 के अपराध को मानते हुए मैच रेफरी की बात को माना लिया। इस प्रकार उनपर लेवल 1 के उल्लंघन का मामला बना और आगे की सुनवाई की जरुरत नहीं ही। इस मैच में सुपर जायंट्स को पंजाब किंग्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा है।

हार से निराश ऋषभ बोले, हमने 20 से 25 रन कम बनाये

लखनऊ । आईपीएल में बुधवार को पंजाब किंग्स से मिली हार के बाद लखनऊ सुपरजायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत निराश नजर आये। ऋषभ की कप्तानी में टीम को इस सत्र में अब तक तीन में से दो मैचों में हार मिली है। हार को लेकर ऋषभ ने कहा कि उनकी टीम की बल्लेबाजी अच्छी नहीं रही। साथ ही कहा कि 20 से 25 रन और बनाये होते तो हालात अलग रहते। कप्तान ने हालांकि कहा कि यह खेल में ये होता रहता है। हम घरेलू मैदान का सही लाभ नहीं उठा पाये जिससे ये मैच हमारे हाथ से निकल गया। ऋषभ ने कहा, 'जब आप शुरुआती विकेट गंवा देते हैं तो हालात हमेशा ही कठिन होते हैं। आप हर चीज पर नियंत्रण नहीं कर सकते पर हर खिलाड़ी इस मैच को आगे ले जाने के प्रयास कर रहा था।' उन्होंने कहा, 'हमारा मानना था कि विकेट धीमा है और गेंद थोड़ा रुककर आएगी। हमने उम्मीद के अनुसार अच्छा प्रदर्शन नहीं किय। हम इससे सीखेंगे और आगे बढ़ेंगे। कई बाते सकारात्मक भी रही हैं। यह टूर्नामेंट की शुरुआत है अब भी टीम को बहुत सी चीजों का पता लगाना है और उम्मीद है कि आगे का सफर हमारे लिए अच्छा होगा।' वहीं इस मैच की बात करें तो पंजाब किंग्स ने टॉस जीतकर सुपरजायंट्स को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। इस दौरान निकोलस पूरन के 44 और आयुष बडोनी के 41 रन की सहायता से मेजबान टीम ने सात विकेट पर 171 रन बनाये। इसके बाद 172 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब किंग्स की टीम ने प्रभसिमरन सिंह की 34 गेंद में तीन छक्के और नौ चौके की सहायता से 69 रन बनाये। वहीं कप्तान श्रेयस अय्यर ने 52 रन बनाये।

'मैं कप्तान था, अब नहीं हूं, लेकिन..., मुंबई इंडियंस में अपनी भूमिका पर बोले रोहित शर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल इतिहास में सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक रोहित शर्मा ने बताया कि मुंबई इंडियंस के सेटअप में पिछले कुछ सालों में उनकी भूमिका कैसे विकसित हुई है। उन्होंने कहा कि जब से उन्होंने शुरुआत की है, तब से बहुत कुछ बदल गया है, लेकिन फ्रैंचाइजी के लिए मैच और ट्रॉफी जीतने का उनका जुनून और इच्छा कभी नहीं बदली है।

रोहित 2020 के बाद से आईपीएल में अपनी सबसे खराब शुरुआत कर रहे हैं। वह मौजूदा आईपीएल 2025 के पहले दो तीन मैचों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में विफल रहे हैं, चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अभियान के पहले मैच में शून्य पर आउट हो गए। वह गुजरात टाइटन्स के खिलाफ खेल में फिर से विफल रहे और केवल 8 रन बनाए, जिसे एमआई ने शनिवार को 36 रनों से गंवा दिया। इसके बाद कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच में 13 रन बनाए, जहां वह इम्पैक्ट सब के रूप में आए थे।

रोहित ने कहा, 'जब से मैंने शुरुआत की है, चीजें स्पष्ट रूप से बदल गई हैं। मैं मध्य क्रम में बल्लेबाजी करता था; अब मैं पारी की शुरुआत करता हूं। मैं कप्तान था; अब नहीं हूं। हमारे चैंपियनशिप जीतने वाले सीजन के मेरे कुछ साथी अब कोचिंग की भूमिका में हैं। इसलिए भूमिकाएँ बदल गई हैं, बहुत कुछ बदल गया है, लेकिन मानसिकता वही है। मैं इस टीम के लिए जो करना चाहता हूं, वह नहीं बदला है, और वह है वहां जाकर खेल और ट्रॉफी जीतना। मुंबई इंडियंस इसी के लिए जानी जाती है। पिछले कुछ वर्षों में, हमने ट्रॉफी जीती हैं और उन परिस्थितियों से खेल को बदला है, जिन पर किसी को विश्वास नहीं था। यही रूह्र और मुंबई की खासियत है।'

रोहित अपने नाम पांच खिताब के साथ अब तक के सबसे सफल IPL कप्तान हैं। उन्होंने आगे इस सीजन में मुंबई इंडियंस में शामिल हुए नए खिलाड़ियों के बारे में बात की और कहा, 'ट्रेंट बोल्ट जैसे लोग, जो पहले भी यहां आ चुके हैं, बहुत अनुभव लेकर आए हैं और रूह्र की संस्कृति को समझते हैं। फिर हमारे पास न्यूजीलैंड के कप्तान मिशेल सेंटनर हैं, जो अनुभव और क्लास दोनों ही लाते हैं। विल जैक्स और रीस टॉपली जैसे खिलाड़ी विविधता लाते हैं, जबकि रयान रिकेल्टन एक रोमांचक युवा खिलाड़ी हैं।' उन्होंने कहा, 'इनमें से प्रत्येक खिलाड़ी टीम में कुछ अलग जोड़ता है, और जब आप उन्हें एक सामूहिक इकाई के रूप में साथ लाते हैं, तो इसका बड़ा प्रभाव पड़ता है। हमारे पास कई युवा भारतीय खिलाड़ी भी हैं जिनमें बहुत संभावनाएं हैं और मैं उनके साथ खेलने के लिए उत्सुक हूं। मेरा तत्काल लक्ष्य आईपीएल ट्रॉफी जीतना और मुंबई इंडियंस को गौरव वापस दिलाना है।'

श्रेयर सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले कप्तानों की सूची में सातवें नंबर पर पहुंचे

मुम्बई । बल्लेबाज श्रेयस अय्यर आजकल अच्छे दौर से गुजर रहे हैं। एक और जहां उनका बल्ला जमकर चल रहा है। वहीं उनकी कप्तानी में पंजाब किंग्स टीम लगातार जीत दर्ज करती जा रही है। इस सत्र के लिए उन्हें मेगा नीलामी में पंजाब ने आईपीएल इतिहास की दूसरी सबसे मोटी बोली लगाकर खरीदा था जिससे उन्होंने सही साबित किया है। सत्र के आगे बढ़ने के साथ ही उनके नाम कई रिकॉर्ड बनते जा रहे हैं। वह इस बार लंबे छक्के लगाकर भी सबकी नजरों में आये हैं। आईपीएल इतिहास में कई कप्तान ऐसे हुए है जो लंबे छक्के लगाते हैं। इन्हीं में अब श्रेयस अय्यर का नाम भी जुड़ गया है। पहले दो मैचों में 2 अर्धशतकीय पारी खेलने वाले अय्यर ने अब तक 13 छक्के लगाये हैं। इस प्रकार कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा छक्के लगाने की सूची में श्रेयस अब 83 छक्कों के सात सातवें नंबर पर आ गये हैं। अय्यर ने आईपीएल में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में भी एडम गिलक्रिस्ट को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने अपने तीसरे मैच में 4 छक्के लगाकर अपने कुल आईपीएल छक्कों की संख्या 83 तक पहुंचा दी, जबकि गिलक्रिस्ट के नाम 79 छक्के दर्ज थे। आईपीएल में सबसे ज्यादा 218 छक्के कप्तान के तौर पर महेन्द्र सिंह धोनी के नाम हैं।

कपिल सहित ये क्रिकेटर कभी भी टेस्ट करियर में रन आउट नहीं हुए

मुम्बई । क्रिकेट जगत में अब तक 5 खिलाड़ी ऐसे हैं जो कभी रन आउट नहीं हुए। इस सूची में भारतीय टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव से लेकर पांच खिलाड़ी शामिल हैं। इस सूची में पाकिस्तान के मुदस्सर नजर, इंग्लैंड के पूर्व कप्तान पॉल कॉलिंगवुड, ग्रीम हिक और पीटर बार्कर जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। कपिल देव - भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल अपने टेस्ट करियर में कभी रन आउट नहीं हुए। कपिल ने साल 1978 में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया और 1994 में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना आखिरी मैच खेला। साल 1978 से 1994 तक कपिल ने 131 टेस्ट मैच में 8 शतक और 27 अर्धशतक से 5,248 रन बनाए। इसके अलावा उन्होंने 434 विकेट भी टेस्ट मैचों में लिए। कपिल ने 225 एकदिवसीय मैच खेले जिसमें उन्होंने 3,783 रन बनाए। इसमें एक शतक और 14 अर्धशतक शामिल हैं। इस प्रारुप में उन्होंने 253 विकेट भी लिए। पॉल कॉलिंवगुड - इंग्लैंड के कप्तान पॉल कॉलिंवगुड ने इंग्लैंड की ओर से 68 टेस्ट मैचों में 4,259 रन बनाए है। वह अपने पूरे टेस्ट करियर में कभी भी रन आउट नहीं हुए। कॉलिंगवुड ने 197 एकदिवसीय मैचों में 5,092 रन बनाए। जिसमें 5 शतक और 26 अर्धशतक शामिल हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने 36 टी20 मैच भी खेले जिसमें उन्होंने कुल 538 रन बनाए। टी20 में कॉलिंगवुड ने 3 अर्धशतक लगाये। मुदस्सर नजर - पाकिस्तान के मुदस्सर नजर भी कभी रन आउट नहीं हुए। मुदस्सर नजर ने 76 टेस्ट मैचों में 4114 रन बनाए, जिसमें 10 शतक शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने 122 एकदिवसीय मैचों में 2653 रन बनाए। वह पाक क्रिकेट टीम के कोच भी रहे। पीटर बार्कर - इंग्लैंड के पीटर बार्कर एक बेहतरीन बल्लेबाज रहे हैं। वह अपने पूरे टेस्ट करियर में कभी रन आउट नहीं हुए। पीटर ने 1951 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया और इंग्लैंड के लिए कुल 66 टेस्ट मैचों में 4537 रन बनाए। उन्होंने 13 शतक और 22 अर्धशतक लगाये। ग्रीम हिक - जिम्बाब्वे में जन्मे ग्रीम हिक ग्रीम ने 1991 से 2001 के बीच इंग्लैंड के लिए 65 टेस्ट और 120 एकदिवसीय खेले लेकिन कभी रन आउट नहीं हुए। टेस्ट में उन्होंने 3,383 रन बनाए जिसमें 6 शतक और 18 अर्धशतक शामिल हैं। इस दौरान वह कभी रन आउट नहीं हुए। हिक ने इंग्लैंड के लिए 120 एकदिवसीय भी खेले जिसमें उन्होंने कुल 3,846 रन बनाए।

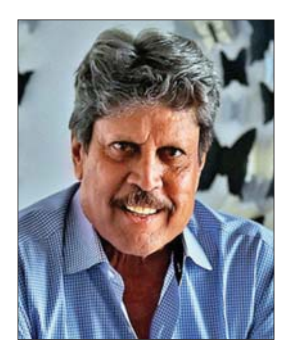

रोल्स रॉयस अभी भी तीसरे गियर में है : कप्तान अय्यर की शानदार पारी के बाद बोले पोंटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ -पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कप्तान श्रेयस अय्यर की तुलना 'तीसरे गियर में रोल्स रॉयस' से की। उनकी यह प्रतिक्रिया अय्यर के लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अपनी टीम की बड़ी जीत के लिए शानदार अर्धशतक बनाने के बाद आई। पोंटिंग ने अपनी टीम के साथ बातचीत में खिलाड़ियों को याद दिलाया कि आईपीएल 2025 अभियान के दौरान किसी भी चीज को हल्के में न लें।

अय्यर ने नाबाद 52 रन बनाए जो उनका दूसरा नाबाद अर्धशतक है जिससे पंजाब ने 172 रन के लक्ष्य को 16.2 ओवर में दो विकेट खोकर हासिल कर लिया। सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने 34 गेंदों में 69 रनों की धमाकेदार पारी खेलकर पंजाब को शानदार शुरुआत दिलाई जबकि नेहल वढेरा (25 गेंदों में नाबाद 43) ने भी आत्मविश्वास हासिल किया और अंत में आसान रन बनाए।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा, 'कप्तान (अय्यर) ने फिर से आसानी से जीत दर्ज की। रोल्स-रॉयस दिन के अधिकांश समय तीसरे गियर में ही रहा। इससे ज़्यादा कुछ करने की जरूरत नहीं थी। बस जहाज को घर की ओर ले गया। आपको अभी तक औसत नहीं मिला है।' अय्यर को आईपीएल 2025 में अभी तक आउट नहीं किया गया है, उन्होंने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ पहले मैच में नाबाद 97 रन बनाए थे। वह वर्तमान में 149 रन के साथ सीजन में दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

ऑस्ट्रेलियाई महान खिलाड़ी ने अपने खिलाड़ियों से अपने काम के प्रति दृढ़ता से प्रतिबद्ध रहने को कहा क्योंकि यह एक लंबा और थकाऊ टूर्नामेंट है। उन्होंने कहा, 'हम जो कुछ भी कर रहे हैं, उसे हल्के में न लें। हमारा रवैया बिल्कुल सही रहा है। हम अभी शुरुआत कर रहे हैं। इसलिए आइए एक परिवार के रूप में एक साथ कड़ी मेहनत करते रहें। और हम हर दिन बेहतर होते जाएंगे।'

पंजाब के घरेलू टीम के बल्लेबाजों को बांधे रखने में सफल होने का एक कारण गेंदबाजों द्वारा पहली गेंद से ही बनाए रखी गई मजबूत पकड़ थी और पोंटिंग ने कहा कि इससे बहुत बड़ा अंतर पैदा हुआ। उन्होंने कहा, 'आज पहले गेंदबाजी करते हुए अर्शदीप (सिंह) का पहला ओवर तीन रन के लिए गया, लॉकी (फर्ग्यूसन) ने एक ओवर में चार (रन) दिए। पावर प्ले में दो ओवर में 7 रन पर 1 विकेट। हम पावर प्ले में 35 रन पर 3 विकेट लेते हैं। पावर प्ले में चार ओवर में केवल 13 रन दिए गए। इसलिए पांचवें ओवर में मैक्सी (ग्लेन मैक्सवेल) आए और उसके बाद मार्को (जेनसन)। इसलिए मार्को ने छठा ओवर फेंका। उन्होंने वाकई कमाल दिखाया। उन्होंने डेविड मिलर का बड़ा विकेट लिया।'

पोंटिंग ने कहा, 'ग्रुप के इर्द-गिर्द जो कुछ भी हो रहा है, उसमें मेरे लिए सबसे अच्छी बात यह है कि जब खिलाड़ी आते हैं और अपना पहला मैच खेलते हैं या उन्हें पहला मौका मिलता है, तो लॉकी आज भी वैसा ही था।' मंगलवार को PBKS ने एक बदलाव किया और लॉकी को टीम में पदार्पण का मौका दिया। पोंटिंग ने कहा, 'पूरा गेंदबाजी समूह शानदार था और प्रभसिमरन, मुझे लगता है कि आपने इस सप्ताह अपने बारे में भी बहुत कुछ सीखा है। मुझे लगता है कि आपने सभी को साबित कर दिया है कि आप कितने बेहतरीन खिलाड़ी हैं।'

पोंटिंग ने वढेरा (25 गेंदों पर नाबाद 43 रन) की खूब तारीफ की और कहा कि उन्होंने अपने पास आए मौके का पूरा फायदा उठाया। उन्होंने कहा, 'हम खिलाड़ियों के प्रभाव डालने के बारे में बात करते हैं, है न? आपको टी20 मैच में मौका मिलता है और यह खेल और प्रतियोगिता पर प्रभाव डालने के बारे में होता है, जब आप कर सकते हैं। उसने (वढेरा) अपने बैग में केवल एक शर्ट रखी थी, क्योंकि उसे नहीं लगता था कि वह खेल में ज्यादा हिस्सा लेगा। वह आखिरी चार ओवर फील्डिंग करता है और फिर मैं उसके कंधे पर हाथ रखता हूं। जब मैंने देखा कि उन्होंने (एलएसजी) बाएं हाथ के ऑफ स्पिनर के रूप में अपना प्रभाव दिखाया है, तो मैंने कहा, दोस्त, तुम अंदर जा रहे हो। अवसर का पूरा लाभ उठाओ। अपने तरीके से खेलो।'

अश्वनी को नई गेंद से गेंदबाजी करते देखना चाहता हूं : रिकेलटन

मुंबई । मुंबई इंडियंस की ओर से खेल रहे दक्षिण अफ्रीकी विकेटकीपर बल्लेबाज रियान रिकेलटन ने अपने पहले ही मैच में शानदार गेंदबाजी करने वाले अश्वनी कुमार की जमकर प्रशंसा की है। रिकेलटन ने कहा कि इस गेंदबाज की गेंद जितना अंदाजा लगाया जाता है उससे तेज आती है। साथ ही कहा कि मैं उसे नई गेंद से गेंदबाजी करते देखना चाहता हूं जिससे वह अपने अन्य कौशल दिखा सके। अश्वनी ने अपने पहले ही मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ तीन ओवर में 24 रन पर चार विकेट लिए थे। उनकी शानदार गेंदबाजी से मुंबई ने इस मैच में जीत दर्ज की थी। रिकेल्टन ने कहा, 'उसकी गेंदबाजी लोग जितना समझते हैं, उससे कहीं ज्यादा तेज हैं। वह नई गेंद को स्विंग करने में सक्षम है। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा, 'आप जितना सोचते हैं, उससे कहीं ज्यादा तेज हैं और उसकी गेंद थोड़ी नीचे भी रहती है। वह निश्चित रूप से इस टीम में बेहतरीन खिलाड़ी हैं और यहां की पिच उसके अनुकूल है। रिकेलटन ने कहा, 'मैं उसे नई गेंद से गेंदबाजी करते देखना चाहता हूं ताकि वह अपने अन्य कौशल दिखा सके। वह मुंबई इंडियंस के लिए एक अच्छी खोज हैं और मैं वास्तव में यह देखने के लिए बेसब्र हूं कि वह कैसा प्रदर्शन करता है। वहीं केकेआर के रमनदीप सिंह ने भी अश्वनी को एक प्रतिभाशाली क्रिकेटर बताया है।

इमरान खान नोबेल पीस प्राइज के लिए नॉमिनेट

मानवाधिकारों को बढ़ावा देने के लिए किया गया नामांकन, 2023 से जेल में बंद हैं

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को नोबेल पीस प्राइज के लिए नॉमिनेट किया गया है। राष्ट्रीय खजाने में गड़बड़ी करने के आरोप में इमरान खान 2023 से जेल में बंद हैं। नॉर्वे की राजनीतिक पार्टी पार्टियेट सेंट्रम से जुड़े पाकिस्तान वर्ल्ड अलायंस ने पाकिस्तान में मानवाधिकारों और लोकतंत्र को बढ़ावा देने के लिए इमरान खान के नामांकन की घोषणा की।

पार्टियेट सेंट्रम ने रविवार को एक्स पर पोस्ट किया- हमें पार्टियेट सेंट्रम की ओर से यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हमने नामांकन का अधिकार रखने वाले किसी व्यक्ति के साथ मिलकर पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया है।

2019 में भी नॉमिनेट किया गया इमरान खान को 2019 नोबेल पीस प्राइज के लिए नॉमिनेट किया गया था। 2019 में भारत के साथ तनाव कम करने के लिए यह नॉमिनेशन किया गया था। उनके समर्थन में पाकिस्तान की संसद में एक प्रस्ताव पेश किया गया था, जिसमें कहा गया था कि बालाकोट हवाई हमले के बाद इमरान खान ने भारत के साथ तनाव कम करने की कोशिश की थी।

इस साल नोबेल पीस प्राइज के लिए 338 नॉमिनेशन 2025 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए 338 नॉमिनेशन हैं। इनमें से 244 व्यक्ति और 94 संगठन हैं। पिछले साल इस पुरस्कार के 286 उम्मीदवार नामांकित थे। 2016 में सबसे अधिक 376 नॉमिनेशन हुए थे। 2025 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकन की आखिरी तारीख 31 जनवरी थी। नोबेल नामिनेट्स के नाम 50 साल तक उजागर नहीं किए जाते नोबेल प्राइज वेबसाइट के मुताबिक उनकी ओर से किसी भी फील्ड में नोबेल के लिए नॉमिनेट होने वाले लोगों के नाम अगले 50 साल तक उजागर नहीं किए जाते हैं। इमरान का नाम प्रस्ताव रखने वाली संस्था ने उजागर किया है। हर साल सितंबर में शुरू होती है नॉमिनेशन प्रक्रिया नोबेल पीस प्राइज के नामांकन प्रक्रिया हर साल सितंबर में शुरू होती है। पहले चरण में जनता से नामांकन मंगाए जाते हैं। जो नाम मिलते हैं उन पर एक्सपर्ट्स विचार करते हैं। नॉमिनेटेड लोगों की खासियतों और उनकी खोज पर चर्चा होती है। नामित व्यक्ति के बारे में संबंधित देश की सरकार, पूर्व नोबेल विजेताओं, प्रोफेसरों से राय मांगी जाती है। रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं इमरान खान इमरान खान 2023 से रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं। जनवरी 2025 में पाकिस्तान की एक कोर्ट ने इमरान खान को 14 साल की सजा सुनाई है। उन पर राष्ट्रीय खजाने को 50 अरब पाकिस्तानी रुपए का नुकसान पहुंचाने के आरोप है। इस मामले में इमरान को 9 मई 2023 को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद पूरे मुल्क में फौज के कई अहम ठिकानों पर हमले हुए थे।

शराब पीकर गाड़ी चलाने के कारण रद्द किया गया छात्र का वीजा : आईसीई

वाशिंगटन, एजेंसी। आव्रजन और शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) ने सोमवार को कहा कि मिनेसोटा विश्वविद्यालय के एक छात्र का वीजा शराब पीकर गाड़ी चलाने के कारण रद्द किया गया था, न कि विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के कारण। गृह सुरक्षा विभाग ने बयान में कहा, यह छात्र प्रदर्शन से जुड़ा नहीं था, बल्कि उसे एक गलत तरीके से गाड़ी चलाने के अपराध के कारण गिरफ्तार किया गया था। इस मामले की जानकारी के बाद विश्वविद्यालय में छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किए और विश्वविद्यालय व राजनेताओं ने चिंता जताई। मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज़ ने कहा कि उन्होंने शुक्रवार को गृह सुरक्षा सचिव क्रिस्टि नोएम से इस मुद्दे पर बात की थी और अब तक और जानकारी का इंतजार कर रहे हैं। वहीं, मिनेसोटा विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने भी कहा कि एक छात्र को आईसीई ने गिरफ्तार किया है, हालांकि विश्वविद्यालय ने छात्र का नाम या अन्य जानकारी साझा नहीं की है। सीनेटर टीना स्मिथ ने कहा, यह एक चिंताजनक पैटर्न बनता जा रहा है, जहां आईसीई छात्रों को बिना किसी स्पष्ट कारण के गिरफ्तार करता है और उनके कानूनी अधिकारों की अनदेखी करता है।

लिथुआनिया, तीन अमेरिकी सैनिकों के शव मिले, एक अब भी लापता

विलनियस, एजेंसी। लिथुआनिया में लापता हुए अमेरिका के तीन सैनिकों के शव उनके सैन्य वाहन में मिला, जिसे सोमवार सुबह दलदल से बाहर निकाला गया। अमेरिकी सेना के यूरोप और अफ्रीका कमान के अनुसार, एक सैनिक अभी भी लापता है। सैनिकों के शवों की तलाश के लिए अमेरिकी, पोलिश और लिथुआनियाई सेनाओं और अधिकारियों ने दिन तक मशक्कत की। जिसके बाद वाहन को पाब्रेडे के जनरल सिल्वेस्ट्रस जुकाउस्कास प्रशिक्षण क्षेत्र से निकाला गया। ये सैनिक एक प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान लापता हो गए थे। अमेरिकी सेना के मुताबिक, मृतकों की पहचान 3वीं इन्फेंट्री डिवीजन के फर्स्ट आर्मर्ड ब्रिगेड कॉम्बैट टीम के सैनिकों के रूप में की गई है, लेकिन परिवारों को सूचित किए बिना उनकी पहचान जारी नहीं की गई है।

बोल्सोनारो के कार्यकाल में पेराग्वे सरकार की जासूसी की गई, ब्राजील की सरकार ने स्वीकारी गलती

रियो डी जेनेरियो, एजेंसी। ब्राजील की सरकार ने सोमवार को एक बयान जारी कर माना कि पूर्व राष्ट्रपति जेर बोल्सोनारो के कार्यकाल में पेराग्वे की सरकार की जासूसी की गई। बयान में ये भी कहा गया कि मौजूदा राष्ट्रपति लूला डा सिल्वा के सत्ता संभालने के कुछ समय बाद ही इसे रोक दिया गया था। दरअसल एक न्यूज वेबसाइट ने कथित तौर पर दावा किया कि ब्राजील की लूला दा सिल्वा सरकार पेराग्वे की जासूसी करा रही है। इसके बाद ही ब्राजील की सरकार ने बयान जारी कर सफाई दी है।

ब्राजील के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर दी सफाई : ब्राजील के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को जारी बयान में बताया कि राष्ट्रपति लूला का प्रशासन पेराग्वे की जासूसी के आरोपों से साफ इनकार करता है। पेराग्वे, ब्राजील के साथ मरकोसर व्यापार समूह का हिस्सा हैं और ऐतिहासिक तौर पर दोनों देशों के करीबी संबंध रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि जासूसी पूर्व राष्ट्रपति जेर बोल्सोनारो के कार्यकाल में कराई जा रही थी और जैसे ही राष्ट्रपति लूला को इसके बारे में जानकारी हुई, तो उन्होंने सत्ता संभालने के तीन महीने के भीतर ही इसे बंद करा दिया था।

पेराग्वे की सरकार ने आरोपों पर कही ये बात : वहीं ब्राजील सरकार के बयान पर पेराग्वे के विदेश मंत्री ने कहा कि ब्राजील द्वारा हमारे सिस्टम में घुसपैठ के कोई सबूत नहीं हैं। इस मामले पर पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो ने भी अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ब्राजील की खुफिया एजेंसी ने पेराग्वे के कंप्यूटर सिस्टम में सेंधमारी कर इताइपु हाइड्रोलिक बांध को लेकर टैरिफ बातचीत संबंधी जानकारी जुटाई थी। यह दुनिया के सबसे बड़े बांधों में से एक है। इताइपु बांध से की क्षमता 14 हजार मेगावाट बिजली बनाने की है और इस बांध से बनने वाली अधिकतर बिजली पेराग्वे की सरकार से ब्राजील ही खरीदता है। हाल के वर्षों में इसे लेकर ब्राजील और पेराग्वे में तनाव बढ़ा है।

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण अफ्रीका के मंदिरों में हनुमान चालीसा की 60,000 प्रतियां बांटीं

जोहान्सबर्ग., एजेंसी। दक्षिण अफ्रीकी हिंदू संगठन 'एसए हिंदूज' ने देश के आठ मंदिरों में हनुमान चालीसा की 60,000 प्रतियां वितरित की हैं। संगठन के सदस्यों ने विभिन्न क्लबों के मोटरसाइकिल सवारों के नेतृत्व में अभियान चलाया और जरूरतमंदों के लिए लगभग दो टन किराने का सामान भी जुटाया। 'एसए हिंदूज' की संस्थापक पंडिता लूसी सिगबन ने कहा, हमें यह देखकर बहुत खुशी हुई कि बहुत सारे भक्त मंदिरों में आए और खासकर क्वाजुलू-नताल (केजेडएन) जैसे पास के प्रांतों के भी लोग इस पहल का बड़े ही उत्साह के साथ समर्थन कर रहे थे। दक्षिण अफ्रीका के हिंदुओं ने सबसे पहले 24 अगस्त 2024 को भक्ति के उत्सव के दौरान 'शेरेनो प्रिंटर्स' और 'इलेक्ट्रो ऑनलाइन मीडिया' के साथ साझेदारी में 10 लाख हनुमान चालीसा की प्रतियां वितरित करने की पहल की शुरुआत की। उनकी योजना 2029 तक 10 लाख प्रतियां वितरित करने की है।

बांग्लादेश की छात्राओं को अमेरिकी सम्मान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन गत वर्ष बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन की अगुवाई करने वाली महिला छात्र नेताओं को उनके 'साहस, ताकत और नेतृत्व' के लिए सम्मानित करेगा। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप मंगलवार को 'इंटरनेशनल विमेन ऑफ करेज' पुरस्कार समारोह की मेजबानी करेंगे। प्रतिष्ठित व्हार्टन स्कूल के उद्घाटन कार्यक्रम में भारतवंशी कार्यकारी अजय आनंद को नेतृत्व की भूमिका के लिए नामित किया गया है। वह एआई व एनालिटिक्स क्षेत्र में संकाय को सलाह, मार्गदर्शन देंगे। जॉनसन एंड जॉनसन में वैश्विक सेवाओं, रणनीति और व्यापार सेवाओं के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजय आनंद को व्हार्टन स्कूल में उद्घाटन कार्यकारी के रूप में नामित किया गया है।

अगले महीने पश्चिम एशियाई देशों का दौरा करेंगे ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले महीने पश्चिम एशियाई देशों कतर, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब का दौरा करेंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने खुद सोमवार को ओवल ऑफिस में इसकी जानकारी मीडिया को दी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सऊदी अरब ने अमेरिकी कंपनियों में एक खरब डॉलर निवेश करने का वादा किया है, इसलिए ट्रंप ने अपने पहले विदेश दौरे के लिए सऊदी अरब को चुना है।

हैती में गिरोह का जेल पर हमला, सैकड़ों कैदी फरार, दहशत में लोग

मिरेबले, एजेंसी। हैती के मिरेबले शहर में सोमवार को भारी हथियारों से लैस गिरोह ने हमला कर स्थानीय जेल पर कब्जा कर लिया। इस हमले में 530 से ज्यादा कैदी भाग निकले। गोलियों की गूंज के बीच सैकड़ों लोग अपने घर छोड़कर भागने को मजबूर हो गए। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, गिरोह के हमलावरों ने जलती हुई गाड़ियों और इमारतों के बीच जीत के नारे लगाए। मिरेबले के लोगों ने पुलिस के साथ मिलकर बचाव की कोशिश की, लेकिन हमलावरों के आगे टिक नहीं सके। गिरोह के सदस्य लाल टी-शर्ट पहने थे, जिन पर 'तालिबान' और 'मावोजो' लिखा था। ये दोनों शक्तिशाली गिरोह हैं, जो राजधानी पोर्ट-ऑ-प्रिंस सहित कई इलाकों में हावी हैं। इनका मकसद सरकार गिराना और सत्ता पर कब्जा जमाना बताया जा रहा है। हैती में पहले से ही 85 फीसदी राजधानी पर गिरोह का कब्जा है। विशेषज्ञों का कहना है कि ये गिरोह अब अपने प्रभाव क्षेत्र को बढ़ाने और सरकार को पूरी तरह से अस्थिर करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं।

वेनेजुएला को मिलेंगी पहली महिला पादरी, वेटिकन से मंजूरी

कैरेकस, एजेंसी। पोप फ्रांसिस ने सोमवार को वेनेजुएला की मरिया कार्मेन रेंदिलेस के कैनोनाइजेशन (पादरी बनाने की घोषणा) को मंजूरी दे दी, जिससे वह देश की पहली महिला पादरी बनेंगी। हालांकि, उनके पादरी बनने की आधिकारिक तारीख अभी तय नहीं हुई है। मरिया कार्मेन रेंदिलेस का जन्म 11 अगस्त 1903 को वेनेजुएला की राजधानी काराकास में हुआ था। उन्होंने अपने पिता की मृत्यु के बाद कम उम्र में ही परिवार की मदद शुरू कर दी थी। 1927 में उन्होंने एक फ्रांसीसी धार्मिक संघ में प्रवेश किया और बाद में 1961 में अपना खुद का धार्मिक संगठन स्थापित किया। उनका एक हाथ नहीं था, लेकिन इस शारीरिक कमजोरी के बावजूद उन्होंने ईसाई धर्म का अनुकरणीय जीवन जिया।

अमेरिका ने 17 अपराधियों को एल सल्वाडोर किया निर्वासित

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने सोमवार को कहा कि उसने 17 और हिंसक अपराधियों को एल सल्वाडोर निर्वासित कर दिया है। ये सभी ट्रें डे अरागुआ और एमएस-13 गिरोह से जुड़े थे। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब अमेरिका के बाहर लोगों को भेजने की नीति को लेकर ट्रंप प्रशासन की आलोचना हो रही है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इन अपराधियों को रविवार रात निर्वासित किया गया और इनमें हत्यारे और दुष्कर्मी भी शामिल थे। हालांकि, मंत्रालय ने अपराधों या अपराधियों की राष्ट्रीयता की विस्तार से जानकारी नहीं दी। ट्रंप प्रशासन ने आरोप लगाया कि ये गिरोह अमेरिका में घुसकर अपराध कर रहे हैं।

दक्षिण कोरिया में फिर बवाल, यौन उत्पीड़न के आरोपी पूर्व सांसद की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया में एक के बाद एक बवाल से हाहाकार मचा हुआ है। अब यहां यौन उत्पीड़न के आरोपी पूर्व सांसद की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि दक्षिण कोरिया के एक पूर्व सांसद सियोल में मृत पाए गए हैं। उन पर 2015 में एक महिला का यौन उत्पीड़न करने का आरोप था। सियोल मेट्रोपॉलिटन पुलिस एजेंसी ने कहा कि चांग जे-वोन सोमवार रात राजधानी के पूर्वी हिस्से में एक स्टूडियो में मृत पाए गए। पुलिस को घटनास्थल पर एक नोट मिला। पुलिस ने उनकी मौत की जांच का हवाला देते हुए आगे कोई जानकारी नहीं दी। 2015 में महिला का यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगा चांग ने लंबे समय तक सियासत में अपनी जड़ें जमाकर रखीं। उन्होंने एक रूढ़िवादी सांसद के रूप में तीन कार्यकाल पूरे किए। वे महाभियोग लगाए गए राष्ट्रपति युन सुक येओल के प्रमुख सहयोगी थे। उन पर नवंबर 2015 में एक होटल में महिला का यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया गया था। तब वे बुसान में एक विश्वविद्यालय में उपाध्यक्ष थे। चांग ने पिछले महीने एक फेसबुक पोस्ट में आरोपों से इनकार किया था। उन्होंने इसे एकतरफा दावे करार दिया था। उन्होंने अपने सम्मान की रक्षा के लिए कानूनी कार्रवाई करने की प्रतिबद्धता जताई थी।

सुनीता विलियम्स ने पहली बार बताया- अंतरिक्ष से भारत का नजारा अद्भुत और कभी ना भूलने वाला

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारतीय मूल और नासा की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष में नौ महीने बिताकर 18 मार्च को धरती पर वापस लौट आई. वापस लौटने के बाद उन्होंने पहली बार मीडिया को इंटरव्यू दिया. उन्होंने इंटरव्यू के दौरान अंतरिक्ष में बिताए गए दिनों और एक्सपीरियंस को शेयर किया. सुनीता विलियम्स ने कहा कि अतंरिक्ष से भारत बहुत अद्भुत दिखता है. उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि वे बहुत जल्द अपने पिता के गृह देश का दौरा करेंगी और यहां के लोगों के साथ अंतरिक्ष के अनुभव शेयर करेंगी.

भारत को लेकर दिया बयान : 59 वर्षीय नासा अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विल्मोर ने स्पेसएक्स क्रू-9 मिशन के तहत पृथ्वी पर लौटने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए बताया कि अंतरिक्ष से भारत कैसा दिखता है. सुनीता ने कहा कि भारत बेहद अद्भुत है. हर बार जब हम हिमालय पर गए तो बुच ने हिमालय की कुछ अविश्वसनीय तस्वीरें लीं. वहां का दृश्य बहुत शानदार है. सुनीता ने कहा कि हम बहुत उत्साहित हैं. भारत महान और अद्भुत लोकतंत्र वाला देश है, जो स्पेस में अपनी जगह बनाना चाह रहा है. हम इसका हिस्सा बनकर भारत की मदद करना चाहेंगे. इसके साथ-साथ उन्होंने कहा कि हमको ऐसा लगता था कि जैसे लहरें उठ रही हों और भारत में बह रही हों. भारत के विभिन्न रंग हैं. उन्होंने कहा कि मुझे लगता है, जब आप पूर्व की तरफ जाते हैं तो वहां के समुद्र के तटों पर

मछली पकड़ने वाली नावों का बेड़ा आपको इशारा करता है कि हम गुजरात और मुंबई की तरफ आ गए हैं. सुनीता ने कहा कि रात के साथ-साथ दिन में भी हिमालय को देखना अविस्मरणीय है. भारत देश के बड़े से लेकर छोटे शहरों तक बिजलियों का जो मनमोहक दृश्य है वह कभी भी भूलने वाला नहीं है. सुनीता ने कहा कि मुझे उम्मीद है, और यकीन है, कि मैं अपने पिता के देश वापस जाऊंगी और लोगों से मिलूंगी. बता दें, सुनीता के पिता दीपक पंड्या गुजरात के रहने वाले थे और 1958 में अमेरिका आये थे, जहां उन्होंने क्लीवलैंड, ओहियो में मेडिसिन में इंटर्नशिप और रेजीडेंसी प्रशिक्षण प्राप्त किया था।

वेस्ट बैंक के किशोर की हिरासत में मौत, इस्राइल की जेल में जान गंवाने वाला पहला फलस्तीनी : तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल की जेल में बंद वेस्ट बैंक के एक 17 वर्षीय किशोर की सदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। यह किशोर बीते छह महीने से बिना किसी आरोप के जेल में बंद था। हिरासत में रहने के दौरान ही अचानक उसकी तबीयत बिगड़ी और वह बेहोश हो गया। बाद में उसकी मौत हो गई। इसके साथ ही इस्राइल की हिरासत में जान गंवाने वाला यह पहला फलस्तीनी कैदी बन गया है। मृतक किशोर की पहचान वालिद अहमद के रूप में हुई है, जो हाईस्कूल का छात्र था। वालिद अहमद के परिजनों का आरोप है कि उसे बीते साल सितंबर में कथित तौर पर इस्राइली सैनिकों पर पथराव के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। वहीं वालिद अहमद के मामले में इस्राइल की सरकार ने उसकी मौत की वजह का अभी तक खुलासा नहीं किया है। मानवाधिकार संगठनों का आरोप है कि इस्राइल की जेलों में 7 अक्तूबर 2023 के हमले के बाद से हजारों फलस्तीनी कैद हैं और वहां उनका उत्पीड़न किया जाता है। हालांकि इस्राइली सरकार इन आरोपों को सिरे से खारिज कर चुकी है।

मलेशिया में गैस पाइप फटने से बड़ा हादसा, भीषण आग के बाद हाहाकार, मीलों दूर से दिख रही लपटें

कुआलालंपुर, एजेंसी। मलेशिया में मंगलवार को भीषण हादसा हुआ। यहां कुआलालंपुर के बाहर मलेशियाई उपनगर में भीषण आग लग गई। प्राथमिक तौर पर इसकी वजह गैस पाइपलाइन का फटना बताया जा रहा है। इसके बाद भारी अफरातफरी मची और आस-पास के इलाकों के घरों को खाली कराना पड़ा।

सेलंगोर राज्य के मध्य में पुत्रा हाइट्स में एक गैस स्टेशन के पास लगी आग कई किलोमीटर (मील) तक दिखाई दे रही थी। सेलंगोर के दर्जनों अग्निशामकों को घटनास्थल पर भेजा गया है। विभाग के निदेशक वान मोहम्मद रजाली वान इस्माइल के हवाले से समाचार एजेंसी ने बताया कि मौके पर मौजूद अग्निशामकों ने आग लगने का कारण पाइपलाइन फटना बताया है।

आग के गुबार और धुएं के अंबार की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इसमें कुछ लोगों को कहते हुए सुना जा सकता है। उन्होंने बताया कि उन्हें अपने घरों के दरवाजे और खिड़कियां हिलती हुई महसूस हुईं। ऐसा माना जा रहा है कि यह आग किसी विस्फोट के कारण लगी

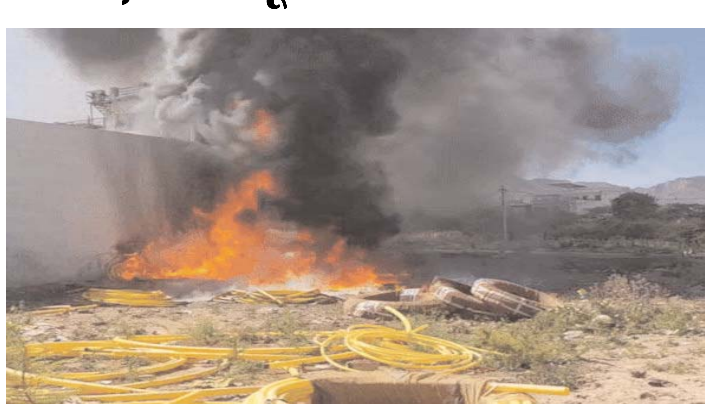

है। हालांकि, तत्काल कोई पुष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं है। राष्ट्रीय तेल कंपनी पेट्रोनास ने एक बयान में कहा कि सुबह 8-10 बजे उसकी एक गैस पाइपलाइन में विस्फोट के बाद आग लग गई। प्रभावित पाइपलाइन को अलग कर दिया गया है। आग वाली जगह के पास के तीन गैस स्टेशन प्रभावित नहीं हुए, लेकिन एहतियात के तौर पर उन्हें अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। जांच अभी भी जारी है। सेलंगोर आपदा प्रबंधन इकाई ने एक बयान में बताया कि आग पास के एक गांव के कई घरों में फैल गई। यहां फंसे हुए लोगों को बचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। कई लोगों के झुलसने की भी खबर हैं। उन्हें इलाज के लिए ले जाया जा रहा है। अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। सेलंगोर के मुख्यमंत्री अमीरुद्दीन शारी ने कहा कि अग्निशमन विभाग ने सुरक्षा उपाय के तौर पर आस-पास के घरों से लोगों को तुरंत बाहर निकाल लिया है। स्थिति के नियंत्रण में आने तक उन्हें अस्थायी रूप से पास की एक मस्जिद में रखा जाएगा।

फ्रांस : मरीन ले पेन गबन मामले में दोषी करार, खतरे में राजनीतिक भविष्य

पेरिस , एजेंसी। पेरिस की एक अदालत ने सोमवार को यूरोपीय संघ के धन के गबन के आरोप में दक्षिणपंथी नेता मरीन ले पेन को दोषी ठहराया। अभी सजा की घोषणा नहीं की गई है। दोषसिद्धि से 2027 के फ्रांसीसी राष्ट्रपति चुनाव में उनकी संभावित उम्मीदवारी पर संदेह पैदा हो गया। ले पेन और उनके सहयोगियों पर आरोप था कि उन्होंने 2004 से 2016 के बीच संसदीय सहायकों के लिए निर्धारित यूरोपीय संसद के धन का पार्टी कर्मचारियों के भुगतान के लिए इस्तेमाल किया। अभियोजन पक्ष के मुताबिक आधिकारिक संसदीय कार्य के लिए निर्धारित धनराशि का उपयोग फ्रांस स्थित नेशनल रैली पार्टी के कर्मचारियों को भुगतान करने के लिए किया गया, जो यूरोपीय संघ के नियमों का उल्लंघन था। रिपोर्टों के अनुसार, अभियोजकों ने 3,00,000 यूरो (2,77,60,800.00 रुपये) जुर्माने के साथ पांच साल की निलंबित जेल की सजा की सिफारिश की। अभियोजकों ने सार्वजनिक पद पर तत्काल पांच वर्ष का प्रतिबंध लगाने की भी मांग की। अदालत यदि इसे स्वीकार करती है तो ली पेन, जो तीन वर्षों से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार हैं, अगला राष्ट्रपति चुनाव नहीं लड़ पाएंगी। प्रस्तावित प्रतिबंध तत्काल प्रभाव से लागू होगा, भले ही ले पेन अपील करने का विकल्प चुनें, जिससे राजनीतिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण बदलाव आएगा। उन्हें वर्तमान में राष्ट्रपति पद के लिए एक

मजबूत दावेदार माना जाता है। नेशनल रैली पार्टी की प्रमुख ले पेन ने आरोपों को खारिज करते हुए जोर देकर कहा कि मामला राजनीति से प्रेरित है। उन्होंने इसे अपनी चुनावी संभावनाओं को कमजोर करने का प्रयास बताया। , ले पेन ने फैसले से पहले चेतावनी दी थी कि दोषी पाए जाने पर फैसला उनकी राजनीतिक मौत का संकेत हो सकता है। फैसले के संभावित प्रभाव पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, 11 मिलियन लोगों ने इस आंदोलन के लिए वोट दिया है जिसका मैं प्रतिनिधित्व करती हूं और ऐसा कोई भी फैसला कई फ्रांसीसी लोगों को चुनाव में अपने उम्मीदवार से वंचित कर सकता है। 2017 और 2022 दोनों चुनावों में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बाद दूसरे स्थान पर रहने के बाद, ले पेन की पार्टी के समर्थन में लगातार वृद्धि देखने को मिली है। उन्हें अगर चुनाव लड़ने से रोक दिया जाता है, तो उनके शिष्य, 29 वर्षीय जॉर्डन बार्डेला, पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में सामने आ सकते हैं।

म्यांमार भूकंप- मरने वालों का आंकड़ा 2 हजार के पार, 270 लोग अभी भी लापता

नेपीदा, एजेंसी। म्यांमार में आए भीषण भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 2,056 हो गई है। सैन्य सरकार ने सोमवार को यह जानकारी दी। उनके मुताबिक घायलों की संख्या 3900 से ज्यादा हो गई है। वहीं, 270 लोग अभी भी लापता हैं। आपदा के बाद सोमवार को 7 दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की गई है। सैन्य सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि हादसे में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए 6 अप्रैल तक देशभर में राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके रहेंगे। म्यांमार और थाईलैंड में 28 मार्च को 7.7 तीव्रता का भूकंप आया था। यह 200 साल का सबसे बड़ा भूकंप था। यूनाइटेड स्टेट जियोलॉजिकल सर्वे ने यह आशंका जताई है कि मौत का आंकड़ा 10 हजार से ज्यादा हो सकता है।

लोगों ने सड़कों पर रात गुजारी : म्यांमार में सबसे ज्यादा भूकंप प्रभावित इलाका मांडले है। यह देश का दूसरा सबसे बड़ा शहर है, जहां 17 लाख से ज्यादा लोग रहते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक ज्यादातर लोगों ने लगातार तीसरी रात घर सड़कों पर रात गुजारी, क्योंकि ज्यादातर लोगों के घर टूट चुके हैं। लोग भूकंप के बाद आ रहे आफ्टर शॉक्स से घबराए हुए हैं।

चीनी मीडिया और पेरिस विदेश मंत्रालय के मुताबिक, भूकंप में मारे गए लोगों में 3 चीनी और 2 फ्रांसीसी नागरिक भी शामिल हैं। अभी भी म्यांमार के ज्यादातर हिस्से में कम्युनिकेशन ठप रहने की वजह से नुकसान

की पूरी जानकारी सामने नहीं आई है। भारत ने 5 खेप में भेजी राहत सामग्री विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बताया कि भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएससतपुड़ा और आईएनएस सावित्री ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत 30 टन रिलीफ सामग्री म्यांमार के यांगून बंदरगाह भेजे गए। इसके अलावा 118 सदस्यीय फील्ड हॉस्पिटल यूनिट आगरा से म्यांमार के मांडले शहर पहुंची। इससे पहले ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत ही भारत ने 5 खेप में मदद के लिए 85 टन से ज्यादा राहत सामग्री में टेंट, स्लीपिंग बैग, कंबल, खाने के लिए तैयार भोजन, वाटर प्यूरीफायर, सोलर लैंप, जनरेटर सेट और आवश्यक दवाएं भेजीं।

पहले दो समन में पेश नहीं हुए कामरा को थमाया तीसरा समन

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर पैरोडी सॉन्ग मामले में कॉमेडियन कुणाल कामरा को पुलिस ने तीसरा समन भेजा है। उन्हें 5 अप्रैल को खार पुलिस स्टेशन में पूछताछ के लिए पेश होने को कहा है। इससे पहले पुलिस कामरा को 2 समन भेज चुकी है। इससे पहले 28 मार्च को हाईकोर्ट ने कामरा को 7 अप्रैल तक की अग्रिम जमानत दी थी। कामरा ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर की। इसका शीर्षक था- एक कलाकार को खत्म करने की स्टेप-बाय-स्टेप गाइड। कामरा ने लिखा-आज के दौर में कलाकारों के पास दो ही विकल्प हैं - या तो अपनी आत्मा बेचकर डॉलर की कठपुतली बन जाएं या फिर चुपचाप खत्म हो जाएं। इधर, मंगलवार को कुणाल कामरा मद्रास हाईकोर्ट में पेश हुए। उन्होंने दावा किया कि पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही है। इसलिए उन्हें ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी जाए। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस सुंदर मोहन ने कामरा को ट्रांजिट अग्रिम जमानत दे दी।

लालू यादव की तबीयत बिगड़ी, एयर एंबुलेंस से ले जाया जाएगा दिल्ली

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की तबीयत पिछले दो दिनों से बिगड़ी हुई है। बताया जा रहा है कि उनका ब्लड शुगर बढ़ गया है, जिससे उनके एक पुराने जख्म में तकलीफ बढ़ गई है। राबड़ी आवास में डॉक्टरों की टीम उनकी देख-रेख कर रही है। डॉक्टरों ने उन्हें दिल्ली ले जाने की सलाह दी है। आज बुधवार को एयर एंबुलेंस से उन्हें दिल्ली ले जाने की बात सूत्र बता रहे हैं। इससे पहले 26 मार्च को गर्दनीबाग में वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ प्रदर्शन में वे तेजस्वी यादव के साथ पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कहा था कि सरकार को देखना चाहिए, हम इसके विरोध में हैं। जनता सब समझ रही है। यहां बताते चलें कि लालू यादव के अनेक बड़े ऑपरेशन हो चुके हैं। इनमें 2014 में ओपन हार्ट सर्जरी हुई थी, जिसमें एऑर्टिक वॉल्व बदला गया था। 2022 में सिंगापुर में किडनी ट्रांसप्लांट हुआ, बेटी रोहिणी आचार्य ने किडनी डोनेट की थी। सितंबर 2024 में मुंबई के एशियन हार्ट अस्पताल में एंजियोप्लास्टी हुई थी, जिसमें एक स्टेंट लगाया गया था। 76 वर्षीय लालू यादव की तबीयत पहले भी कई बार खराब हो चुकी है, लेकिन इस बार शुगर लेवल बढ़ने के कारण डॉक्टर ज्यादा सतर्कता बरत रहे हैं।

अनंत अंबानी ने पदयात्रा में 250 मुर्गियों की जान बचाई

जामनगर (एजेंसी)। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के अध्यक्ष मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी की पदयात्रा चल रही है। वह अपने जन्मदिन पर द्वारकाधीश जाकर भगवान द्वारकाधीश का आशीर्वाद लेंगे। मंगलवार को वह पाटिया गांव पहुंचे। पदयात्रा के दौरान रास्ते में 250 मुर्गा-मुर्गियों को बाजार में बिक्री के लिए ले जाया जा रहा था। उन्होंने रोककर दुगनी कीमत देकर 250 मुर्गा मुर्गियों को आजाद करवा दिया। अनंत अंबानी पक्षियों और पशुओं के प्रति काफी संवेदनशील हैं। जामनगर में उन्होंने वन तारा नाम से एनिमल रेस्क्यू सेंटर भी स्थापित कर रखा है। जिसे प्राणी मित्र के रूप में राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है।

गो तस्करों और सीआईए टीम के बीच हुई मुठभेड़, 2 तस्कर घायल, जवान को लगी गोली

नूंह (एजेंसी)। हरियाणा के नूंह जिले में 14 दिनों में तीसरी मुठभेड़ हुई है। मंगलवार को तावडू सीआईए की टीम और गो तस्करों के बीच गांव सीलखो पहाड़ के पास मुठभेड़ हो गई। इस दौरान तस्करों ने पुलिस पर फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई। इस मुठभेड़ में दो गो तस्कर, सलीम (पुत्र जुम्मे खां, निवासी पचगांव) और साजिद (पुत्र इसाक, निवासी नागलपुर) घायल हो गए। दोनों को शहीद हसन खां मेवाती मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने तस्करों के कब्जे से दो अवैध बंदूकें, एक कारतूस, चार खाली कारतूस, एक मिस कारतूस, एक चाकू, एक कुल्हाड़ी, तीन गोवंश, एक मोटरसाइकिल और अन्य सामान बरामद किया है। नूंह पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि इस मुठभेड़ में जवाबी कार्रवाई के दौरान दो तस्कर घायल हुए हैं। यह जिले में 14 दिनों के भीतर गो तस्करों और पुलिस के बीच तीसरी मुठभेड़ है। इससे पहले 18 मार्च को तावडू सीमा के गांव गुरनावट में रेलवे ट्रैक के पास आडवाणी गैंग के तीन गो तस्कर पुलिस की मुठभेड़ में घायल हुए थे, जबकि तीन अन्य फरार हो गए थे। इसके बाद नूंह-सोहना सड़क पर नूंह सीआईए की टीम के साथ हुई मुठभेड़ में दो गो तस्कर भाग निकले थे। लगातार बढ़ रही इन घटनाओं ने क्षेत्र में गो तस्करी के खिलाफ पुलिस की सख्ती को उजागर किया है। जांच जारी है और पुलिस फरार संदिग्धों की तलाश में जुटी है।

भारतीय नौसेना का बड़ा एक्शन, आईएनएस तरकश ने 2500 किलोग्राम मादक पदार्थ किए जब्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना के पश्चिमी नौसेना कमान के अंतर्गत संचालित होने वाले फ्रिगेट आईएनएस तरकश ने हिंद महासागर में 2,500 किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थों को रोका और जब्त किया। यह अभियान क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा प्रयासों के तहत चलाया गया। 31 मार्च को गश्त के दौरान आईएनएस तरकश को भारतीय नौसेना के पी8आई विमान से संदिग्ध जहाजों के बारे में खुफिया जानकारी मिली, जिनके बारे में माना जाता है कि वे मादक पदार्थों की तस्करी सहित अवैध गतिविधियों में लिप्त हैं। इसके बाद नौसेना ने फ्रिगेट का मार्ग बदल दिया और एक नाव को रोकने से पहले आस-पास के कई जहाजों की जांच की।

64 साल बाद गुजरात में कांग्रेस करेगी अधिवेशन, खोई ऊर्जा हासिल करने का प्रयास

यह सत्र 2027 के गुजरात विधानसभा चुनावों के मद्देनजर एक शुरुआती कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 64 साल के लंबे अंतराल के बाद गुजरात में अपने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अधिवेशन की मेजबानी करने जा रही है। यह ऐतिहासिक सत्र 8-9 अप्रैल को अहमदाबाद में होगा। इससे पहले गुजरात में आखिरी एआईसीसी सत्र 1961 में भावनगर में हुआ था। गुजरात में अपने अस्तित्व के संकट और राष्ट्रीय स्तर पर मिल रही चुनावी हार के बीच पार्टी इस सत्र के जरिए नई ऊर्जा प्राप्त करने का प्रयास किया जाएगा।

यह एआईसीसी सत्र कई ऐतिहासिक संयोगों के कारण खास है। यह साल महात्मा गांधी की एकमात्र कांग्रेस अध्यक्षीय कार्यकाल की शताब्दी और सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती का भी प्रतीक है। कांग्रेस 8 अप्रैल को शाहिबाग स्थित सरदार पटेल मेमोरियल में कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक करेगी, जबकि 9 अप्रैल को साबरमती नदी के किनारे मुख्य एआईसीसी सत्र आयोजित होगा। सरदार पटेल की विरासत पर फिर ध्यान केंद्रित करने की रणनीति? बीते एक दशक में बीजेपी ने सरदार पटेल की विरासत को बड़े स्तर पर अपनाया है और कांग्रेस को इससे दूर करने का प्रयास किया है। ऐसे में सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर कांग्रेस द्वारा गुजरात में यह आयोजन महज संयोग नहीं माना जा रहा है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि पार्टी पटेल समुदाय के समर्थन को फिर से पाने की कोशिश कर रही है, जो माधवसिंह सोलंकी की क्षत्रिय, हरिजन, आदिवासी, मुस्लिम सोशल इंजीनियरिंग के बाद कांग्रेस से दूर होता गया था। हालांकि, कांग्रेस नेताओं ने इस आयोजन के राजनीतिक मायनों से इनकार किया है। गुजरात कांग्रेस के प्रवक्ता मनीष दोशी ने कहा कि आप सरदार पटेल को किसी एक समुदाय के नजरिए से नहीं देख सकते। वे पूरे राष्ट्र के नेता थे। गुजरात में कांग्रेस पिछले कई दशकों से लगातार कमजोर हो रही है। 2017 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने 77 सीटें जीतकर अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन 2022 में यह घटकर 17 सीटों पर आ गई। अब लोकसभा चुनाव नजदीक हैं और पार्टी इस सत्र के जरिए कार्यकर्ताओं में जोश भरने की कोशिश करेगी।

भारत ने भी भेजी 400 टन राहत सामग्री म्यांमार, तलाशी अभियान में भी जुटी भारतीय टीम

नई दिल्ली, (ईएमएस)। म्यांमार में भूकंप के बाद भारत ने मदद के हाथ बढ़ाया था। भारत ने मंगलवार को फिर 400 टन राहत सामग्री म्यांमार भेजी है। इसके अलावा भारत ने राहत-बचाव और तलाशी अभियान के लिए टीम भी भेजी है। भारत सरकार ऑपरेशन ब्रह्मा के जरिए म्यांमार में भूकंप पीड़ितों की मदद कर रहा है। बता दें शुक्रवार को म्यांमार में 7.7 तीव्रता का भूकंप आया था जिसमें करीब 2 हजार से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। भारत मांडले एयरपोर्ट पर एक अस्पताल भी चला रहा है जहां घायलों का इलाज किया जा रहा है। वहीं 80 सदस्यों वाली एनडीआरएफ टीम इमारतों के मलबे से लोगों को निकालने का काम कर रही है। मंगलवार को विशाखापट्टनम पोर्ट से आईएनएस घड़ियाल को 442 मीट्रिक टन राहत सामग्री के साथ रवाना किया गया है। वहीं एसी-130 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट के जरिए 16 टन राहत सामग्री म्यांमार भेजी है। 30 टन राहत सामग्री पहले ही म्यांमार पहुंचाई जा चुकी है। इसमें खाने का सामान, टेंट और दवाइयां थीं। आईएनएस सतपुड़ा और आईएनएस सावित्री 50 टन सामग्री लेकर म्यांमार पहुंच चुका है। म्यांमार में तेज भूकंप के बाद भी कई झटके आएं हैं। ऐसे में लोग डरे हुए हैं और वे अपने घर जाने को तैयार नहीं हैं। बड़ी संख्या में लोग खुले में या फिर टेंट में रहने को मजबूर हैं। अधिकारियों का कहना है कि पड़ोसी प्रथम की नीति के तहत भारत ने तुरंत ही राहत और बचाव के लिए इंतजाम शुरु कर दिए थे। भारत ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह सबसे पहले मदद का हाथ आगे बढ़ाता है।

महाराष्ट्र में किसान की अपील, किडनी, लीवर और आंखे ले लो, और कर्ज से मुक्ति दे दो

वाशिम (एजेंसी)। महाराष्ट्र के वाशिम जिले में एक किसान ने महाराष्ट्र सरकार की नीति के विरोध में अनोखा प्रदर्शन किया है। अडोली गांव निवासी किसान सतीश ईडोले वाशिम के मुख्य मार्केट पहुंचे। जहां उनके गले में एक बैनर लटका हुआ दिखा। बैनर पर लिखा था किसानों के शरीर के अंग मोल ले लीजिए और कर्ज से मुक्ति दे दीजिए उसके नीचे शरीर के अंगों की कीमत डाल रखी थी। इसमें किडनी की कीमत 75 हजार, लीवर 90 हजार, आंखें 25 हजार रुपए लिखी गई थी।

किसान ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को जिला अधिकारी कार्यालय की ओर से लिखित पत्र भी भेजा है। पत्र में लिखा है कि चुनाव के पहले देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि उनकी सरकार आएगी, तब किसानों का कर्ज माफ करेगी। मेरे पास कर्ज चुकाने के लिए पैसे नहीं हैं और आत्महत्या के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं दिख रहा है। किसान ईडोले के पास 2 एकड़ खेत है। बताया जाता है कि किसान पर महाराष्ट्र बैंक का 1 लाख रुपये के आसपास का क्रॉप लोन बकाया है। किसान सतीश ने कहा कि चुनाव से पहले वादा किया था कि अगर उनकी सरकार आई, तब किसानों का कर्ज माफ होगा। लेकिन उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने हाल ही में कहा है कि कर्ज माफ नहीं होगा। किसान कर्ज का भुगतान करें। किसान ने सरकार से कहा कि उसकी किडनी की कीमत से भी उसका कर्ज अदा नहीं हुआ, तब उसकी पत्नी की किडनी 40 हजार, बड़े बेटे के किडनी की 20 हजार और छोटे बेटे की किडनी 10 हजार रुपए में ले लिया जाए और कर्ज से मुक्ति दे दिया जाएगा।

अप्रैल के आते ही पूरे देश में गर्मी का पारा चढ़ने लगा

राजस्थान में पारा पहुंचा 42 डिग्री के पार, दक्षिण में हल्की से मध्यम बारिश असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। अप्रैल के आते ही पूरे देश में गर्मी का पारा चढ़ने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ेगा। उत्तर भारत में जहां तेज धूप और लू चलने की संभावना है, वहीं दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों में हल्की बारिश की उम्मीद है। राजधानी दिल्ली में पारा 40 डिग्री के करीब पहुंच गया है, जबकि राजस्थान के कुछ इलाकों में यह 42 डिग्री तक दर्ज हुआ है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में लू चलने की चेतावनी दी है।

वहीं दक्षिण भारत के तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के कुछ इलाकों में हल्की बारिश के आसार हैं। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम के चलते यहां बादल छाए रह सकते हैं और कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इससे तापमान में कुछ गिरावट आएगी और लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी। पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत में हल्की बारिश की संभावना बंगाल, ओडिशा, असम, मेघालय और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में बादल छाए रह सकते हैं और हल्की बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, इन इलाकों में अगले दो-तीन दिनों तक बारिश जारी रह सकती है, जिससे तापमान में मामूली गिरावट आ सकती है।

वहीं मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी गर्मी बढ़ने लगी है। भोपाल, इंदौर, रायपुर और ग्वालियर जैसे शहरों में तापमान 38-41 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज हुआ है। यहां भी अगले कुछ दिनों में लू चलने की संभावना है। पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में भी तापमान सामान्य से ऊपर जा रहा है। हालांकि, ऊंचाई वाले इलाकों में मौसम सुहावना बना हुआ है, लेकिन मैदानी हिस्सों में गर्मी ने अपनी पकड़ बना ली है।

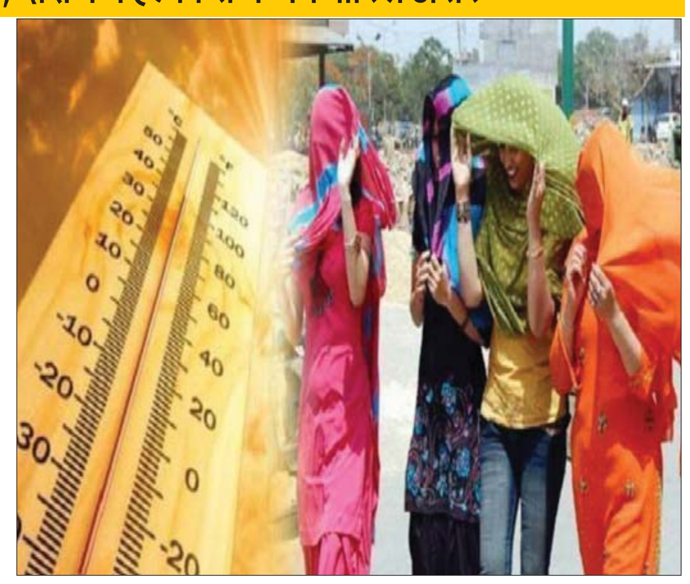

सोनिया गांधी को केंद्रीय मंत्री प्रधान का जबाव, एनईपी 2020 शिक्षा क्षेत्र में एक ऐतिहासिक बदलाव

नई दिल्ली । केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के शिक्षा नीति को लेकर दिए बयान पर पलटवार किया है। दरअसल सोनिया गांधी ने हाल ही में मोदी सरकार पर शिक्षा क्षेत्र में केंद्रीकरण, कारोबारीकरण और सांप्रदायिकरण को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। इसके जवाब में केंद्रीय मंत्री प्रधान ने कहा कि एनईपी 2020 शिक्षा क्षेत्र में एक ऐतिहासिक बदलाव है, जो भारत को बौद्धिक उपनिवेशवाद से मुक्त करने की दिशा में बढ़ा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने एक अंग्रेजी अखबार में एक लेख के जरिए तर्क दिया कि पूर्ववर्ती सरकारों ने भारत की शिक्षा प्रणाली की काफी अनदेखी की, जिससे संस्थानों में भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन तेजी से बढ़ा। उन्होंने 2009 में हुए डीम्ड विश्वविद्यालय घोटाले का हवाला देकर कहा कि बिना उचित मूल्यांकन के कई निजी संस्थानों को विश्वविद्यालय का दर्जा दे दिया गया था, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता काफी प्रभावित हुई। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के दौरान सार्वजनिक विश्वविद्यालयों को धन की कमी का सामना करना पड़ा, और शिक्षा प्रणाली औपनिवेशिक मानसिकता में जकड़ी रही। केंद्रीय मंत्री प्रधान ने पाठ्यपुस्तकों में ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि शहीद भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और वीर सावरकर जैसे स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को कम दिखाया गया, जबकि विदेशी आक्रमणों का महिमामंडन किया गया। उन्होंने कहा कि एनईपी 2020 इन पुरानी नीतियों से एक निर्णायक विराम है, और इसे व्यापक लोकतांत्रिक परामर्श के बाद लागू किया गया है। शिक्षा मंत्री ने महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर कहा कि 2014 के बाद से महिलाओं की उच्च शिक्षा में भागीदारी में जबरदस्त वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि महिला पीएचडी नामांकन में 135 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, और एसटीईएमएम क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी 43 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इसके अलावा, सरकारी स्कूलों में शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाया जा रहा है।

तमिलनाडु में नीट को लेकर 8 सालों में 20 परीक्षार्थियों ने की खुदकुशी

राज्य की मुख्य पार्टियां भी हटाना चाहती हैं नीट, नहीं मिल रही सफलता

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में पिछले आठ सालों में कम-से-कम 20 नीट के परीक्षार्थी खुदकुशी कर चुके हैं। राज्य की मुख्य पार्टियां भी नीट को हटाना चाहती हैं, लेकिन सफलता नहीं मिल रही है। तमिलनाडु में नीट की तैयारी कर रही एक छात्रा ने हाल ही में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक छात्रा ने साल 2021 में 12वीं की परीक्षा पास की थी। वह पिछले तीन सालों से नीट-यूजी की परीक्षा दे रही थी, लेकिन सफल नहीं हो सकी। इस साल 4 मई को होने वाली नीट की परीक्षा को लेकर वह तनाव में थी। इस घटना के बाद तमिलनाडु की विपक्षी पार्टी एआईएडीएमके के महासचिव के पलानीस्वामी ने सत्ताधारी पार्टी डीएमके को घेरा है। उन्होंने अपने एक्स पर लिखा- डीएमके ने यह कहकर कि अगर वह सत्ता में आई तो तमिलनाडु में नीट नहीं होगा, झूठ बोला है और छात्रों को धोखा दिया है। क्या नीट की वजह से लगातार होती मौतें डीएमके के लिए चिंता का विषय नहीं है? एक रिपोर्ट के मुताबिक तमिलनाडु में पिछले आठ सालों में 20 नीट प्रतियोगी खुदकुशी कर चुके हैं।

यह राज्य में एक बड़ा मुद्दा है। राज्य की दोनों बड़ी पार्टियां डीएमके और एआईएडीएमके नीट का विरोध करती हैं। दोनों पार्टियां राज्य विधानसभा में नीट के खिलाफ प्रस्ताव भी पारित कर हैं। एमबीबीएस और बीडीएस जैसे अंडर-ग्रैजुएट मेडिकल कोर्सों में दाखिले के लिए होने वाली नीट-यूजी प्रवेश परीक्षा में कक्षा 12वीं पास करने के बाद बैठा जा सकता है। इसके जरिए युवा विद्यार्थियों को देश के सरकारी और निजी चिकित्सा संस्थानों में दाखिला मिलता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले दशक में मेडिकल सीटों के लिए होने वाली परीक्षा के प्रारूप में काफी बदलाव हुए। साल 2013 से पहले मेडिकल सीटों पर दाखिले के लिए कई परीक्षाएं होती थीं। कई राज्य और मेडिकल कॉलेज अपनी अलग परीक्षाएं करवाते थे। वहीं, केंद्रीय स्तर पर ऑल इंडिया प्री-मेडिकल टेस्ट लिया जाता था। साल 2013 में पहली बार नीट परीक्षा करवाई गई। इसके बाद के कुछ सालों में कई बदलाव और विवाद हुए जिसके बाद 2017 से हर साल नीट की परीक्षा करवाई जाने लगी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2017 में एक दलित लड़की अनीता ने राज्य की बोर्ड परीक्षाओं में 1200 में से 1176 अंक हासिल किए लेकिन वह नीट में सफल नहीं हो सकीं। उनका कहना था कि वह नीट को समझ नहीं पाई क्योंकि यह सीबीएसई बोर्ड के पाठ्यक्रम पर आधारित होता है और गरीब परिवार से आने के चलते वह कोचिंग नहीं ले सकतीं। अनीता सुप्रीम कोर्ट में नीट को चुनौती देने वाले एक मामले में याचिकाकर्ता भी थीं। जब सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि नीट के अलावा किसी और तरीके से मेडिकल सीट पर दाखिला नहीं दिया जाएगा, तो इस फैसले के नौ दिन बाद अनीता ने आत्महत्या कर ली थी।

आलोचकों का कहना है कि नीट के सीबीएसई के पाठ्यक्रम पर आधारित होने की वजह से इसमें तमिल बोर्ड के विद्यार्थियों को नुकसान उठाना पड़ता है। वे यह भी कहते हैं कि तमिलनाडु में बड़ी संख्या में विद्यार्थी तमिल भाषा में ही पढ़ाई करते हैं और वे नीट परीक्षा में अपनी पूरी क्षमता से प्रदर्शन नहीं करते हैं। इसके अलावा, यह तर्क भी दिया जाता है कि नीट की वजह से राज्य की शिक्षा प्रणाली पर नकारात्मक असर हो रहा है।

सीएम योगी ने कहा- राजनीति मेरे लिए फुलटाइम जॉब नहीं... अखिलेश का तंज

-बोले- योगी को राजनीति करनी ही नहीं चाहिए जो इसे पार्ट टाइम समझते हैं

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ का कहना है कि राजनीति उनके लिए फुलटाइम जॉब नहीं है। उन्होंने कहा कि पार्टी के नेतृत्व ने मुझे यूपी की जनता के लिए काम करने की जिम्मेदारी सौंपी है। मैं असल में एक योगी हूं, राजनीति मेरे लिए फुलटाइम जॉब नहीं है। योगी की इस बात पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक्स पर एक पोस्ट लिखकर तंज कसा है। अखिलेश यादव ने लिखा- दरअसल उनको राजनीति करनी ही नहीं चाहिए जो इसे पार्ट टाइम समझते हैं क्योंकि 'सच्ची राजनीति सेवा का क्षेत्र' होती है, जिसके लिए दिन के 24 घंटे और पूरा जीवन भी कम होता है। योगी इससे पहले भी कह चुके हैं कि वह पहले गोरक्षपीठ के महंत हैं और उसके बाद उन्हें सीएम की जिम्मेदारी मिली थी। उन्होंने अपनी सरकार के 8 साल पूरे होने के मौके पर यह बात कही थी।

वक्फ बिल को लेकर योगी ने कहा कि हर अच्छे काम का विरोध होता है। कोई एक काम भी वक्फ बोर्ड गिना सकता है क्या कि उसने समाज के कल्याण के लिए कोई काम किया है। ये सब व्यक्तिगत स्वार्थ के अड्डे बने हैं। सरकारी संपत्ति पर काबिज होने के ये जरिया बने हुए हैं। हर सुधार का विरोध होता है, लेकिन देश, काल और परिस्थिति के मुताबिक हमें बदलाव के लिए तैयार रहना चाहिए। इसका लाभ मुस्लिम समुदाय को होगा और कानून-व्यवस्था का जो संकट खड़ा है, उससे भी मुक्ति मिलेगी।

हिंदू मठ और मंदिर तो गोशाला, कैंटीन, अस्तपाल चलाते हैं, वक्फ क्या कर रहा आप हिंदू मठ-मंदिरों को देखते हैं तो वे अपने सीमित संसाधनों से ही वेलफेयर के काम करते हैं। सरकारों से कोई सहयोग नहीं मिलता। फिर भी वे गोशाला, स्कूल, कैंटीन, मेडिकल कॉलेज और अस्पताल जैसे तमाम संस्थान चलाते हैं। गरीब बच्चों को स्कॉलरशिप देते हैं। किसी वक्फ बोर्ड ने आज तक कोई ऐसा काम किया है क्या।

ये लोग जिस संपत्ति को भी कह देते हैं कि वह वक्फ की है, उसे उनका मान लिया जाता है। यह कहां का क्या न्याय है। किसी भी संपत्ति पर कब्जे की प्रवृत्ति बंद होनी चाहिए और वक्फ का ऑडिट होना चाहिए। पता चलना चाहिए कि उससे समाज के लिए क्या काम हुआ है। समाज की बात छोड़िए। यही बता दें कि आखिर मुसलमानों के लिए ही उन्होंने क्या किया है।

4 अप्रैल से मौसम में आएगा बदलाव, तेज हवाओं व बारिश की चेतावनी जारी

-गुजरात के कच्छ और भावनगर में लू का येलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात में इस समय मौसम बड़ा असीब हो रता है। राज्य के कुछ हिस्सों में तापमान तेजी से बढ़ रहा है, जो परेशानियों का कारण बन रहा है, जबकि कुछ इलाकों में बेमौसम बारिश की संभावना ने मौसम को और भी जटिल बना दिया है। दक्षिण गुजरात के कई इलाकों में मौसम ने अचानक करवट ली है, और यहां बेमौसम बारिश का अलर्ट जारी कर दिया है।

साथ ही, कच्छ और भावनगर जैसे क्षेत्रों में लू चलने की चेतावनी जारी की गई है। यह मौसम का दोहरा रूप राज्य के नागरिकों को तैयार रहने के लिए कहता है, क्योंकि कुछ स्थानों पर तेज हवाओं और बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने बुधवार 2 अप्रैल के लिए कच्छ और भावनगर में लू के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा, साबरकांठा, महिसागर, दाहोद, वडोदरा, सूरत, तापी, और कई अन्य जिलों में हल्की बारिश होने की संभावना जताई गई है। इस दौरान तेज हवाएं भी चल सकती हैं, जो मौसम को और चुनौतीपूर्ण बना सकती हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक 4 अप्रैल तक राज्य में तापमान सामान्य होने की संभावना है, लेकिन तब तक लोगों को अत्यधिक गर्मी और 17 जिलों में बेमौसम बारिश का सामना करना पड़ सकता है। गुजरात के मौसम के इस बदलाव के बीच, यह जरूरी है कि लोग अपने स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सतर्क रहें। वहीं, राजस्थान में 4 अप्रैल को मौसम में बड़ा बदलाव हो सकता है। राज्य के 15 जिलों में बारिश और आंधी की संभावना है। इन जिलों में तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश हो सकती है। यह बदलाव राजस्थान में बढ़ती गर्मी से राहत दिला सकता है, लेकिन इसके साथ ही मौसम में अस्थिरता भी आ सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक 5 अप्रैल को फिर से मौसम में बदलाव होगा और तापमान में वृद्धि हो सकती है।

राजस्थान में 1 से 3 अप्रैल के बीच राज्य के दक्षिण-पूर्वी इलाकों में बादल छाए रहेंगे, जबकि उत्तर राजस्थान में हल्की से तेज हवाएं 20-30 किमी/घंटा की रफ्तार से चल सकती हैं। 2 अप्रैल को बारां, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, झालावाड़ और कोटा में बारिश की संभावना है, जबकि 3

अप्रैल को अजमेर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, दौसा, जयपुर, झालावाड़, करौली, कोटा, सवाई माधोपुर और टोंक में बारिश के साथ गर्जन और वज्रपात की चेतावनी जारी की गई है। इन क्षेत्रों में मौसम में अचानक बदलाव आ सकता है।